राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर को टकर देने के लिए अडानी.....

अब श्रीभूमि कहलाएगा असम का करीमगंज जिला, आजादी के बाद कई दिन..... 12

वर्ष : 15 | अंक : 216 | नई दिल्ली, गुरूवार, 21 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

कांग्रेस, राकांपा हैं लूट, भ्रष्टाचार के सबसे बड़े खिलाड़ी : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) पर महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में क्रिप्टो मुद्रा बिटक्वाइन के माध्यम से गबन करके 235 करोड़ रुपए चुनावों में खर्च करने का आज आरोप लगाया और इस घोटाले की जांच कराने की मांग की। भाजपा के प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, आज जब ये प्रेसवार्ता हो रही है तो हमारी पहली अपील है कि झारखंड और महाराष्ट्र में लोग लोकतंत्र के पर्व में भाग लेने के लिए घर से बाहर निकलें और विकास के पक्ष में, देश के पक्ष में और अपने राज्य के पक्ष में वोट जरूर डालें। उन्होंने कहा कि मीडिया के माध्यम से पता चल रहा है कि महाविकास अघाड़ी के कुछ अग्रिम पंक्ति के नेता जिनमें सुप्रिया सुले जी और कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले जी शामिल हैं। उनके द्वारा लगभग 235 करोड़ रुपये के घोटाले, गबन और उस गबन के पैसे का इस चुनाव में खर्च का पूरा ब्योरा सामने आ रहा है। उन्होंने कहा, ये एक गंभीर मामला है और स्वाभाविक रूप से न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश और झारखंड के लोगों को भी इस मामले को समझना चाहिए। बिटक्वाइन और क्रिप्टो करेंसी ये बहुत ही भारी शब्द होते हैं। मैं इसको बहुत ही साधारण तरीके से समझाऊंगा कि किस प्रकार राहुल गांधी के कहने पर उनके महाराष्ट्र के अध्यक्ष किस प्रकार गबन कर रहे थे और ठीक उसी प्रकार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शरद पवार गुट की नेता और सांसद सुप्रिया सुले जी ने भी किस प्रकार से गबन किया है। डॉ. पात्रा ने कहा, इस मामले में कई किरदार हैं। लेकिन मुख्य किरदार रवींद्रनाथ पाटिल हैं। ये 2004 बैच के आईपीएस ऑफिसर हैं और इन्होंने 2010 में आईपीएस छोड़कर एक कॉपोरेट फर्म में नौकरी कर ली और वहां बाकायदा एक साइबर विशेषज्ञ के रूप में उन्होंने काम किया। 2018 में महाराष्ट्र में एक क्रिप्टो करेंसी साइबर धोखाधड़ी हुई। उसमें जांच के लिए रवींद्रनाथ पाटिल को

एक साइबर एक्सपर्ट के रूप में लगाया गया। लेकिन 2022 में ये खुद गिरफ्तार हो गए। कहीं न कहीं क्रिप्टो करेंसी साइबर अपराध से कुछ बिटक्वाइन गायब हो गए, जिसमें इनपर आरोप लगा और ये 14 महीने विचाराधीन कैदी के तौर पर जेल में रहे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, जब 2018 में ये क्रिप्टो करेंसी साइबर अपराध हुआ था, तो एक क्रिप्टो मुद्रा का एक वॉलेट मिला था। उस वॉलेट में करोड़ों के बिटक्वाइन थे। अब रविन्द्र पाटिल जी का कहना है कि पुणे के पुलिस आयुक्त अमिताभ गुप्ता और भाग्यश्री ने मिलकर उस असली वॉलेट को वहां से हटा दिया और एक नकली वॉलेट वहां रख दिया और उन करोडों रुपयों को इन दोनों आईपीएस अधिकारियों ने हथिया लिया। उन्होंने कहा, ह्वरवींद्रनाथ पाटिल ने अपने इंटरव्यू में कहा है कि अब गौरव मेहता को डर है कि एक बार जब बिटक्वाइन का ये वॉलेट खत्म हो जाएगा और जब वो सारे पैसे दुबई से लाकर अपने आकाओं यानी सुप्रिया सुले और नाना पटोले को दे देगा तो उसको कहीं न कहीं रास्ते से हटा दिया जाएगा। इसलिए अपनी जान बचाने के लिए वो सारी सच्चाई एक अधिकारी को बता रहा है और मीडिया के सामने लाने की कोशिश कर रहा है कि कल अगर मुझे कुछ होता है तो कम से कम लोग जानें कि कौन लोग मेरी जान के पीछे हैं। आज हम जानते हैं कि यदि गौरव मेहता को मारने की कोई साजिश होती है, तो उसके पीछे राहुल गांधी, सुप्रिया सुले या नाना पटोले उसके पीछे हैं।डॉ. पात्रा ने कहा, सुप्रिया सुले के 4 ऑडियो हैं... आज सुप्रिया सुले कह रही हैं कि ये एआई से जनरेट किया गया है, ये मेरी आवाज नहीं है जबकि उनका अपना भाई कह रहा है कि ये उनकी आवाज है और साफ तौर पर हम सुन सकते हैं कि सुप्रिया सुले क्या निर्देश दे रही हैं और सिर्फ सुप्रिया सुले ही नहीं आप नाना पटोले को भी देख सकते हैं कि वो किस तरह अमिताभ गुप्ता जो कि पुलिस आयुक्त हैं उन्हें निर्देश दे रहे हैं।उन्होंने कहा, ह्वइस देश में लूट और भ्रष्टाचार के इस खेल में अगर कोई सबसे बड़ा खिलाड़ी है तो वह सोनिया गांधी और राहुल गांधी हैं। और जिस तरह से कथित तौर पर ये बातें हो रही हैं और इसमें करोड़ों रुपये शामिल हैं। हम चाहते हैं कि श्री राहुल गांधी इस पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करें और अपनी तरफ से सफाई भी दें कि क्या उन्होंने नाना पटोले को निर्देश नहीं दिया।

संक्षिप्त खबरें

मोदी गुयाना पहुंचे, राष्ट्रपति इरफान अली ने किया स्वागत

जॉर्जटाउन/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजकीय यात्रा पर मंगलवार को गुयाना के जॉर्जटाउन पहुंचे जहां राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से गले मिलकर एक-दूसरे का अभिवादन किया। पिछले 56 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की गुयाना की यह पहली यात्रा है। मंगलवार देर रात गुयाना के समयानुसार हवाई अड्डे पर पहुंचने पर श्री मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यात्रा के दौरान श्री मोदी श्री अली के साथ चर्चा करेंगे, गुयाना के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मिलेंगे एवं गुयाना की संसद और प्रवासी भारतीयों की एक सभा को संबोधित करेंगे। श्री मोदी जॉर्जटाउन, गुयाना में दूसरे कैरिकॉम-भारत शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे और इस क्षेत्र के साथ भारत की दीर्घकालिक मित्रता को और बढ़ाने के लिए कैरिकॉम सदस्य देशों के नेताओं के साथ बैठकें करेंगे। इससे पहले 2023 में राष्ट्रपति श्री अली मध्य प्रदेश के इंदौर में 17वें प्रवासी भारतीय दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर भारत आए थे। तब उन्हें प्रवासी भारतीय सम्मान से भी सम्मानित किया गया था।

1000 नई सामान्य बोगियां नवंबर के अंत तक 370 ट्रेन में जोड़ी जाएंगी : रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड प्रतिदिन एक लाख से अधिक यात्रियों को यात्रा की सुविधा देने के लिए नवंबर के अंत तक 370 ट्रेन में 1000 नई सामान्य बोगियां (जनरल कोच) जोड़ने की प्रक्रिया पूरी कर लेगा। बोर्ड ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कई ट्रेन में 583 सामान्य बोगियां पहले ही लगाई जा चुकी हैं। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, शेष बोगियों को जोड़ने की प्रक्रिया देशभर के सभी रेल जोनों और मंडलों में चल रही है। यह इस महीने के अंत तक पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा, हमने अगले साल 2025 में होली पर त्योहारी भीड़ से निपटने के लिए योजना बनाने के साथ तैयारी शुरू कर दी है। रेलवे बोर्ड के अनुसार, उसने अगले दो वर्षों में 10,000 गैर-एसी बोगियां जोड़ने की योजना बनाई है जिसके बाद आठ लाख से अधिक अतिरिक्त यात्री प्रतिदिन यात्रा कर सकेंगे। उन्होंने कहा, ये सभी 10,000 बोगियां एलएचबी श्रेणी की हैं जो उन्नत सुरक्षा सुविधाएं और यात्री सुविधाएं सुनिश्चित करती हैं।

झारखंड में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न, 67.59 प्रतिशत वोटिंग

रांची, एजेंसी

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए 38 सीटों पर कई सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुधवार को शाम पांच बजे मतदान शांतिपूर्ण समाप्त हो गया और इस दौरान 14218 मतदान केंद्रों पर 67.59 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने यहां बताया कि इन 38 विधानसभा क्षेत्र में आज सुबह 7:00 बजे से मतदान शुरू हुआ और पांच बजे शाम समाप्त हो गया और इस दौरान 67.59 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इन क्षेत्रों के 31 मतदान केंद्रों पर शाम 4:00 बजे शाम ही मतदान समाप्त हुआ था जबकि शेष मतदान केंद्रों पर पांच बजे शाम मतदान समाप्त हुआ।दूसरे चरण के चुनाव में कुल 528 उम्मीदवार की किस्मत ईवीएम में आज बंद हो गई। इसमें 472 पुरूष और 55 महिला उम्मीदवार हैं जबकि

एक जेंडर उम्मीदवार है।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, विधानसभा में विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, सांसद निशीकांत दूबे समेत अन्य नेताओं ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में मताधिकार का प्रयोग किया।राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने खिजरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की महिला समिति, धुर्वा बूथ संख्या- 373 पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्र पर मुख्य सचिव सहित उपस्थित सभी मतदाताओं का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

महाराष्ट्र में शाम पांच बजे तक 58.22 प्रतिशत मतदान

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए बुधवार सुबह सात बजे से शुरू हुए मतदान में शाम पांच बजे तक 58.22 प्रतिशत लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। सूत्रों के अनुसार राज्य में कुछ मतदान केन्द्रों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में खराबी आने पर मतदान प्रकिया बाधित हुई और मतदान केन्द्र के बाहर मतदाताओं को लम्बी कतार में अपनी बारी का इंतजार करते हुए देखा गया।इस बीच नासिक जिले के नांदगांव निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना (शिंदे गुट) उम्मीदवार सुहास कांडे और राज्य के मंत्री एवं वरिष्ठ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) नेता छगन भुजबल के भतीजे निर्दलीय उम्मीदवार समीर भुजबल के समर्थकों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि महाराष्ट्र की 288 विधानसभा क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया, जो शाम छह बजे तक चलेगा। समय की समाप्ति के बाद भी कतार में खड़े मतदाता मतदान कर सकेंगे। आयोग ने बताया कि राज्य में शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से मतदान कराने के लिए हरसंभव प्रयास किये गये हैं।

शिक्षा बदलाव का सबसे बड़ा केंद्र : धनखड़

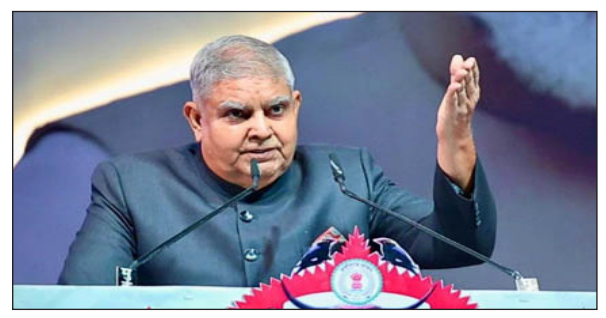

झुंझुनू, एजेंसी

झुंझुनूं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिक्षा को समाज में बदलाव और समानता स्थापित करने का सबसे बड़ा केंद्र बताते हुए कहा है कि वह समाज में समानता को बढ़ावा एवं असमानता को समाप्त करती है और यह जो चरित्र प्रदान करती है, वही हमें परिभाषित करता है। श्री धनखड़ झुंझुनूं जिले के काजड़ा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्व बाल दिवस के अवसर पर अनुशासन, संस्कार और मानव निर्माण के महत्व पर बल दिया और कहा ह्वआपकी उम्र में संस्कारी बनना आवश्यक है। माता-पिता का सम्मान करना, गुरूजनों को प्रणाम करना, आपसी भाईचारे को बढ़ाना और अनुशासन दिखाना आपके जीवन के अभिन्न हिस्से होने चाहिए। मानव निर्माण के लिए श्रेष्ठ आदतों का संचार आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं के लिए उभरते अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की सरकारी नीतियों ने आपकी प्रतिभा को चमकाने के लिए अनेक मंच प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा आप सभी ग्रामीण भारत की रीढ़ की हड्डी हैं। याद रखें भारत की आत्मा ग्रामीण आंचल में है। हमारी जड़ें ग्रामीण भारत में ही मजबूत होती हैं। हमारा अन्नदाता किसान भी ग्रामीण क्षेत्रों में ही रहता है। उन्होंने कहा कि पंचायत राज और नगर पालिका जैसी संस्थाओं के माध्यम से भारत ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर तक सशक्त किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने इसे एक गेम-चेंजर बताया। उन्होंने कहा तीन दशकों के बाद भारत को एक नई शिक्षा नीति मिली है, जिसका उद्देश्य छात्रों को केवल पुस्तकों और डिग्रियों के बोझ से मुक्त करना और उन्हें कौशलयुक्त बनाना है। यह नीति भारत को 2047 तक विकसित भारत के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। उन्होंने छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए आग्रह किया कि वे अपने दादा-दादी और नाना-नानी के नाम पर पेड़ लगाएं। उन्होंने संस्थानों से अपील की कि वे इस नेक कार्य को मिशन मोड में लेकर चलें। उपराष्ट्रपति ने कहा जब आप इस विद्यालय से बाहर जाएं, तो आपको ऐसा अनुकरणीय आचरण दिखाना चाहिए, जो इस विद्यालय के गौरव को बढ़ाए। उपराष्ट्रपति ने बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और उनकी कार्यशैली की सराहना की, जिसने भारत के युवाओं को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए मंच प्रदान किया है। इस अवसर पर राज्य के नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी मौजूद थे।

एग्जिट पोल : महाराष्ट्र व झारखंड में एनडीए को बहुमत के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर मतदान खत्म हो गया है। न्यूज चैनल और एजेंसियों के एग्जिट पोल्स आ गए हैं। एग्जिट पोल्स के अनुसार झारखंड में सोरेन सरकार की विदाई होती दिख रही है और राज्य की सत्ता पर एनडीए की वापसी होती दिख रही है. मैटराइज के एग्जिट पोल के अनुसार, राज्य में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है और झारखंड़ में इस बार भाजपा गठबंधन की सरकार बनती नजर आ रही है, जबकि यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद के साथ बने इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। एग्जिट पोल के मुताबिक, झारखंड में भाजपा गठबंधन को 42 से 47 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। वहीं, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक को 25 से 30 सीटें जीतने का दावा किया गया है, जबकि अन्य के खाते में 1 से 4 सीट जाने का अनुमान लगाया गया है। वहीं,पीपुल्स प्लस ने भी अपने एग्जिट पोल में एनडीए को 44-53 सीटें दी है तो वहीं इंडिया गठबंधन को 25-37 सीटें दी है। हालांकि, एक्सिस माई इंडिया के सर्वेक्षण में झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार की वापसी का अनुमान जताया गया है।एनडीटीवी के पोल ऑफ पोल्स के मुताबिक, झारखंड में बीजेपी के गठबंधन वाले एनडीए की सरकार बनने के आसार हैं। एनडीए को 81 में से 46 सीटें मिल सकती हैं। बहुमत का आंकड़ा 41 है। जबकि इंडिया 32 के आसपास सीटें जीत सकती हैं। 3 सीटों पर निर्दलीय जीतकर आ सकते हैं। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों, झारखंड चुनाव के दूसरे फेज में 38 सीटों पर वोटिंग पूरी हो चुकी है। 4 राज्यों की 15 विधानसभा सीटों और महाराष्ट्र की नादेड़ लोकसभा सीट पर उपचुनाव भी खत्म हो चुके हैं। अब तमाम न्यूज चैनल और एजेंसियों के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए हैं।

राजनाथ लाओ में मिले चीन के रक्षा मंत्री डॉंग जुन से, विश्वास बहाली के लिए काम करने पर बनी सहमति

रांची, एजेंसी

वियनतियाने (लाओ)/नई दिल्ली। लाओ की यात्रा पर पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को वहां चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉंग जुन के साथ बैठक की और दोनों देशों के संबंधों में विश्वास बहाली के विषय में बातचीत की। श्री सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्यचीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉंग जुन के साथ वियतनाम में एक बहुत ही सार्थक बैठक की। हम (अपने दोनों देशों के बीच) परस्पर विश्वास और सूझबूझ को पुनःस्थापित करने की एक योजना पर मिल कर काम करने पर सहत हुए हैं। श्री सिंह दक्षण पूर्व एशियायी देशों के संघ (आसियान) रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम) के साथ होने वाली आमंत्रित देशों की बैठक (एडीएमएम-प्लस) में भाग लेने के लिए 20 से 22 नवंबरतक लाओ

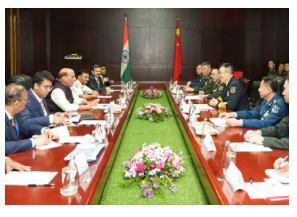

की आधिकारिक यात्रा पर होंगे। वह वियनतियाने में हो रहे इस सम्मेलन दौरान क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर संबोधन करेंगे। यह एडीएमएम-प्लस की 11वीं बैठक है।

रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान श्री सिंह ऑस्ट्रेलिया, जापान, लाओ, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, कोरिया और अमेरिका के रक्षा मंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें भी कर सकते हैं। इन बैठकों का उद्देश्य इन देशों के साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और बढ़ाना है। एडीएमएम आसियान में सर्वोच्च रक्षा परामर्शदात्री और सहयोग तंत्र है। एडीएमएम में आसियान केसदस्य देशों ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के अलावा आठ वार्ता साझेदारों (भारत, अमेरिका, चीन, रूस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड) को आमंत्रित किया जाता है। इसका उद्देश्य वैश्विक सुरक्षा और विकास के लिए इन देशों के बीच सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करना है। भारत वर्ष 1992 में आसियान का वार्ता साझेदार बना और पहला एडीएमएम -प्लस 12 अक्टूबर, 2010 को हनोई, वियतनाम में आयोजित किया गया था। वर्ष 2017 से, एडीएमएम-प्लस देशों के मंत्री आसियान और इसके वार्ता साझेदार देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सालाना बैठक कर रहे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी भारतीय टीम ने जबरदस्त तालमेल और संयम का परिचय देते हुए चीन को हाशिये पर रखा.....

चैंपियंस ट्रॉफी : भारतीय महिला हॉकी टीम ने जीता खिताब, चीन को 1-0 से हराया

राजगीर, एजेंसी

राजगीर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर खिताब जीत लिया है। भारतीय महिला टीम ने इस तरह तीसरी बार खिताब जीता। भारत के लिए दीपिका ने तीसरे क्वार्टर में गोल किया जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। दीपिका ने 31वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया और टीम को बढ़त दिलाई। चीन की टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

दीपिका ने किया कमाल :

गत चैंपियन के तौर पर उतरी भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान दमदार प्रदर्शन किया और शानदार खेल के दम पर खिताब बरकरार रखने में सफल रही। फाइनल में चीन ने भारत को कड़ी टक्कर दी और पहले दो क्वार्टर तक दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं। हालांकि, तीसरे क्वार्टर में दीपिका ओलंपिक की रजत पदक विजेता चीन के गोल पोस्ट को भेदने में सफल रहीं। दीपिका का इस टूर्नामेंट का यह 11वां गोल था।

पिछले साल रांची में और 2016 में सिंगापुर में यह खिताब जीत चुकी भारतीय टीम ने जबरदस्त तालमेल और संयम का परिचय देते हुए चीन को हाशिये पर रखा। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में भारत को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर दीपिका ने गोल करके खचाखच भरे बिहार खेल यूनिवर्सिटी स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में उत्साह का संचार कर दिया। भारत के पास तीसरे क्वार्टर में ही बढ़त दुगुनी करने का सुनहरा मौका था, लेकिन 42वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर दीपिका का शॉट चीन की गोलकीपर ने दाहिनी ओर डाइव लगाकर बचा लिया। भारत को चौथे क्वार्टर में भी

एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वैरिएशन का कोई नतीजा नहीं निकला। वहीं, भारतीय खिलाड़ी एक बार फिर फिनिशंग टच के लिए जूझते रहे। जापान के खिलाफ सेमीफाइनल में 16 पेनल्टी कॉर्नर में से एक भी तब्दील नहीं कर सकी भारतीय टीम की कमजोरी फाइनल में पहले 30 मिनट में फिर देखने को मिली जब उसे मिले चार पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए।

भारत ने नहीं हारा एक भी मुकाबला :

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारत ने पांच मुकाबले खेले और सभी में जीत हासिल की। यानी की टीम एक भी मैच हारे बिना चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने कब्जे में कामयाब रही है। चीन की टीम ने पांच मुकाबले खेले, जिसमें से सिर्फ एक हारा और वह भी फाइनल। फाइनल में भारत के आगे चीन की प्लेयर्स कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। भारत ने साउथ कोरिया की कर ली बराबरी सलीमा टेटे की अगुवाई में भारत महिला टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में दबदबा कायम रखा और पूरे टूर्नामेंट में एक भी मुकाबला नहीं हारा। सेमीफाइनल में भारत ने जापान को मात दी थी। भारत ने तीसरी बार (2016, 2023, 2024) एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया है। इसी के साथ भारत ने साउथ कोरिया की बराबरी कर ली है। साउथ कोरिया ने भी अउळ चैंपियंस ट्रॉफी का टाइटल तीन बार जीता था।

दिल्ली में सरकारी दफ्तरों में टाइमिंग बदलने के बाद अब वर्क फ्रॉम होम पर लगेगी मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। एनसीआर में लगातार बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने दिल्ली के सरकारी दफ्तरों के समय में बदलाव के बाद अब सरकारी दफ्तर में काम करने वाले 50 प्रतिशत लोगों के वर्क फ्रॉम होम पर मुहर लगाने की तैयारी कर ली है। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय आज एक महत्वपूर्ण बैठक कर इस प्रस्ताव पर अधिकारियों से बातचीत करेंगे और फिर इसे दिल्ली में लागू किया जाएगा। गोपाल राय ने सोशल मीडिया के जरिए बताया, प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने सरकारी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम का निर्णय लिया है। 50 प्रतिशत कर्मचारी करेंगे घर से काम। इसके इम्प्लीमेंटेशन के लिए सचिवालय में आज दोपहर 1 बजे अधिकारियों के साथ होगी बैठक। गौरतलब है कि इससे पहले भी 15 नवंबर को देश की राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला लिया था। इस फैसले में सरकारी ऑफिस के टाइमिंग में दिल्ली सरकार की ओर से बदलाव किए गए थे। जिसके बाद सभी सरकारी दफ्तरों के लिए अलग-अलग टाइमिंग हो गई है। जिसके मुताबिक एमसीडी के ऑफिस 8.30 से 5 बजे तक खुलेंगे। वहीं सेंट्रल गवर्नमेंट के ऑफिस की टाइमिंग पहले की तरह सुबह 9 से 5 होगी। वहीं दिल्ली सरकार के दफ्तरों की टाइमिंग 10 बजे से 6.30 बजे होगी। इस टाइमिंग को बदलने का मकसद है कि वाहनों की संख्या सड़कों पर कम हो और जब लोग ऑफिस के लिए निकले तो अलग-अलग समय होने के चलते वाहनों का दबाव सड़कों पर काम पड़े और प्रदूषण कम हो। इससे पहले भी बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने सभी स्कूल बंद कर दिए हैं और उनकी ऑनलाइन क्लासेस शुरू कर दी है। ग्रेप 4 के नियम लागू होने के बाद कई जरूरी नियम अब एनसीआर में लागू हो गए हैं जिसमें बीएस-3 के पेट्रोल वाहनों और बीएस -4 के डीजल वाहनों की आवाजाही पर भी रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही कंस्ट्रक्शन करने और डीजल जनरेटर चलने पर भी पूरी तरीके से रोक लागू कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

शहर में नहीं है महिलाओं के लिए एक भी पिंक शौचालय

ऋषिकेश, एजेंसी। आज दुनियाभर में खुले में शौच की रोकथाम और लोगों को पर्याप्त स्वच्छता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्व शौचालय दिवस मनाया जा रहा है। लेकिन नगर निगम ऋषिकेश और पूरे ऋषिकेश तहसील क्षेत्र में महिलाओं के लिए एक भी पिंक टॉयलेट नहीं है। नगर निगम की कमान पिछले पांच वर्षों तक एक महिला जनप्रतिनिधि के हाथ में रही है। वहीं नगर निगम के निवर्तमान बोर्ड में 40 में से 18 महिला पार्षद शामिल थीं। लेकिन हैरानी की बात है कि इसके बावजूद शहर में महिलाओं के लिए अलग से एक भी पिंक शौचालय नहीं है। यानि नगर निगम क्षेत्र में आधी आबादी के लिए शौचालय आदि की कोई व्यवस्था नहीं है। हालांकि शहर के बड़े शौचालयों में महिला और पुरुषों की अलग-अलग व्यवस्था की गई है। लेकिन सामान्य सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति भी दयनीय बनी हुई है। इसके अलावा सार्वजनिक शौचालयों में वैसे तो 24 घंटे सुविधा का बोर्ड लगा है, लेकिन सभी रात को नौ बजे के बाद ही बंद हो जाते हैं।

बनभूलपुरा हिंसा में महिला कांस्टेबल को बचाने वाले परिवार को धमकी

हल्द्वानी, एजेंसी। बनभूलपुरा हिंसा के दौरान महिला कांस्टेबल को बचाने वाले परिवार ने पड़ोसियों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। बनभुलपुरा क्षेत्र के वार्ड नंबर 31 नई बस्ती ठोकर निवासी महरीन पत्नी आबिद अहमद ने मंगलवार को सीओ नितिन लोहनी से मुलाकात की। कहा, फरवरी को बनभूलपुरा में हुए दंगे के दौरान कुछ लोग एक महिला कांस्टेबल के साथ मारपीट पर उतारु थे। उन्होंने उक्त कांस्टेबल को अपने घर में छिपाकर उसकी जान बचाई थी। कहा कि इस बात से पड़ोसी उनसे नाराज हैं। इस वजह से पड़ोसी उसे परेशान कर रहे हैं। आबिद ने बताया कि उनकी बेटी के साथ भी मारपीट की गई है। मोहल्ले के कुछ लोगों चाहते हैं कि वह घर छोड़कर चले जाएं। कहा कि कुछ लोग उस घटना को सांप्रदायिक रंग देना चाहते हैं जिससे शहर का माहौल खराब हो सके। सीओ नितिन लोहनी ने मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

भाजपा ने लोहरियासाल के पांच बूथों का किया पुनर्गठन

हल्द्वानी, एजेंसी। भाजपा के संगठन पर्व के तहत मंगलवार को लामाचौड़ मंडल के शक्ति केंद्र लोहरियासाल के पांच बूथों का पुनर्गठन किया गया। बूथ संख्या 163 में केएस रौतेला को अध्यक्ष एवं डूंगर सिंह मेवाड़ी को महामंत्री, बूथ संख्या 164 में कमल बधानी को अध्यक्ष एवं पूरन देउपा को महामंत्री, बूथ संख्या 165 में तनुज नैनवाल को अध्यक्ष एवं कमल ढौंडियाल को महामंत्री, बूथ संख्या 159 में मुकेश रघुवंशी को अध्यक्ष एवं मोहन सिंह बिष्ट को महामंत्री व बूथ संख्या 160 में डीके पांडे को अध्यक्ष और भुवन चंद्र जोशी जी को महामंत्री बनाया गया। यहां जिला महामंत्री नवीन भट्ट, विधायक बंशीधर भगत, निवर्तमान पार्षद प्रमोद तोलिया, सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक बीएस रौतेला, शक्ति केंद्र प्रभारी गणेश जोशी, शक्ति केंद्र संयोजक मनोज जोशी, हेमंत भट्ट आदि रहे।

विज्ञान क्विज में पतलोट इंटर कॉलेज ने बाजी मारी

पहाड़पानी (नैनीताल), एजेंसी। ओखलकांडा ब्लॉक के बीआरसी खनस्यूं में मंगलवार को समग्र शिक्षा की ओर से ब्लॉक स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी और विज्ञान क्विज आयोजित की गई। इसका शुभारंभ परियोजना अधिकारी एवं धारी बीईओ अंशुल बिष्ट और विकासखंड समन्वयक आशुतोष साह ने किया। विज्ञान क्विज के सीनियर वर्ग में इंटर कॉलेज पतलोट प्रथम, गरगरी द्वितीय, खनस्यूं ने तृतीय रहा। विज्ञान क्विज के जूनियर वर्ग में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तल्ली पोखरी प्रथम, राजकीय इंटर कॉलेज गरगरी द्वितीय, इंटर कॉलेज पतलोट तृतीय रहा। विज्ञान प्रदर्शनी सीनियर वर्ग में लक्ष्मण सिंह चिलवाल प्रथम, कविता चौसाली द्वितीय, मुकेश महतोलिया तृतीय रहे। विज्ञान प्रदर्शनी जूनियर वर्ग में तनुजा प्रथम, डंपी द्वितीय, नेहा तृतीय स्थान रहीं। वहां कुलदीप बिष्ट, रविंद्र तिवारी, शैलेंद्र सिंह, निम्मी फोनिया, अशोक कुमार, पुष्पा आर्या, हरीश चंद्र बर्गली आदि थे।

सेना भर्ती : नहीं मिला ठिकाना, खेतों में बिताई रात, 10 हजार से अधिक युवा पहुंचे

पिथौरागढ़, एजेंसी। होटल, स्कूल, रैन बसेरे सब पैक होने से सेना भर्ती के लिए पहुंचे युवाओं को दिक्कतें झेलनी पड़ीं। दस हजार से अधिक युवा विभिन्न राज्यों से पिथौरागढ़ पहुंचे थे।

प्रादेशिक सेना की भर्ती में शामिल होने पहुंचे युवाओं को रहने के लिए ठिकाना नहीं मिला। होटल, स्कूल, रैन बसेरे पूरी तरह पैक रहे। ऐसे में युवाओं को खेतों में खुले आसमान के नीचे कड़ाके की ठंड में रात बितानी पड़ी। नगर सहित भर्ती स्थल के आसपास मंदिरों में कई युवाओं को रहना पड़ा।

पिथौरागढ़ में सेना के देवकटिया मैदान जाजरदेवल में 12 नवंबर से 27 नवंबर तक प्रादेशिक सेना भर्ती चल रही है। भर्ती में शामिल होकर अपने सपने को पूरा करने के लिए देश के विभिन्न राज्यों से सोमवार को 10,000 से अधिक युवा पिथौरागढ़ पहुंचे।

देर रात तक मैदानी क्षेत्रों से युवाओं की आवाजाही जारी रही। भीड़ अधिक होने से युवाओं को भारी दिक्कतों से गुजरना पड़ा। होटल और रैनबसेरे पैक हो गए। युवाओं को ठहराने के लिए कुछ स्कूलों का अधिग्रहण किया गया लेकिन ये भी नाकाफी साबित हुए। भीड़ अधिक होने से युवाओं को मैदान के नजदीक खेतों में रात बितानी पड़ी।

संवाद न्यूज एजेंसी ने भर्ती स्थल पहुंचकर

युवाओं की परेशानी को जाना तो उन्होंने आपबीती सुनाई। मध्य प्रदेश के सुनील ने बताया कि वह अपने चार साथियों के साथ भर्ती में शामिल होने पहुंचा है। होटलों और रैन बसेरों में भीड़ अधिक होने से ठहरने के लिए जगह नहीं मिली तो उन्हें कड़ाके की ठंड के बीच किसी तरह खेत में रात बितानी पड़ी। भर्ती में शामिल होने के लिए युवाओं का सीमांत जिले में पहुंचने का सिलसिला जारी है और अधिक भीड़ बढ़ने की संभावना है। ऐसे में पुलिस-प्रशासन को युवाओं को राहत देने के लिए मशक्कत करनी होगी।

अभ्यर्थियों की भीड़ को देखकर पुलिस-प्रशासन की दिक्कत भी बढ़ गई है। प्रशासन ने नगर के स्कूलों में 21 से 23 नवंबर तक तीन दिन का अवकाश करने का निर्णय लिया है। अभ्यर्थियों ठहराने के लिए इनमें व्यवस्था की जाएगी। मंगलवार को डीएम विनोद गोस्वामी ने कैंप कार्यालय में सेना, पुलिस, परिवहन, पूर्ति, जल संस्थान, नगर निगम के अधिकारियों के साथ ही होटल एसोसिएशन, टैक्सी यूनियन, केमू और रोडवेज प्रबंधन के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि युवाओं को ठहराने के लिए स्कूलों का अधिग्रहण किया गया है।

ऐसे में नगर के स्कूलों में 21, 22 और 23 नवंबर को अवकाश रहेगा। उन्होंने जल संस्थान को भर्ती स्थल पर युवाओं के लिए पानी की व्यवस्था करने, सीएमओ को दवा और आवश्यक उपकरणों के साथ एंबुलेंस और स्वास्थ्य कर्मियों को तैनात करने, नगर निगम, जिला पंचायत को सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ ही भर्ती स्थल पर मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था करने के लिए कहा है। उन्होंने युवाओं के रात्रि विश्राम के लिए अधिग्रहीत स्कूलों में भी शौचालयों और सफाई की व्यवस्था करने के लिए कहा है।

डीएम विनोद गोस्वामी ने कहा कि नगर सहित भर्ती स्थल के आसपास होटलों में युवाओं को उचित मूल्य पर भोजन उपलब्ध हो, इसकी जिम्मेदारी पूर्ति विभाग की होगी। भोजन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखना होगा। कहा कि यदि होटलों, ढाबों में भोजन की गुणवत्ता खराब मिली और युवाओं से इसका मूल्य अधिक लिया गया तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने पूर्ति विभाग के अधिकारियों को होटलों और ढाबों पर नजर रखने के निर्देश दिए। सरस्वती देव सिंह इंटर कॉलेज, केएनयू इंटर कॉलेज, मिशन इंटर कॉलेज, बालिका इंटर कॉलेज भाटकोट, गंगोत्री गर्ब्याल बालिका इंटर कॉलेज, सातशिलिंग इंटर कॉलेज, बुल्स आई पब्लिक स्कूल, महर्षि विद्या मंदिर जाजरदेवल, बियर शिबा पब्लिक स्कूल पुलिस लाइन, डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल रई, मानस एकेडमी, विवेकानंद इंटर कॉलेज, दयासागर इंटर कॉलेज, दयानंद इंटर कॉलेज, सोरवैली पब्लिक स्कूल, ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल, आइडियल पब्लिक स्कूल जाजरदेवल। डीएम विनोद गोस्वामी ने बताया सेना की ओर से यूपी के युवाओं के लिए 26 नवंबर से एक दिसंबर तक दानापुर बिहार में भर्ती रैली आयोजित की जा रही है। यूपी के जो युवा पिथौरागढ़ भर्ती में शामिल नहीं हो पाए वे दानापुर भर्ती रैली में भाग ले सकेंगे। पुलिस-प्रशासन ने इस बाबत वाहन में लाउडस्पीकर से अनाउंस भी किया गया। पिथौरागढ़ में चल रही प्रादेशिक सेना भर्ती में शामिल होने के लिए वाहन न मिलने पर युवाओं ने गहरी नाराजगी जताई। युवा सुबह से ही वाहनों के इंतजार में रोडवेज स्टेशन पर खड़े रहे। व्यापार संघ की पहल पर एसडीएम ने पिथौरागढ़ के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन कराया। पिथौरागढ में सेना भर्ती में जाने के लिए मंगलवार को सुबह से ही यूपी के युवाओं का टनकपुर आदि रास्तों से आने का सिलसिला शुरू हो गया था लेकिन उन्हें पिथौरागढ़ जाने के लिए कोई वाहन नहीं मिल रहा था।

एक चूक ने खतरे में डाली कुमाऊं की कानून व्यवस्था, आठ दिन तक दफ्तर-दफ्तर भटका पत्र

हल्द्वानी , एजेंसी। भर्ती के लिए परिवहन व्यवस्था के लिए लिखा गया पत्र आठ दिन दफ्तर-दफ्तर भटका। 11 नवंबर को लिखी पिथौरागढ़ के डीएम की चिट्ठी मंगलवार को मंडलीय प्रबंधक कार्यालय पहुंची।

प्रादेशिक सेना भर्ती के कारण दो दिन हंगामे की भेंट चढ़ गए। अभ्यर्थियों को पिथौरागढ़ तक पहुंचाने के लिए खड़ी हुई इस समस्या को परिवहन विभाग ने आमंत्रण दिया है। पिथौरागढ़ के डीएम विनोद गोस्वामी ने 11 नवंबर को पत्र लिखकर परिवहन निगम को आगाह कर दिया था। मगर यह पत्र ही दफ्तर-दफ्तर घूमते हुए नौवें दिन मंगलवार दोपहर बाद काठगोदाम के मंडलीय प्रबंधक कार्यालय पहुंचा।

पिथौरागढ़ के डीएम ने यह पत्र प्रदेश के परिवहन निगम के महाप्रबंधक को भेजा था। इसमें बताया था कि पिथौरागढ़ मुख्यालय में सेना भर्ती में उत्तराखंड, यूपी समेत अन्य राज्य से अभ्यर्थी आएंगे। पिथौरागढ़ में मांग के हिसाब से बसों की संख्या बेहद कम है। इसलिए 12 नवंबर से 27 नवंबर तक टनकपुर और हल्द्वानी से पिथौरागढ़ के लिए अतिरिक्त बसें चलाएं।

पत्र के अलावा महाप्रबंधक (प्रशासन) अनिल कर्बियाल को मेल से भी पूरी जानकारी दी गई और फोन कॉल करके भी। महाप्रबंधक कर्बियाल के मुताबिक उन्होंने महाप्रबंधक (संचालन) पवन मेहरा को आगे की कार्रवाई के लिए कह दिया था। पवन मेहरा ने मंगलवार शाम को अन्य डिपो को हल्द्वानी और टनकपुर में बसें उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा। वहीं पिथौरागढ़ के डीएम के लिखे पत्र की कॉपी भी मंगलवार दोपहर बाद काठगोदाम स्थित मंडलीय कार्यालय पहुंची। यह कहां रुका रहा, कोई नहीं जानता। इसी चूक ने कानून व्यवस्था को खतरे में डाल दिया।

हमें पहले से कोई सूचना नहीं थी। मंगलवार को ही डीएम पिथौरागढ़ का पत्र मिला है। अगर पहले सूचना मिलती तो हम अपने बेहतर प्रयास जरूर करते।

एक भर्ती ने चार जिलों की परिवहन व्यवस्था की तार-तार, सप्ताहभर तक हालात बिगड़े रहने का खतरा

पिथौरागढ़-हल्द्वानी , एजेंसी। पिथौरागढ़ में प्रादेशिक सेना की भर्ती में शामिल होने के लिए मंगलवार को भी यूपी से पांच हजार से अधिक युवा पहुंचे। इससे नगर में अफरातफरी का माहौल रहा।

प्रादेशिक सेना में अलग-अलग पदों के लिए सीमांत जिले पिथौरागढ़ में हो रही भर्ती ने कुमाऊं के चार जिलों की परिवहन व्यवस्थाओं को तार-तार कर दिया। मैदान वाले हल्द्वानी तक किसी तरह पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को ढाई सौ किमी. दूर पिथौरागढ़ तक पहुंचने के संकट के आगे सारी व्यवस्थाएं फेल हो गई। कानून व्यवस्था संभाले रखने में प्रशासन के अधिकारियों के पसीने छूट गए हैं। पिथौरागढ़ से दिल्ली, देहरादून जाने वाली बसों में यात्रियों को स्थान नहीं मिल पा रहा है। पिथौरागढ़ नगर के स्कूलों में तीन दिन का अवकाश घोषित करना पड़ा है।

सेना भर्ती को लेकर पूर्व में सेना और प्रशासन की बैठक में तैयारियों पर चर्चा तो की गई थी लेकिन युवाओं की इतनी भीड़ उमड़ पड़ेगी इसका अंदाजा किसी ने नहीं लगाया था। इसका परिणाम यह हुआ कि टनकपुर और हल्द्वानी से लेकर भर्ती केंद्र पिथौरागढ़ तक युवाओं की भीड़ नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को अतिरिक्त वाहन लगाने पड़े हैं।

पिथौरागढ़ में भर्ती स्थल वाले रूट पर जाम की समस्या भी पैदा हो गई है। युवा स्टेशनों पर बसों के लिए भटकते नजर आए ही बसों के टनकपुर से वापस लौटा दिए जाने से दिल्ली के लिए आवाजाही करने वाले सीमांत जिले के लोगों की भी अचानक परेशानियां बढ़ गईं। सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय कर यहां पहुंचे कुछ युवक दुकानों के शटर के बाहर भी सोते नजर आए।

हजारों की संख्या में युवा पिथौरागढ़ जाने के लिए सोमवार से रुद्रपुर, हल्द्वानी, टनकपुर और चंपावत में जमा होने लगे। जैसे-जैसे भीड़ बढ़ी, रोडवेज से लेकर केमू तक की बसें कम पड़ने लगीं। अभी यह दौर एक सप्ताह तक और चल सकता है। कारण यह है कि अभी तो पिथौरागढ़ जा रहे अभ्यर्थियों को लौटने में दिक्कत होगी।

इस एक भर्ती ने रुद्रपुर, हल्द्वानी, टनकपुर और चंपावत जिले में व्यवस्थाओं को इस कदर धराशायी किया कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को रोडवेज स्टेशनों पर पहुंचकर व्यवस्थाएं संभालने के लिए उतरना पड़ा। पूरा-पूरा दिन वहीं बिताना पड़ रहा है। बिगड़ी व्यवस्था में अभ्यर्थी ही नहीं बल्कि आम लोग भी प्रभावित हुए हैं। पहाड़ की जिन सड़कों पर यात्रियों को आसानी से रोडवेज और केमू की बसें उपलब्ध होती थीं, वहां जाने के लिए इन दिनों एक भी बस नहीं है। दूसरे रूटों की बसें भी अभ्यर्थियों को ले जाने के लिए लगा दी गई हैं।

संदिग्ध हालत में गोली लगने से युवक की मौत, शव के पास पड़ा मिला तमंचा, हादसे के वक्त घर पर ही थे परिजन

देहरादून, एजेंसी। संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के वक्त परिवार घर पर ही था। दो महीने पहले ही युवक के छोटे भाई की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी।

रुड़की कलियर क्षेत्र के मुकर्रबपुर गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। युवक का शव घर के एक कमरे में पड़ा मिला है। शव के समीप ही एक तमंचा भी पड़ा मिला है। पुलिस मामले में आत्महत्या की आशंका जाता रही है।

कलियर थाना क्षेत्र के मुकर्रबपुर गांव में 30 वर्षीय अफजाल पुत्र तूफैल में अपने परिवार के साथ रहता था। रात को अपने घर के एक कमरे में सोने के लिए चला गया। उसकी पत्नी दूसरे कमरे में थी। देर रात अचानक उसकी पत्नी को गोली चलने की आवाज आई। वह भाग कर कमरे में गई तो देखा कि पति का शव लहूलुहान स्थिति में पड़ा है।

वहीं पास में एक तमंचा भी पड़ा था। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। कलियर थाना पुलिस और एसपी देहात एसके सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौके की जांच की साथ ही परिवार के लोगों से जानकारी ली। इसके बाद शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए रुड़की अस्पताल स्थित मोर्चरी में भेज दिया गया।

फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। घटना की जानकारी पाकर मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

आधार से बनेंगे 70 साल से ऊपर बुजुर्गों के नए आयुष्मान काड

देहरादून, एजेंसी। जन सेवा केंद्रों व सरकारी अस्पतालों में बुजुर्ग अपना कार्ड बना सकते हैं। इस कार्ड पर प्रत्येक बुजुर्ग को पांच लाख तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी।

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश में 70 साल व उससे ऊपर के बुजुर्गों का आयुष्मान वय वंदना कार्ड आधार नंबर से बनेंगे। इसके लिए राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ने कार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जन सेवा केंद्रों व सरकारी अस्पतालों में बुजुर्ग अपना कार्ड बना सकते हैं। इस कार्ड पर प्रत्येक बुजुर्ग को पांच लाख तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। केंद्र सरकार ने 70 साल व उससे अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया है। इस योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा लेने के लिए उत्तराखंड में लगभग छह लाख बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। अब तक दो हजार बुजुर्गों के कार्ड बन चुके हैं। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के निदेशक डॉ. वाईएस टोलिया ने बताया कि जिन वरिष्ठ नागरिकों के पूर्व में आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। उन्हें भी दोबारा से नया कार्ड बनाना होगा। इस कार्ड को बनाने के लिए राशन कार्ड अनिवार्य नहीं है। आधार नंबर और उससे लिंक मोबाइल नंबर से किसी भी जन सेवा केंद्र और सरकारी अस्पतालों में कार्ड बना सकते हैं। बताया, प्रदेश में अब तक दो हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के नई योजना के तहत आयुष्मान वया वंदना कार्ड बन चुके हैं।

चोरी हुई तीन बाइकों के साथ एक गिरफ्तार

देहरादून, एजेंसी। कोतवाली पुलिस ने अलग-अलग वाहन चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से चोरी हुई तीन मोटरसाइकिल बरामद की गई है। आरोपी ने नशे की पूर्ति के लिए वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। आरोपी के खिलाफ रायपुर, नेहरू कॉलोनी, कोतवाली नगर और डालनवाला थाने में 12 मुकदमे दर्ज हैं। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि 17 नवंबर को राजा रोड से पीड़ित गोविंद और 18 नवंबर को भी राजा रोड के बाहर से पीड़ित इमरान की मोटरसाइकिल चोरी हुई थी। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी विनीत सजवाण निवासी छह नंबर पुलिया, रायपुर को गिरफ्तार कर लिया। इसकी निशानदेही पर एक खंडहर में छिपाकर रखी गई।

चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा, 1200 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात, 130 बूथों पर तीसरी आंख की नजर

देहरादून, एजेंसी। पुलिस के साथ ही होमगार्ड और सीएपीएफ की भी तैनाती की गई है। कहा कि शांतिप्रिय तरीके से प्रचार हुआ है। पोलिंग पार्टियां आज रवाना हो गई हैं।

उत्तराखंड में बुधवार को केदारनाथ विधानसभा का उपचुनाव होना है। इसे लेकर पुलिस की तरफ से तैयारियां भी तेज हो गई हैं। एसपी रुद्रप्रयाग अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने बताया कि 1200 से भी अधिक पुलिसकर्मी इसमें लगे हैं। होमगार्ड और सीएपीएफ की भी तैनाती की गई है। कहा कि शांतिप्रिय तरीके से प्रचार हुआ है। पोलिंग पार्टियां आज रवाना हो गई हैं।

केदारनाथ उपचुनाव को लेकर पुलिस की तरफ से तैयारियां जोरों-शोरों से हुई हैं। 1200 से भी अधिक पुलिसकर्मी इसमें लगे हैं। होमगार्ड, पीएसी की भी तैनाती की गई है। शांतिप्रिय तरीके से प्रचार हुआ है। पोलिंग पार्टियां आज रवाना हो गई हैं- अक्षय प्रह्लाद कोंडे, एसपी रुद्रप्रयाग केदारनाथ विस उपचुनाव में 130 बूथों पर तीसरी आंख की नजर रहेगी। पहली बार 75 फीसदी मतदान केंद्रों की निगरानी के लिए सीसीटीवी लगाए गए और वेबकास्टिंग हो रही है। अब तक के चुनावों में विस के मतदान केंद्रों के सापेक्ष 50 फीसदी केंद्रों पर ही सीसीटीवी कैमरा लगाए जाते थे, लेकिन यह पहली बार है जब किसी विधानसभा के 75 फीसदी बूथों पर सीसीटीवी कैमरा लगाए जा रहे हैं। मंगलवार शाम तक 173 के सापेक्ष 130 केंद्रों में सीसीटीवी लगने के बाद क्रॉस चेक भी कर लिए गए हैं। वहीं, निर्वाचन प्रक्रिया में इस्तेमाल हो रहीं 205 गाड़ियों में जीपीएस भी लगाया गया है। ताकि गाड़ियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। मुख्य निर्वाचन कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में वेबकास्टिंग एवं जीपीएस की मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया।

यूपी से 60 किलो गांजा लेकर आ रहा सपेरा गैंग का सदस्य गिरफ्तार, पुलिस चेकिंग में पकड़ी गई कार

देहरादून, एजेंसी। आरोपी का एक साथी बिहार से कंटेनर गांजा लाता है। इसके बाद कंटेनर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शहरों में खड़ा कर वहां से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में सप्लाई किया जाता है।

गांजा सप्लाई के आरोप में पुलिस ने सपेरा गैंग के सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 60 किलो गांजा बरामद हुआ है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया है।

आरोपी का एक साथी बिहार से

कंटेनर गांजा लाता है। इसके बाद कंटेनर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शहरों में खड़ा कर वहां से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में सप्लाई किया जाता है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया, राजपुर पुलिस सोमवार रात को चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक कार को रोका गया। कार की चेकिंग हुई तो उसमें गांजा रखा हुआ था।

गांजा सप्लाई के आरोप में कार चालक बबलू सपेरा को गिरफ्तार कर लिया गया। गांजा की कुल मात्रा 60 किलो पाई गई। बबलू सपेरा ने पूछताछ में बताया, उसका एक साथी जावेद बिहार से कंटेनर के माध्यम से गांजा लेकर आता है। इसके बाद इस कंटेनर को मेरठ और मुजफ्फरनगर में खड़ा किया जाता है। वहां से कार के माध्यम से देहरादून, हरिद्वार और आसपास के इलाकों में सप्लाई किया जाता है। बबलू सपेरा बस्ती मोथरोवाला का रहने वाला है। जावेद उसे सप्लाई के लिए इलाके भी बताता है। इन जगहों पर वह पुड़ियों में गांजा बेचता है। आरोपी मेरठ और मुजफ्फरनगर से हर तीसरे और चौथे दिन गांजा लेकर आता है।

हिमजन कल्याण सभा के अधिवेशन में छह प्रस्ताव पास

देहरादून, एजेंसी। अखिल भारतीय हिमाचल सामाजिक संस्था संघ के अद्धवार्षिक अधिवेशन में छह अहम प्रस्ताव पास किए गए। प्रस्तावों को केंद्र और राज्य सरकार को भेजा जाएगा। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष केएम लाल ने सफल आयोजन के लिए हिमजन कल्याण सभा पछवादून को बधाई दी। ब्लॉक रोड स्थित वेडिंग प्वाइंट में हिमजन कल्याण सभा पछवादून का वार्षिक मिलन समारोह और खल भारतीय हिमाचल सामाजिक संस्था संघ के दो दिवसीय अद्धवार्षिक अधिवेशन का समापन हुआ। इसमें हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व विधायक कुलदीप कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष मीता सिंह, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नीरज ठाकुर, कैप्टन दुनीचंद, अजस डोगरा, अनिल कौशल शामिल हुए। इस दौरान हिमाचल की लोक संस्कृति से जुड़े गीतों और नृत्य कार्यक्रमों की प्रस्तुति की धूम रही। अधिवेशन में शानन पावर प्रोजेक्ट का रख-रखाव हिमाचल प्रदेश सरकार को सौंपने, चंडीगढ़ में हिमाचल के देय हिस्से का निपटारा जल्द करने, चंडीगढ़ तक आने वाली दूरगामी ट्रेन को हिमाचल के अंतिम रेलवे स्टेशन दौलतपुर तक बढ़ाने, वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे यात्रा और जनहित में पुरुषों को 40 और महिलाओं को 50 फीसदी तक यात्रा में छूट बहाल करने, हिमाचली पहाड़ी बोली को भाषा का दर्जा संविधान की आठवीं सूची में शामिल करने और प्रदेश के अन्य राज्यों में बसे हिमाचली परिवार अपनी पहाड़ी संस्कृति एवं रीति-रिवाजों को सजोंकर रखने के प्रस्ताव शामिल रहे। अधिवेशन का संचालन संघ के महासचिव राकेश शर्मा ने किया। इस दौरान सोहन सिंह, पदम गुलेरिया, हिमजन कल्याण सभा पछवादून के अध्यक्ष मधु ठाकुर, महासचिव राकेश गुलेरिया, भीम सिंह चौहान, गौरव ठाकुर, रचिता ठाकुर, बलदेव राणा, विनीत ठाकुर, जोगेंद्र ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

प्रोफेसर काले कमेटी की रिपोर्ट को लागू किए बिना प्रिंसिपल पदों के विज्ञापन निकालकर की जा रही है प्रिंसिपल पदों पर नियुक्ति

- शिक्षा मंत्रालय व यूजीसी के निदेर्शों का पालन करते हुए एससी/एसटी व ओबीसी का बैकलॉग पहले पूरा करें

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के शिक्षक संगठनों का एक मात्र संगठन दिल्ली यूनिवर्सिटी एससी, एसटी ओबीसी टीचर्स फोरम ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर को पत्र लिखकर मांग की है कि प्रोफेसर काले कमेटी की रिपोर्ट को लागू करते हुए प्रिंसिपल पदों का रोस्टर रजिस्टर तैयार कराकर ही प्रिंसीपल पदों के विज्ञापन निकाले जाएँ । उसके बाद जिन वर्गों के प्रिंसिपल पद बनते हैं उनकी नियुक्ति की जाए । बता दें कि अभी तक विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभी तक प्रोफेसर काले कमेटी को लागू नहीं किया है । संसदीय समिति ने डीयू को निर्देश दिया था कि प्रिंसिपल पदों पर आरक्षण लागू करते हुए पदों को भरा जाए । लेकिन कोई भी कॉलेज संसदीय समिति के निर्देशों का पालन नहीं कर रहा है । यह संसदीय समिति के नियमों की सरेआम अवहेलना है । साथ ही जिन कॉलेजों ने ओबीसी कोटे के अंतर्गत सेकेंड ट्रांच के पदों को अभी तक नहीं भरा गया है उनको भी 31दिसम्बर 2024 से पूर्व रोस्टर पास कराकर पदों को विज्ञापित कर 31 मार्च 2025 तक भरा जाए।

दिल्ली यूनिवर्सिटी एससी,एसटी ओबीसी टीचर्स फोरम के चेयरमैन प्रोफेसर के.पी.सिंह ने बताया है कि 31 अक्टूबर 2024 तक कॉलेजों में 4700 सहायक प्रोफेसरों की स्थायी नियुक्ति हुई है। इसके अलावा कुछ कॉलेजों में नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है । उन्होंने बताया है कि अभी तक जो नियुक्तियाँ हुई हैं वहाँ कॉलेजों द्वारा निकाले गए उनके विज्ञापनों में भारत सरकार की आरक्षण नीति व डीओपीटी के निदेर्शों को सही से लागू नहीं किया गया था। उनमें शॉर्टफाल, बैकलॉग और विश्वविद्यालय द्वारा बनाई गई प्रोफेसर काले कमेटी की रिपोर्ट को स्वीकारते हुए करेक्ट रोस्टर नहीं बनाया गया है, जिससे एससी,एसटी, ओबीसी अभ्यर्थियों को जिस अनुपात में आरक्षण मिलना चाहिए था नहीं दिया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के तमाम कॉलेजों ने सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान के नियमों की सरेआम अवहेलना की गई है।

प्रोफेसर के.पी.सिंह ने बताया है कि आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्गों (ईडब्ल्यूएस आरक्षण) का 10 फीसदी आरक्षण फरवरी-2019 में लागू किया गया था, जिसे विश्वविद्यालय और कॉलेजों ने स्वीकार करते हुए इसको रोस्टर में शामिल भी कर लिया। कॉलेजों ने ईडब्ल्यूएस रोस्टर को फरवरी 2019 से ना बनाकर उसे एससी, एसटी, ओबीसी आरक्षण के पहले लागू करते हुए रोस्टर बनाकर नियुक्तियाँ की हैं। इतना ही नहीं उन्होंने 10 फीसदी आरक्षण के स्थान पर किसी-किसी कॉलेज ने 14,15 या 20 फीसदी तक आरक्षण दे दिया है जिससे कि एससी, एसटी, ओबीसी आरक्षण कम कर दिया गया और ईडब्ल्यूएस आरक्षण बढ़ाकर दिया गया है। इसी तरह पीडब्ल्यूडी आरक्षण को सही तरीके से लागू नहीं किया जा रहा है। प्रोफेसर सिंह ने यह भी मांग की है कि ओबीसी कोटे के बकाया सेकेंड ट्रांच के पदों को भरने के निर्देश कॉलेजों को दिए जाएँ। उन्होंने बताया है कि ओबीसी आरक्षण लागू हुए 17 साल हो चुके हैं लेकिन अभी तक बहुत से कॉलेजों ने ओबीसी एक्सपेंशन से सेकेंड ट्रांच की बढ़ी हुई सीटों को रोस्टर में शामिल नहीं किया है। शिक्षा मंत्रालय व यूजीसी के निदेर्शों का पालन करते हुए एससी /एसटी व ओबीसी कोटे का बैकलॉग पूरा किया जाए । प्रोफेसर सिंह ने बताया है कि प्रोफेसर काले कमेटी द्वारा दी गई रिकमंडेशन के अनुसार एससी--12 पद , एसटी -- 06 पद बनते हैं वहीं ओबीसी कोटे के -- 22 पद बनते है लेकिन अभी तक किसी कॉलेज में आरक्षित वर्गो से प्रिंसिपल नहीं है । उन्होंने तुरंत प्रोफेसर काले कमेटी की रिपोर्ट को लागू करते हुए विज्ञापन निकालकर नियुक्ति की जाए ।

प्रिंसिपल पदों को क्लब करने के विषय में बताते हुए प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रोफेसर व प्रिंसिपल का पद एक समान है। प्रोफेसर पदों को आरक्षण देकर भरा जा रहा है जबकि प्रिंसिपल पदों का रोस्टर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा आज तक तैयार नहीं किया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों के प्रिसिंपल पदों को एक साथ क्लब करते हुए रोस्टर रजिस्टर बनाया जाना चाहिए था। उन्होंने बताया है दिल्ली सरकार के कॉलेजों में सबसे ज्यादा प्रिंसिपल के पद खाली हैं। इन कॉलेजों में श्री अरबिंदो कॉलेज, श्री अरबिंदो कॉलेज(सांध्य), मोतीलाल नेहरू कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य), सत्यवती कॉलेज, सत्यवती कॉलेज(सांध्य), भगतसिंह कॉलेज(सांध्य), राजधानी कॉलेज, कालिंदी कॉलेज, विवेकानंद कॉलेज, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, मैत्रीय कॉलेज, भगिनी निवेदिता कॉलेज, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, आचार्य नरेंद्रदेव कॉलेज, बाल्मीकि कॉलेज ऑफ एजुकेशन, इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, गार्गी कॉलेज, दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज हैं। इन कॉलेजों में लम्बे समय से स्थायी प्रिंसिपल नहीं हैं। प्रोफेसर सिंह ने वाइस चांसलर से अनुरोध किया है कि वे जल्द से जल्द प्रिंसिपल पदों का रोस्टर और बाकी बचे सेकेंड ट्रांच के पदों के शिक्षकों का रोस्टर तैयार करवाएँ। शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी के निदेर्शों का पालन करते हुए एससी/एसटी, ओबीसी का बैकलॉग पूरा किया जाए ताकि विश्वविद्यालय में सामाजिक न्याय का उचित प्रक्रिया से पालन हो और आरक्षित वर्गो को सही न्याय मिल सके।

वायु प्रदूषण को कम करने के लिए आप सरकार का बड़ा फैसला, 50 फीसद सरकारी कर्मचारी करेंगे वर्क फ्रॉम होम

- दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के मद्देनजर अपने सभी कार्यालयों को 50 फीसद क्षमता के साथ खोलने का निर्णय लिया है - गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार वायु प्रदूषण को कम करने और जनता को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार के फैसले की जानकारी साझा करते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि प्रदूषण कम करने के लिए ग्रेप-4 के प्रावधानों के तहत सरकार ने कई कदम उठाये हैं। उसी क्रम में बुधवार को दिल्ली सरकार ने सरकारी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि कार्यालय 50 प्रतिशत क्षमता से खुलेंगे, जबकि 50 प्रतिशत कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। आवश्यक सेवाएं वाले विभाग में वर्क फ्रॉम होम लागू नहीं होगा। इसके इम्प्लीमेंटेशन के लिए पर्यावरण विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग और औद्योगिक संघ फिक्की, एसोचेम और सीआईआई के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक दिल्ली सचिवालय में की। उन्होंने कहा कि प्राइवेट संस्थानों के लिए भी 50 प्रतिशत वर्क फ्रॉम होम करने के लिए निर्देश जारी की जा रही है। प्राइवेट संस्थान अपना कार्यालय खोलने का समय 10.30 बजे या 11 बजे करें। साथ ही प्राइवेट कंपनी अपने कर्मचारी के लिए शटल बस सेवा शुरू करें। इसके लिए भी एडवाइजरी जारी की जा रही है।

गोपाल राय ने कहा कि पूरे उत्तर भारत में बदलते मौसम में प्रदूषण का प्रभाव मारक होता जा रहा है। पूरा उत्तर भारत गंभीर प्रदूषण की चपेट में है। दिल्ली सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए कई अभियान चला रही है जैसे एंटी डस्ट अभियान, बायो डीकम्पोजर का छिड़काव, वृक्षारोपण अभियान, जागरूकता अभियान आदि। पूरे दिल्ली में सड़कों पर 200 मोबाइल एंटी स्मोग गन से पानी के छिड़काव का अभियान शुरू किया गया है। इसी क्रम में आज वर्क फ्रॉम होम का निर्णय लिया गया है। सरकारी के साथ साथ प्राइवेट कार्यालयों में भी वर्क फ्रॉम होम लागू होगा। अत्यावश्यक सेवाएं वाले विभाग में वर्क फ्रॉम होम लागू नहीं होगा, वह पूरी क्षमता के साथ काम करेंगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार अपने स्तर पर लगातार प्रयास कर रही है। आज ग्रेप-4 के प्रावधानों को कड़ाई से लागू करने के लिए उच्च अधिकारियों के साथ मीटिंग कर आदेश जारी किया गया है कि ग्रेप-4 के नियमों को लागू करवाने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी लेकिन पड़ोस के राज्यों को भी कड़े कदम उठाने होंगे। तभी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

प्रदूषण के कारण दिल्ली सरकार के 50 प्रतिशत कर्मचारी घर से काम करेंगे:पर्यावरण मंत्री गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के स्तर को देखते हुए दिल्ली सरकार के कार्यालयों के आधे कर्मचारी घर से काम (डब्ल्यूएफएच) करेंगे। राय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सरकारी कार्यालयों के 50 प्रतिशत कर्मचारी घर से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रावधान को अमल में लाने के लिए अधिकारियों के साथ दिन में बैठक की जाएगी। इससे पहले सरकार ने अपने कार्यालयों और एमसीडी के लिए अलग-अलग समय-सारिणी की घोषणा की थी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कार्यालयों का समय सुबह 8.30 बजे से शाम पांच बजे तक तय किया गया था, वहीं दिल्ली सरकार के कार्यालयों का समय सुबह 10 बजे से शाम 6.30 बजे निर्धारित किया गया था।

रानी गार्डन में आग लगने से एक दर्जन झुग्गियां राख

नई दिल्ली । पूर्वी दिल्ली की गीता कॉलोनी के रानी गार्डन इलाके की झुग्गी बस्ती में बीती देर रात अचानक आग लग गई। आग ने झुग्गी के साथ ही एक कबाड़ गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची आठ दमकल गाड़ियों ने एक घंटे में आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार बीती आधी रात 12.06 बजे फायर ब्रिगेड को आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल अधिकारी यशवन्त सिंह मीना टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए 7-8 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। झुग्गियों के साथ ही कबाड़ गोदाम तक आग पहुंच गई। इस घटना में 10 से 12 झुग्गियां जल कर राख हो गई।

डंडे से सिर पर हमला कर मार डाला

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

आनंद विहार इलाके में मंगलवार को भंडारा खाने के लिए छोटे भाई के साथ जा रहे 15 वर्षीय नाबालिग की हत्या का मामला सामने आया है। आरोपी युवक ने मामूली झगड़े में नाबालिग के सिर पर लकड़ी के डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इससे वह घायल होकर वहीं सड़क पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस मृतक के भाई के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। अभी तक आरोपी की पहचान नहीं हो सकी है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम के मुताबिक, आनंद विहार निवासी आठ वर्षीय शिकायतकर्ता ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब एक बजे वह अपने 15 वर्षीय चचेरे भाई और दोस्त के साथ भंडारा खाने के लिए पैदल साईं मंदिर जा रहा था। इस दौरान जब वे नाला रोड से होते हुए श्रेष्ठ विहार के पीछे स्थित जेजे कैंप, आनंद विहार पहुंचे तो एक अज्ञात लड़के से उनकी बहस हो गई। देखते ही देखते बहस हाथापाई और फिर मारपीट में बदल गई। आरोपी लड़के ने मौके पर पड़ा एक लकड़ी का डंडा उठाकर शिकायतकर्ता के भाई पर हमला कर दिया। आरोपी ने उसके सिर पर पीछे से डंडे से ताबड़तोड़ तीन-चार तगड़े वार कर दिए। हमले के बाद घायल होकर वह सड़क पर गिर गया और तड़पने लगा। हमले के बाद मौका देखकर आरोपी वहां से फरार हो गया। शिकायतकर्ता ने उसे वहां से रामप्रस्थ की ओर भागते हुए देखा। इसके बाद उसने भीड़ से गुजर रहे कुछ लोगों को मदद के लिए बुलाया। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को हेडगेवार अस्पताल पहुंचाया गया जहां सूचना के बाद घायल के परिजन भी पहुंच गए। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज तलाश रही है। मृतक के भाई ने पुलिस को आरोपी के हुलिए के बारे में जानकारी दी है। साथ ही पुलिस घटनास्थल के आसपास लोगों से पूछताछ कर रही है, जिससे कि आरोपी के बारे में पता लगाया जा सके।

धनशोधन मामले में गिरफ्तार लावा के एमडी को जमानत

नई दिल्ली। स्मार्टफोन निमार्ता चीनी कंपनी वीवो से जुड़े धनशोधन मामले में लावा इंटरनेशनल मोबाइल कंपनी के एमडी हरिओम राय को दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को जमानत दे दी। राय को पिछले साल अक्तूबर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। उन्हें न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की पीठ ने राहत प्रदान की है। राय को वीवो-इंडिया और अन्य के खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया था। सितंबर में एक सत्र अदालत ने राय को जमानत देने से इनकार कर दिया था। ईडी ने आरोप लगाया था कि भारत में करों के भुगतान से बचने के लिए वीवो-इंडिया द्वारा 62,476 करोड़ रुपये अवैध रूप से चीन हस्तांतरित किए गए। जांच एजेंसी ने जुलाई 2022 में वीवो-इंडिया और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापा मारा था। इस दौरान चीनी नागरिकों और कई भारतीय कंपनियों से जुड़े एक बड़े धनशोधन रैकेट का भंडाफोड़ करने का दावा किया गया था।

पी. चिदंबरम के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

एयरसेल-मैक्सिस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की पीठ ने चिदंबरम की याचिका पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले में अगली सुनवाई 22 दिसंबर को होगी। चिदंबरम ने आरोप पत्र का संज्ञान लेने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। कांग्रेस नेता ने कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। पूरा मामला एयरसेल-मैक्सिस सौदे में विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफआइपीबी) की मंजूरी देने में अनियमितताओं से संबंधित है। यह मंजूरी 2006 में दी गई थी जब चिदंबरम केंद्रीय वित्त मंत्री थे।

अदालत ने ईडी से मांगा जवाब

अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से भी एयरसेल-मैक्सिस मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ ईडी द्वारा दायर आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली चिदंबरम की याचिका पर नोटिस के संबंध में जवाब मांगा। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की पीठ ने ईडी को नोटिस जारी करते हुए ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी और मामले को विस्तृत सुनवाई के लिए जनवरी 2025 के लिए सूचीबद्ध कर दिया। चिदंबरम ने वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन के माध्यम से अधिवक्ता अर्शदीप सिंह खुराना और अक्षत गुप्ता की सहायता से कहा कि ट्रायल कोर्ट के न्यायाधीश ने, आरोपित आदेश में, पीएमएलए की धारा 3 के तहत अपराध का संज्ञान लेने में गलती की, जो पीएमएलए की धारा 4 के तहत दंडनीय है, बिना धारा 197(1), सीआरपीसी के तहत किसी भी पूर्व मंजूरी के, यहां याचिकाकर्ता के अभियोजन के लिए प्रतिवादी/ईडी द्वारा प्राप्त किया गया है, इस तथ्य के बावजूद कि याचिकाकर्ता कथित अपराध के कथित कमीशन के समय एक लोक सेवक (वित्त मंत्री होने के नाते) था। याचिका में कहा गया है कि विषय मामले में दिनांक 13.06.2018 और 25.10.2018 की अभियोजन शिकायतों में, प्रतिवादी/ईडी ने आरोप लगाया है कि याचिकाकर्ता, भारत सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्री के रूप में, रुपये तक के कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए एफआईपीबी की मंजूरी देने के लिए सक्षम था। 600 करोड़ से अधिक की राशि के लिए मंजूरी देने के लिए सक्षम प्राधिकारी आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) थी।

यह आरोप लगाया गया है कि याचिकाकर्ता/पी चिदंबरम ने कथित रूप से अवैध रूप से 800 मिलियन अमरीकी डॉलर (लगभग 3565.91 करोड़) के लिए एफआईपीबी की मंजूरी दी, जो कि प्रतिवादी/ईडी के मामले के अनुसार केवल सीसीईए द्वारा ही दी जा सकती थी। प्रतिवादी/ईडी द्वारा याचिकाकर्ता के खिलाफ अभियोजन शिकायतों में दिनांक 13.06.2018 और 25.10.2018 को लगाए गए आरोपों के अनुसार वह एक लोक सेवक था, और कथित अपराध तत्कालीन वित्त मंत्री, भारत सरकार के रूप में अपने कर्तव्यों के निर्वहन में कार्य करते हुए या कार्य करने का दावा करते हुए किया गया था। इसके अलावा, धारा 65 पीएमएलए सीआरपीसी के सभी प्रावधानों को पीएमएलए के तहत कार्यवाही पर लागू करता है, जिसमें धारा 197 सीआरपीसी भी शामिल है, याचिका में कहा गया है। इस प्रकार, धारा 197(1), सीआरपीसी के तहत संरक्षण याचिकाकर्ता और एलडी तक विस्तारित होता है। विशेष न्यायाधीश ने प्रतिवादी/ईडी द्वारा धारा 197(1), सीआरपीसी के तहत पूर्व मंजूरी प्राप्त किए बिना याचिकाकर्ता के खिलाफ पीएमएलए की धारा 4 के साथ धारा 3 के तहत अपराध का संज्ञान लेने में गलती की, याचिका में कहा गया।

शराब घोटाले की रिश्वत से सजाया गया शीश महल : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के तत्कालीन आधिकारिक आवास 6, फ्लैग स्टॉफ रोड में लगवाए गए आरामदायक संसाधनों की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग करते हुए उपराज्यपाल को पत्र लिखा है । पत्र में कहा गया है कि केजरीवाल को 2022 में दोबारा मुख्यमंत्री बनने पर लोक निर्माण विभाग ने जो फर्नीचर आदि संसाधन उपलब्ध करवाये और 2024 में उनके पद से हटने के बाद केजरीवाल ने जो सामान छोड़ा, दोनों में भारी असमानता है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि पीडब्ल्यूडी द्वारा 2022 में जो सामान बंगले में उपलब्ध करवाया था और 2024 में केजरीवाल द्वारा बंगला खाली किये जाने के बाद पीडब्ल्यूडी ने जब इन्वेंटरी की लिस्ट बनाई तो पाया कि वहां उपलब्ध सामान उनके द्वारा उपलब्ध करवाये गए सामान से बहुत ज्यादा था। लग्जरी और महंगी टायलेट सीट्स से लेकर महंगे वाश बेसिन तक, रेकलाइनिंग सोफों से लेकर महंगे पर्दों तक, महंगे गलीचों से लेकर बेशकीमती टीवी सेट्स और रेफ्रिजरेटर तक जैसी आइटम्स एक्स्ट्रा थीं, जिन्हें पीडब्ल्यूडी ने उपलब्ध नहीं करवाया था। गुप्ता ने कहा कि ऐसे में सवाल उठता है कि यदि पीडब्ल्यूडी ने यह सामान नहीं दिया तो फिर वो कौन-कौन लोग थे, जिन्होंने भ्रष्टाचार की नींव पर खड़े किये गए केजरीवाल के इस शीश महल को इन भव्य आइटम्स से नवाजा। जाहिर है केजरीवाल द्वारा शराब घोटाले में दिये गये फायदे के बदले शराब माफिया ने केजरीवाल को भव्य विलासिता के तमाम संसाधन उपलब्ध करवा कर उनकी शान में अपने पलक पांवड़े बिछा दिए।

गुप्ता ने कहा कि 2022 में जारी पीडब्ल्यूडी के दस्तावेज बताते हैं कि 2022 के बाद उसने शीश महल में कोई सामान उपलब्ध नहीं करवाया। इसका मतलब 2022 से लेकर 2024 तक केजरीवाल ने जिन लोगों को शराब नीति से उपकृत किया, उनके संसाधनों पर ही राजमहल जैसी सुविधाओं का उपभोग किया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भाजपा ने 12-12 लाख की जिन टॉयलेट कमोड का खुलासा किया था, दरअसल वो लाखों की नहीं बल्कि करोड़ों रुपयों की रिश्वत से बनवाई गई थीं, क्योंकि इस भव्य शौचालय में सोने की परत वाली टॉयलेट और वॉश बेसिन तक लगी हुई थी। गुप्ता ने पूछा कि आखिर कौन थे वो लोग, जिन्होंने इतना ऐशो आराम उपलब्ध करवाया और केजरीवाल ने इसके बदले में उन लोगों को कैसे उपकृत किया, ये सब जांच का विषय है। उपराज्यपाल को लिखे पत्र में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की जाए, ताकि खुद को ह्यकट्टर ईमानदारह्ल और ह्यआमह्ल आदमी कहने वाले अरविंद केजरीवाल की सच्चाई जनता के सामने आ सके। ह्यआआपाह्ल सरकार के भ्रष्टाचार के परत दर परत हो रहे खुलासे के सच से दिल्ली के दो करोड़ लोगों को रूबरू करवाना चाहिए और भाजपा इस सच को जनता के सामने लाकर ही रहेगी।

लोगों का दिल जीत रही है दिल्ली न्याय यात्रा : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ध्वजारोहण के बाद बुधवार को दिल्ली न्याय यात्रा की शुरूआत रामलीला मैदान, चिल्ला स्पोर्टस काम्पलेक्स वसुंधरा एन्कलेव से महिलाओं, वृद्धों, धार्मिक और सामाजिक संगठनों के लोगों के साथ न्याय योद्धा दूसरे चरण के अंतिम दिन आगे बढ़े, जबकि यात्रा का समापन बद्रीनाथ पार्क, विनोद नगर पर में हुआ। यात्रा के दौरान देवेन्द्र यादव ने भगवान गणेश जी के मंदिर और गुरुद्वारे में माथा टेक कर दिल्ली वालों की उज्जवल भविष्य की कामना की। यात्रा के दौरान भगवान वाल्मीकि, संविधान निमार्ता डा0 अम्बेडकर की तस्वीर और चरखा देवेन्द्र यादव को भेंट किया गया। आज दिल्ली न्याय यात्रा कोंडली, त्रिलोकपुरी और पटपड़गंज विधानसभा में निकाली गई,

दिल्ली में सरेआम गोलियाँ चलना, उगाही, मर्डर रोजमर्रा की बात हो गई है, लेकिनअमित शाह चुनावी रैलियों में व्यस्त है:आतिशी

दिल्ली सरकार द्वारा मृतक के परिवार को दी जाएगी 10 लाख रुपये की सहायता राशि

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली में कानून व्यवस्था बदहाल हो चुकी है और भाजपा शासित केंद्र सरकार जिसके अंतर्गत दिल्ली की लॉ एंड ऑर्डर व सुरक्षा व्यवस्था आती है, वो कानून व्यवस्था संभालने में पूरी तरह फेल हो चुकी है। तभी अपराधियों का मनोबल इतना ज्यादा बढ़ा हुआ है कि, पिछले दिनों सुंदर नगरी में लड़की से छेड़छाड़ का विरोध करने पर एक 28 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। बुधवार को मुख्यमंत्री आतिशी ने सुंदर नगरी में जाकर मृतक के परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। साथ ही दिल्ली सरकार की ओर से मृतक के परिवार की 10 लाख रुपये की सहायता राशि भी दी जाएगी।

इस मौके पर सीएम आतिशी ने कहा कि, भाजपा शासित केंद्र सरकार के पास दिल्ली में सिर्फ.एक काम है - दिल्ली के लॉ एंड ऑर्डर को संभालना; लेकिन वो इसमें पूरी तरह से फेल है।दिल्ली में सरेआम गोलियाँ चलना, उगाही, मर्डर रोजमर्रा की बात हो गई है, लेकिन गृहमंत्री अमित शाह चुनावी रैलियों में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि, गृहमंत्री राजनीति करने के बजाय दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को सम्भालने की अपनी जिम्मेदारी निभाए, उनकी नाकामी से दिल्ली क्राइम कैपिटल बन चुकी है। दिल्ली में गुंडागर्दी करने वालों में कोई भी डर नहीं बचा है; उन्हें लगता है कि, वो खुलेआम अपराध कर सकते और पुलिस कुछ नहीं करेगी। इसलिए आज देश की राजधानी में लॉ एंड ऑर्डर व्यवस्था 1990 के मुंबई अंडरवर्ल्ड जैसी हो गई है, जहां गैंगस्टर्स का राज था। सीएम आतिशी ने कहा कि, सुंदर नगरी में एक युवक की जान इसलिए गई क्योंकि दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर व्यवस्था बदहाल हो गई है। ये बहुत दुखद बात है कि देश की राजधानी में रोज ऐसी घटनाएं हो रही है। कभी राजौरी गार्डन में गोलियाँ चलने की घटना सुनने को मिलती है तो कभी नांगलोई में ड्यूटी पर पुलिस वाले की जान चली जाती है। कभी शोरूम के बाहर गोलियाँ चलती है तो कभी वेलकम इलाके में 14 राउंड गोलियां चलने की खबर आती है।

उन्होंने कहा कि, आज दिल्ली गैंगस्टर कैपिटल हो गया है। दिल्ली में क्राइम करने वालों, मर्डर करने वालों, उगाही करने वालों, गुंडागर्दी करने वालों में कोई भी डर नहीं बचा है। उन्हें लगता है कि, वो खुलेआम अपराध कर सकते और पुलिस कुछ नहीं करेगी। सीएम आतिशी ने कहा कि, आज यहाँ सुंदर नगरी में भी पीड़ितों का परिवार यही कह रहा है कि, असल आरोपी जो इस इलाके के गुंडे है, हर तरह के अपराध करते है और इस परिवार के बेटे को मारा है, उसकी गिरफ़्तारी नहीं हुई है। जो दो लोग गिरफ़्तार हुए है, उन्होंने खुद से सरेंडर किया है और पुलिस कोई कारवाई नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि, आज देश की राजधानी में लॉ एंड ऑर्डर व्यवस्था का बुरा हाल हो गया है। एक समय में जिस तरह बॉम्बे में अंडरवर्ल्ड-गैंगस्टर्स का राज था ठीक उसी तरह आज दिल्ली का भी यही हाल हो गया है। सीएम आतिशी ने कहा कि, ह्लमैं आज देश के गृहमंत्री अमित शाह से कहना चाहती हूँ कि जब पूरी दिल्ली की लॉ एंड ऑर्डर व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था आपके अंतर्गत आती है, तो वो इस दिशा में कुछ क्यों नहीं कर रहे है? दिल्ली में रोज उगाही, मर्डर, गोलियाँ चलना आम बात हो गई है लेकिन देश के गृहमंत्री को चुनाव प्रचार करने के अलावा और कुछ काम नहीं है। गृहमंत्री कभी हरियाणा कभी झारखंड कभी महाराष्ट्र में प्रचार कर

लूट का विरोध करने पर युवक की बेरहमी से हत्या

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन परिसर में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने मंगलवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में मालूम हुआ है कि लूटपाट का विरोध करने पर बदमाशों ने हत्या की थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार सुबह अजमेरी गेट पार्किंग में युवक की खून से सनी लाश मिली थी। एसएचओ विश्वनाथ की देखरेख में टीम ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालनी शुरू की। फुटेज और स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस ने सद्दाम और जितेंद्र नाम के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से मृतक का डीएल, लूटी गई रकम और पर्स बरामद हुए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान 30 वर्षीय परमजीत सिंह के तौर पर हुई है। मृतक काफी समय से फुटपाथ और गुरुद्वारा पर सोता था। फिलहाल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की पार्किंग में सो रहा था। वह शनिवार को आठ हजार रुपये लेकर आया था। आरोपियों ने रकम देख ली और रात को उसे शराब पिलाई। इसके बाद रकम एवं फोन आदि लूट कर जाने लगे। जब परमजीत ने विरोध किया तो दोनों ने सीमेंट के स्लैब से सिर पर वारकर हत्या कर दी।

दिल्ली तय कर चुकी है केजरीवाल तो गया :विनोद जायस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी की कथनी और करनी का फर्क अच्छे से समझ चुकी है और अब इस पार्टी को कोई मौका देने के मूड में नहीं है। जनता अब केजरीवाल मुक्त दिल्ली चाहती है और जनता अब तय कर चुकी है अब इनकी विदाई करनी है। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी उत्तर पूर्वी जिले के उपाध्यक्ष ठाकुर विनोद जायस का। विनोद जायस कहते हैं कि दिल्ली की जनता ने केजरीवाल पर 2 बार विश्वास करके पूर्ण बहुमत दिया फिर भी कहते है उपराज्यपाल, केन्द्र सरकार काम नही करने देते और अपनी नाकामी के लिए हर विषय पर पड़ौसी राज्यों और केन्द्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते है। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन भ्रष्टाचार करने कारण ही जेल गए और जनता के बीच जेल से बाहर आने के बाद कहते है कि हमें बिना किसी आरोप के जेल में भेजा गया, लेकिन जनता सब जानती है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों की नाकामी का कारण, केजरीवाल को सरकार चलानी नही आती, इनके विधायकों को काम करना नही आता।

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना Corrigendum - 2

निविदा सूचना क्रमांकः NR/Proj/UMB/Advt./01 तारीखः 19.11.2024

निविदा संख्याः NR/Proj/UMB/25001, उत्तर रेलवे के फिरोजपुर डिवीजन (164 आरकेएम/328 टीकेएम) के सानेहवाल–जालंधर–अमृतसर खंड के बीच मौजूदा 1x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम को 2x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम में अपग्रेड करने के लिए फीडर कार्य का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग की निविदा बंद/खुलने की तिथि 05.12.2024 निर्धारित की गई थी। **प्रशासनिक कारणों से खुलने/बंद होने की संशोधित तिथि इस प्रकार होगीः**

निविदा बंद की तिथि	निविदा खुलने की तिथि
27.12.2024 at 15:00 Hrs.	27.12.2024 at 15:30 Hrs.

अन्य सभी शर्तें यथावत रहेंगी। 3571/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी उप मुख्य अभियंता निर्माण, सीएसबी-II, उत्तर रेलवे, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित करता है,निविदा समापन तिथि 12.12.2024 को 15.00 बजे। मूल/संशोधित निविदा की अंतिम तिथि एवं समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है। और नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

निविदा : (ई–निविदा दो पैकेट) (खुली निविदा)।

निविदा सूचना संख्या : 137-W-Dy.CE-C-II/CSB दिनांक 19.11.2024

कार्य : दिल्ली डिवीजन के गाजियाबाद (GZB) - सहारनपुर (SRE) सेक्शन एल–एक्सिंग नंबर पर 27 किमी 68/5-7 पर, एल–एक्सिंग नंबर 28 पर किमी 69/19-21 पर और एल–एक्सिंग नंबर 29 पर किमी 70/17-19 में रनिंग रेलवे ट्रैक के नीचे सुरक्षा प्लेट के साथ बॉक्स पुशिंग विधि द्वारा सीमित ऊंचाई सबवे (एलएचएस) का निर्माण।

अनुमानित लागत : रु. 21,29,87,854 (रु. इक्कीस करोड़ उन्तीस लाख स्ताषी हजार आठ सौ चव्वन मात्र।

सुरक्षाः राशि : रु. 12,14,900 (रु. बारह लाख चौदह हजार नौ सौ मात्र)।

पूर्णता अवधि : 24 माह।

निविदा की उपलब्धता : निविदा आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदाकर्ता द्वारा निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर दिनांक 12.12.2024 तक अपलोड किए जा सकते हैं।

निविदाएं अपलोड करने की तिथि : 19.11.2024

निविदा समापन तिथि : 12.12.2024 को 15.00 बजे।

निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 19.11.2024 को 15.00 बजे।

3568/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दिल्ली में मौसम की सबसे सर्द रात, प्रदूषण चरम पर

आईएमडी ने पूरे दिन घना कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में बुधवार को भी जहरीली हवा और प्रदूषण चरम पर रहा और राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 426 दर्ज किया गया जो गंभीर श्रेणी में है। इसके अलावा बीती रात को दिल्ली में इस मौसम की अब तक की सबसे सर्द रात दर्ज की गई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में मंगलवार रात को न्यूनतम तापमान गिरकर 11.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। तापमान में गिरावट के साथ घना कोहरा छाया रहा, जिससे सुबह 8.30 बजे तक दृश्यता घटकर 500 मीटर रह गई। आईएमडी ने पूरे दिन घना कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है। सुबह आर्द्रता का स्तर 84 प्रतिशत रहा। दिन का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, बुधवार को सुबह नौ बजे दिल्ली में एक्यूआई 426 था। चार सौ या इससे अधिक एक्यूआई को गंभीर श्रेणी में माना जाता है, जिससे स्वस्थ व्यक्तियों और पहले से किसी चिकित्सा संबंधी समस्या से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न होता है।

राष्ट्रीय राजधानी में 38 निगरानी केंद्रों में से एक को छोड़कर सभी हरेड जोन में हैं। लोधी रोड केंद्र रेड जोन में नहीं है, यहां एक्यूआई ह्वबहुत ज्यादा खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को पहली बार अत्यंत गंभीर श्रेणी को भी पार कर गई, जिसके कारण सोमवार को सुबह ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के तहत चरण चार के प्रतिबंध लागू किए गए। इन उपायों में निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध तथा स्कूलों में प्रत्यक्ष कक्षाओं का निलंबन शामिल है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने अतिरिक्त प्रतिबंध भी लागू किए हैं, जिनमें दिल्ली और राजधानी से सटे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के जिलों में सिर्फ बीएस-चार वाहनों और आवश्यक या आपातकालीन सेवाओं के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों को छोड़कर चार पहिया डीजल हल्के मोटर वाहनों (एलएमवी) के परिचालन पर प्रतिबंध शामिल है।

डीजल से चलने वाले मध्यम और भारी मालवाहक वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है, सिवाय आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले वाहनों के। अपवाद स्वरूप आवश्यक सेवाओं के वाहन को छोड़कर केवल इलेक्ट्रिक और सीएनजी ट्रकों को ही अनुमति दी गई है। 2017 में पहली बार अधिसूचित किए गए ग्रैप वायु गुणवत्ता को गंभीरता के आधार पर चार चरणों में वर्गीकृत किया गया है: चरण एक खराब (एक्यूआई 201-300), चरण दो बहुत खराब (एक्यूआई 301-400), चरण तीन गंभीर (एक्यूआई 401-450) और चरण चार अत्यंत गंभीर (एक्यूआई 450 से ऊपर)।

थप्पड़ का बदला लेने के लिए शख्स को मार डाला

नई दिल्ल। मौर्या एन्क्लेव इलाके में थप्पड़ मारने के विवाद में एक युवक ने फोटोग्राफर की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी विकास को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार 21 वर्षीय मनीष परिवार सहित पीतमपुरा जीपी ब्लॉक में रहता था। वह पेशे से फोटोग्राफर था। बताया जाता है कि मनीष और उसके दोस्त हिमांशु की विकास से लड़ाई हो गई थी। इस पर मनीष ने उसे एक थप्पड़ मार दिया था। हिमांशु ने बताया कि वह और मनीष सोमवार रात को इलाके में जागरण में शामिल होने गए थे। रात करीब तीन बजे जागरण से घर लौटते समय विकास मिल गया। विकास ने उनपर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में मनीष बुरी तरह घायल हो गया। हिमांशु की सूचना पर पहुंची पीसीआर ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रात के अंधेरे में महिलाओं को टारगेट करने वाला गिरफ्तार

पीछे से आता, पलक झपकते बैग लूटता

संवाददाता

तिलक नगर थाना की पुलिस टीम ने रात के अंधेरे में महिलाओं को टारगेट करके बैग, कैश इत्यादि लूटने वाले शातिर झपटमार को गिरफ्तार किया है। मात्र 30 साल की उम्र में इसपर 25 मामले पहले से चल रहे हैं। जिसकी पहचान मनोहर उर्फ गोलू के रूप में हुई है। इसके पास से दो लेडिस पर्स, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और कैश इत्यादि बरामद किया गया है। इसकी गिरफ्तारी से तिलक नगर थाना के दो मामलों का खुलासा करने का दावा पुलिस ने किया है। गिरफ्तार आरोपी तिलक विहार इलाके का रहने वाला है।

डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि 16 नवंबर को एक महिला जब घर जा रही थी। रात 11:00 बजे के आसपास एक झपटमार पीछे से आया और उसका पर्स लूटकर फरार हो गया। उस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके छानबीन शुरू की। एसएचओ विनीत कुमार पांडे की देखरेख में हेड कांस्टेबल पप्पू राम, मनीष, राजवीर की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से पता लगाना शुरू किया। तीन दिनों की मशक्कत के बाद इस शातिर झपटमार के बारे में पुलिस ने जानकारी इकट्ठा कर ली। फिर इसके लोकेशन के बारे में पता लगा करके वहां छापा मारकर इसे गिरफ्तार कर लिया।

राष्ट्र निर्माण में मानव संसाधन की महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ. विनय कुमार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन रिसोर्स (क्क्लरूफ) के द्वारा 19 नवम्बर 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में ग्लोबल एचआर कांक्लेव 2024 का आयोजन किया गया। इस वर्ष के कांक्लेव का प्रमुख विषय था विकसित भारत@2047 और मानव संसाधन की भूमिका। इस सम्मेलन में भारत के विभिन्न क्षेत्रों से मानव संसाधन विशेषज्ञ, कॉर्पोरेट लीडर्स, सरकारी एवं गैर-सरकारी मानव संसाधन विभागों के अधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक, रिसर्च स्कॉलर एवं छात्र शामिल हुए।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में ग्लोबल एचआर कांक्लेव 2024 के आयोजन सचिव, डॉ. विनय कुमार ने अपने संबोधन में कहा, प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण है कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है और इसके लिए देश की अर्थव्यवस्था को और भी अधिक सशक्त और समृद्ध बनाना होगा। राष्ट्र निर्माण में मानव संसाधन अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक मजबूत और कुशल कार्यबल ही भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में स्थान दिला सकता है। ह्व उन्होंने यह भी बताया कि कैसे मानव संसाधन प्रबंधन क्षेत्र को विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए अपनी कार्यशैली और नीतियों में बदलाव करना होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल, जो भारत पेट्रोलियम के स्वतंत्र निदेशक और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी हैं, ने अपने संबोधन में कहा, भारत सरकार ने विकास के लिए कई योजनाओं की शुरूआत की है। इन योजनाओं से न केवल नए रोजगार उत्पन्न होंगे, बल्कि यह देश के नागरिक के विकास में सहायक होंगे। सरकार ह्यसबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ काम कर रही है, और मानव संसाधन क्षेत्र को इस दिशा में विशेष योगदान देना होगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री राजीव अग्रवाल अध्यक्ष हिंदू ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन ने कहा कि छात्रों को स्किल डेवलपमेंट में कारपोरेट जगत के मानव संसाधन को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की आवश्यकता है जिससे कारपोरेट जगत को सक्षम अधिकारी मिल सकेंगे।

इस सम्मेलन में अन्य प्रमुख वक्ताओं में श्री वंश बहादुर सिंह (पूर्व निदेशक, मानव संसाधन, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया), डॉ. जीपी राव, श्री राकेश सिन्हा, डॉ. देवयानी राय, और डॉ. डी.पी. सिंह (निदेशक, हिंदू ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सोनीपत) शामिल थे। इन सभी विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए और बताया कि मानव संसाधन क्षेत्र में नवाचार और प्रौद्योगिकी के समावेश से भारत को एक सशक्त कार्यबल तैयार करने की आवश्यकता है।

कांक्लेव के अंतिम सत्र में छात्रों के बीच एक कंपटीशन का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों ने भाग लिया। हिंदू ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय को द्वितीय स्थान मिला।

कार्यक्रम के समापन पर, आईआईएचआर के कार्यक्रम निदेशक श्री महेश गोलानी ने धन्यवाद ज्ञापन किया और इस महत्वपूर्ण कांक्लेव को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

व्यापार मेले में लाख से बनी चूड़ियां और वस्तुएं बनीं आकर्षण का केन्द्र

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेला के राजस्थान पवेलियन में लाख से बनी चूड़ियों एवं लाख से बनी अन्य वस्तुएं दर्शकों विशेषकर महिलाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। राजस्थान मंडप के स्टॉल न. 3 व 6 में जयपुर से पहुंचे लाख के कारीगर इस्लाम अहमद ने बताया कि भारतीय संस्कृति में लाख को बहुत ही शुभ माना जाता है, विशेषतौर पर भारतीय नारियों में इसे सुहाग का प्रतीक माना जाता है। लाख से बनी चूड़ियां पहनकर स्त्रियां अपने पति की लम्बी आयु की कामना करती हैं। वे बताते हैं कि लाख हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। शादी या विवाह का अवसर हो या मकान की नींव भरने का समय, बच्चे के जन्म का मौका हो या सगाई इत्यादि के अवसर पर लाख की चूड़ियां, दुल्हन को सुहाग के प्रतीक के रूप में पहनना अनिवार्य समझा जाता है। शादी तथा तीज त्योहारों, होली, दीवाली व अनेक खुशी के अवसरों पर लाख की चूड़ियों का तथा लाख की अन्य वस्तुओं का आदान- प्रदान किया जाता है। लाख को सोने के जेवरों में भी भरा जाता है। उन्होंने बताया कि विश्व के कई राष्ट्राध्यक्षों को उनके जयपुर आगमन पर इनके परिवार की ओर से लाख निर्मित वस्तुएं भेंट की गई थी। दिल्ली के व्यापार मेले में मिले उत्साहजनक परिणाम से अभिभूत इस्लाम अहमद ने जयपुर में बताया कि आज लाख कला सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। फिर चाहे लाख की चूड़ियां हों या सजावटी या दैनिक उपयोग की वस्तु सभी में यह प्रयोग किया जाता है। इनमें अगरबत्ती स्टेण्ड, हाथी घोड़ा, ऊंट, एश ट्रे, चाबी के छल्ले, फोटो फ्रेम, शीशा, ज्वैलरी बाक्स, फ्रूट प्लेट, टेबल डायरी, ग्लास इत्यादि चीजें ही क्यों न हो, लाख कला जगत को ये सब वस्तुएं उन्हीं के परिवार की देन हैं। दिल्ली के व्यापार मेले में लोग बड़ी संख्या में हमारे स्टाल पर आ रहे हैं और हमारे कार्य की सराहना कर रहे हैं।

मंदिर से लौट रही महिला से लूटा, स्पेशल स्टाफ ने दबोचा

दरियागंज, कनॉट प्लेस, जामा मस्जिद में भी किया वारदात

संवाददाता

दरियागंज और सेंट्रल दिल्ली के अलग अलग इलाकों में महिलाओं को टारगेट करके उनके गले से गोल्ड चेन लूटने वाले एक शातिर लुटेरे को स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से लूटा गया गोल्ड चेन और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद किया गया है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान तौसीफ खान के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला कि इसके ऊपर पहले से 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। डीसीपी सेंट्रल एम हर्षवर्धन ने बताया कि 30 अक्टूबर को दरियागंज थाना इलाके में गोल्ड चेन स्नेचिंग की वारदात हुई थी। जब एक महिला सुबह मंदिर से घर लौट रही थी। इस दौरान स्कूटी सवार एक बदमाश पीछे से पहुंचा और अचानक उसके गले से गोल्ड चेन छीनकर फरार हो गया। मामला दर्ज करके छानबीन शुरू की गई। स्पेशल स्टाफ की टीम को इस मामले को सुलझाने के लिए लगाया गया।

एसीपी ऑपरेशन सुरेश खुंगा की देखरेख में इंस्पेक्टर रोहित कुमार, सब इंस्पेक्टर दीपक इत्यादि की टीम उस समय से सीसीटीवी फुटेज की मदद से पता लगाना शुरू किया था। पुलिस को पता चला कि वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश अंसारी रोड से डिलाइट सिनेमा की तरफ भागे। वहां से होते हुए एलएनजेपी हॉस्पिटल, तुर्कमान गेट होते हुए आगे निकल गए। पुलिस टीम ने दर्जनों सीसीटीवी फुटेज को खंगाला और पुलिस टीम आखिरकार 18 दिन बाद इसके बारे में पता लगाने में कामयाब हुई। पुलिस टीम ने फिर छापा मारकर इसे दबोचा, लूट गया गोल्ड चैन और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी को जप्त किया। पुलिस को बताया कि वह कई गोल्ड चैन और मोबाइल लूट चुका है। पुलिस से बचने के लिए यह वारदात से पहले स्कूटी के नंबर प्लेट में छेड़छाड़ करता था और वारदात को अंजाम देने के बाद माता सुंदरी रोड पर मैकेनिक के पास ले जाकर स्कूटी का कलर आगे से पेंट करवा देता था, जिससे की पहचान ना हो सके। आरोपी तौसीफ खान तुर्कमान गेट का रहने वाला है। यह दरियागंज के अलावा बाराखंबा रोड, जामा मस्जिद, कनॉट प्लेस इत्यादि थाना इलाकों में वारदात को अंजाम दे चुका है।

केजरीवाल ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा, ट्रायल कोर्ट के संज्ञान के आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले में केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत पर बाहर हैं। केजरीवाल निचली अदालत के आदेश को रद्द करने और कार्यवाही रोकने के लिए हाईकोर्ट से निर्देश मांग रहे हैं। याचिका पर कल सुनवाई होने की उम्मीद है। याचिका में तर्क दिया गया कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने आदेश में पीएमएलए की धारा 3 के तहत अपराध का संज्ञान लेने में गलती की, जो पीएमएलए की धारा 4 के तहत दंडनीय है। याचिकाकर्ता के अभियोजन के लिए सीआरपीसी की धारा 197 (1) के तहत पहले मंजूरी नहीं ली गई थी। अपराध के समय अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे। 12 नवंबर को हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से आप नेता अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर याचिका के संबंध में जवाब मांगा, जिसमें कथित आबकारी घोटाले से संबंधित एजेंसी के मनी लॉन्ड्रिंग मामले के संबंध में उन्हें जारी किए गए समन को चुनौती दी गई थी।

अरविंद केजरीवाल फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जुड़े दोनों मामलों में जमानत पर बाहर हैं। यह मामले दिल्ली की आबकारी नीति (2021-22) से संबंधित हैं, जो अब खत्म हो चुकी है। ईडी ने क्या आरोप लगाए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार, आबकारी नीति को जानबूझकर आप नेताओं को लाभ पहुंचाने और कार्टेल गठन को बढ़ावा देने के लिए खामियों के साथ तैयार किया गया था। ईडी ने आप नेताओं पर छूट, लाइसेंस शुल्क माफी और कोविड-19 व्यवधानों के दौरान राहत सहित तरजीही उपचार के बदले शराब कारोबारियों से रिश्वत लेने का आरोप लगाया। ईडी ने आगे आरोप लगाया कि घोटाले में 6 फीसद रिश्वत के बदले में निजी संस्थाओं को 12 प्रतिशत मार्जिन के साथ थोक शराब वितरण अधिकार दिए गए थे। इसके अतिरिक्त, आप नेताओं पर 2022 की शुरूआत में पंजाब और गोवा में चुनावों के नतीजों को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया था।

डीयू : छात्र संघ चुनाव की मतगणना अब 25 नवंबर को

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव (डूसू चुनाव 2024-25) की मतगणना अब 21 नवंबर के बजाय 25 नवंबर को होगी। जबकि कॉलेज छात्र संघ चुनाव के लिए गिनती 24 नवंबर को की जाएगी। कैंपस में कुछ स्थानों पर अब भी प्रचार सामग्री के कारण गंदगी होने पर डीयू ने मतगणना कराने की तिथि में बदलाव किया है। मालूम हो कि कोर्ट ने गंदगी साफ होने पर ही 26 नवंबर से पहले मतगणना कराने की अनुमति प्रदान की थी।

दिल्ली उच्च न्यायालय से मतगणना कराने की अनुमति मिलने के बाद डीयू ने बीते सप्ताह मतगणना कराने के लिए 21 नवंबर की तिथि तय की थी। डूसू चुनाव 2024-25 के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो सत्यपाल सिंह ने बताया कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने डीयू को 26 नवंबर को या उससे पहले मतगणना करने का निर्देश दिया है, बशर्ते कि सभी विकृतियां दूर कर दी जाएँ। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण करने पर पाया गया है कि कुछ स्थानों पर विरूपण की अभी पूर्णतः सफाई नहीं हुई है। प्रो. सत्यपाल सिंह ने बताया कि ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय ने सभी स्थानों की सफाई स्वयं करने का निर्णय लिया है। इसीलिए मतगणना कराने की तिथि को आगे बढ़ाकर 25 नवंबर कर दिया गया है।

24 नवंबर को सुबह आठ बजे से शुरू होगी मतों की गिनती

डूसू चुनाव के लिए मतों की गिनती सुबह 8 बजे उत्तरी परिसर में वनस्पति विज्ञान विभाग के सामने कांफ्रेंस सेंटर में होगी। सभी कॉलेजों विभागों-संस्थानों-केंद्रों को निर्देश दिया गया है कि वे मतों की गिनती रविवार 24 नवंबर को करें। उन्होंने बताया कि सुबह के कॉलेजों-विभागों-संस्थानों, केंद्रों को सुबह 8 बजे से और शाम के कॉलेजों, विभागों, संस्थानों, केंद्रों को दोपहर दो बजे से मतगणना शुरू करने का निर्देश दिया गया है। मालूम हो कि प्रचार सामग्री के कारण सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाए जाने के कारण कोर्ट ने मतगणना कराने पर रोक लगा दी थी।

50 वारदात कर चुका बदमाश निकला हथियार लेकर

पश्चिम विहार ईस्ट थाना इलाके में पुलिस द्वारा दबोचा गया

संवाददाता

पश्चिम विहार ईस्ट थाना की पुलिस टीम ने लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट और घरों में चोरी करने के 50 मामलों में शामिल एक कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके पास से हथियार और कारतूस भी बरामद किया गया। यह दिल्ली पुलिस का घोषित बीसी भी है इसके ऊपर बाहरी जिला के सुल्तानपुरी थाना में अकेले कई मामले दर्ज हैं। डीसीपी आउटर सचिन शर्मा ने बताया कि एसीपी पाटिल स्वागत राजकुमार की देखरेख में एसएचओ राधेश्याम, हेड कांस्टेबल राकेश और कांस्टेबल प्रमोद की टीम पेट्रोलिंग कर रही थी, तो उसे दौरान इस शख्स को संदिग्ध हालत में देखा। जांच के लिए रोका और तलाशी ली गई तो कंट्री मेड पिस्टल और कारतूस बरामद किया गया। पूछताछ में इसकी पहचान कुणाल उर्फ कुलदीप उर्फ पिंटू के रूप में हुई। यह निहाल विहार का करने वाला है।

जमीनी विवाद में गोली चलाने के आरोप में भाजपा नेता का भतीजा समेत दो गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के होशियारपुर गांव में शुक्रवार तड़के चार बजे के करीब हथियार से फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले भाजपा नेता के भतीजे सहित दो लोगों को थाना सेक्टर-49 गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से अवैध हथियार बरामद किया है। यह फायरिंग जमीनी विवाद को लेकर की गई थी। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सैनी ने बताया कि 16 अक्टूबर को कपिल यादव निवासी ग्राम होशियारपुर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गांव सोरखा के रहने वाले राहुल यादव और उसके साथियों ने उसके घर पर आकर जान से मारने के नियत से ताबड़तोड़ गोली चलाई। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस ने आज राहुल यादव तथा उसके साथी तरुण पाल को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त देसी तमंचा बरामद किया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में शामिल अन्य लोगों की पुलिस तलाश कर रही है। बताया जाता है कि पीड़ित और आरोपी राहुल यादव आपस में रिश्तेदार हैं। इनका एक प्लाट को लेकर आपस में विवाद है। आरोपी राहुल के चाचा जनपद गौतमबुद्ध नगर के भाजपा के बड़े नेता बताए जाते हैं। बता दें कि इस घटना का दो मिनट चार सेकेंड का एक और वीडियो सोशल मीडिया के विविध प्लेटफार्म पर वायरल हुआ था, जिसमें पुलिस कारतूस के खोखे गिन रही है। कारतूसों को सफेद गोले में कवर किया गया है। वीडियो में मौके पर पुलिसकर्मी भी मौजूद दिख रहे हैं। कुछ पुलिसकर्मी स्थानीय लोगों से बातचीत करते भी नजर आ रहे हैं। होशियारपुर गांव निवासी कपिल यादव ने शनिवार को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि शुक्रवार रात को वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ घर पर सोया हुआ था। तड़के चार बजे के करीब घर के बाहर फायरिंग की आवाजें आने लगी। शिकायतकर्ता और उसके परिजन जब बाहर निकले तो देखा कि सोरखा गांव का राहुल यादव अपने अन्य साथियों के साथ हथियार से फायरिंग कर रहा है। जब शिकायतकर्ता ने फायरिंग की वीडियो बनाने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसके घर की तरफ भी फायरिंग की।

राज्यसभा सांसद और तेलुगू अभिनेत्री ने मेले का दौरा किया

ग्रेटर नोएडा। ईवी इंडिया एक्सपो के दूसरे दिन राज्यसभा सांसद नरेश बंसल और तेलुगू अभिनेत्री प्रज्ञा नयन ने मेले का दौरा किया। उन्होंने प्रदर्शनी का दौरा किया और प्रदर्शकों तथा आगंतुकों से बातचीत की। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि भारत अब भी न्यूनतम रेंज की चिंता में है, इलेक्ट्रिक वाहनों की ऊंची कीमतें, चुनिंदा चार पहिया वाहन, बैटरी निर्माण क्षमता, इलेक्ट्रिक मांग और चार्जिंग स्टेशनों की कमी सहित विभिन्न चुनौतियों से निपट रहा है। सरकार ईवी उद्योग को सर्वोत्तम प्रयासों के लिए प्रेरित कर रही है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकारी फंडिंग, सब्सिडी और प्रोत्साहन ने बाजार में ईवी की मांग को बढ़ाने में मदद की है। वहीं, तेलुगु अभिनेत्री प्रज्ञा नयन ने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी ईवी के साथ कार्बन उत्सर्जन को कम करने, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता, नौकरियां पैदा करने और भारत में एक नई तकनीक के निर्माण में अद्वितीय अवसर लाती हैं। ऐसे कारक मिलकर भारत के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार को निकट भविष्य में विकास के लिए तैयार कर रहे हैं। स्वदेश कुमार ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन की लागत कम है, इसलिए भारत एक बहुत ही अनूठा बाजार है। हमारा लक्ष्य अब यात्री और वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण और बिक्री के मामले में चीन, अमेरिका और जापान के बराबर होना है। 2019 और 2030 के बीच इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 43.13% की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है। अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार सम्मेलन हुआ : इस मेले में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार सम्मेलन का आयोजन इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल एसोसिएशन और ग्रीन सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा किया गया। इसमें बैटरी एआईएस मानकों और सुरक्षा, ईवी पर व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने की चुनौतियां और उपभोक्ता मनोविज्ञान और ईवी चार्जर बुनियादी ढांचे को समझना - अवसर, चुनौतियां और सरकारी नीतियां आदि जैसे विभिन्न विषयों पर पावर-पैक गोलमेज चर्चाएं शामिल थीं। सम्मेलन के मुख्य अतिथि डीएम मनीष वर्मा रहें।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से साइकिल सवार घायल

नोएडा। सेक्टर-44 में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से साइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल के बेटे की शिकायत पर सेक्टर-39 थाने की पुलिस ने दो अज्ञात बाइक सवारों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दिल्ली के बदरपुर निवासी प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले उसके पिता नवीन कुमार सिंह नोएडा के सेक्टर-7 स्थित अपने ऑफिस का काम समाप्त कर घर लौट रहे थे। रात साढ़े नौ बजे के करीब नाले के पास पीछे से आए बाइक सवार ने साइकिल सवार नवीन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नवीन साइकिल से उछलकर दूर जाकर गिरे। सिर समेत शरीर के अन्य हिस्से में चोट लगने के कारण साइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर ही लोगों से मदद की गुहार लगाई। राहगीरों की मदद से पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने के चलते नवीन को सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। घायल व्यक्ति आईसीयू में है और उसकी ब्रेन सर्जरी हुई है। हादसे को सात दिन हो गए पर अभी तक घायल को होश नहीं आया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है ताकि बाइक और उसपर सवार दोनों युवकों की पहचान कर कार्रवाई की जा सके।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बंगाल की दिया मुखर्जी ने फैब्रिक पेंटिंग से लोगों को आकर्षित किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में चल रहा 43वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला युवा-युवतियों को अपने उद्यमशीलता प्रदर्शित करने का मंच दे रहा है। इसी तरह के युवाओं में पश्चिम बंगाल की आर्टिस्ट दिया मुखर्जी भी हैं, जो शौकिया तौर पर चित्रकार हैं और अपनी कला को फैब्रिक पर पेंट करती हैं। भारत मंडपम के हॉल नंबर 10 के एक स्टाल पर अपनी पेंटिग की पृष्ठभूमि में तुलिकाओं और रंग के साथ एक टीशर्ट पर राधा कृष्ण का चित्र बनाते हुये दिया ने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा, ह्लमैंने सरकारी या निजी क्षेत्र में नौकरी की उम्मीद रखने की बजाए अपने शौक को चुना है और अब अपने हुनर को दुनिया के सामने लाकर खासकर अपनी उम्र के युवाओं को अपनी कलात्मक शौक को अभिव्यक्ति देने के रास्ते को चुनने के लिये जागरूक कर रही हूं।

दिया ने बातचीत में कहा, मुझे शुरू से ही पेंटिंग करने का शौक था लेकिन फिर भी मैंने साइंस में पढ़ाई पूरी की और एक निजी कंपनी में नौकरी की। बाद में, नौकरी से मन ऊबने लगा तब मुझे लगा नौकरी करना मेरे बस में नहीं है, मेरा शौक और पेशा कला है और इस क्षेत्र में ही कुछ अलग करना है। इसलिये मैंने अपने सीनियर से पेंटिंग करने का प्रशिक्षण लिया। दिया मुखर्जी टीशर्ट, कुर्ते और परिधानों के अलावा ज्वैलरी पर हैंड पेंटिंग करती हैं और यह उनका रोजगार बन चुका है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपने शौक को हुनर में बदलकर, अपने साथ-साथ दूसरों की भी मदद कर सकता है और कोई भी कलाकार हर वर्ग के व्यक्ति को अपने शौक को हुनर में बदलने के लिये प्रेरित कर सकता है।

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले की दिया ने अपने शौक को व्यवसाय का रूप दे दिया है और वे हैंडपेंटिड (हाथ की चित्रकारी वाले) परिधानों का अपना खुद का कारोबार जमाने में लगी हैं। दिया ने कहा, उन्होंने कहा, मेरा कला क्षेत्र में आना सहज नहीं था, लेकिन अब मुझे विश्वास है कि निम्न, मध्यम परिवार के लोग अपने आर्ट के शौक को अपनी मेहनत से रोजगार के माध्यम के रूप में बदल सकते हैं। मैं यहां अपने व्यवसाय को प्रदर्शित करने के साथ-साथ अपने मन का संदेश भी देना चाहती हूं। उन्होंने बताया कि उन्हें उनकी कला और उद्यमशीलता के लिये 2016 में केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय से मान्यता मिली है और उसकी मदद से ऐसे व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों में वह अपना स्टॉल लगाती है। दिया ने बताया कि अब तक वह कई राज्यों में सरकार की ओर से स्टाल लगा चुकी हैं। इससे उन्हें साल भर में करीब 4-5 लाख रुपए तक की कमाई हो जाती है। दिया एब स्टाइल ब्रांड के माध्यम से अपना काम जमा रही हैं और उसने एक टीम बना ली है। उन्होंने कहा, आज मैं कला और मेहनत, उद्यमशीलता से अपने परिवार की देखभाल कर पा रही हूं तथा कुछ अन्य लोगों को भी रोजगार दे पा रही हूं।

मुंबई से आकर दिल्ली में वारदात करने वाले को दबोचा

भागने के चक्कर में एक पहुंचा अस्पताल,, दूसरा तिहाड़

संवाददाता

सरोजिनी नगर थाना की पुलिस टीम ने मोबाइल और कैश लूटने वाले दो बदमाश को गिरफ्तार किया। उनके पास से लूटा गया मोबाइल, कैश और स्कूटी भी बरामद किया गया। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान राजू उर्फ रवि और शिव शंकर के रूप में हुई है। यह दोनों केडी कॉलोनी, आरके पुरम के रहने वाले हैं। राजू पहले से 5 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। जबकि शिव तीन मामलों में। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी के निर्देश पर पुलिस टीम ने इन बदमाशों के बारे में पता लगाना शुरू किया था। जब 19 नवंबर को तड़के 4:30 के आसपास भीकाजी कामा प्लेस बस स्टैंड के पास दो बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया था। एसीपी रणवीर सिंह की देखरेख में एसएचओ रूपेश खत्री, सब इंस्पेक्टर प्रमोद वशिष्ठ की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से पता लगाना शुरू किया। फिर इनके बारे में जानकारी इकट्ठा करने के बाद इन्हें पकड़ने सफदरजंग फ्लाई ओवर के पास पहुंच गई। जहां दोनों पुलिस से बचने छलांग लगा दिया। राजू को पुलिस पकड़ने में कामयाब हो गई जबकि दूसरा वहां से भाग गया। राजू को एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। उसके बाद इसके साथी शिव को फिर पुलिस टीम ने मोती बाग फ्लाई ओवर के पास से पकड़ा। उसके पास से लूटा गया मोबाइल बरामद किया गया। इस मामले में इनके तीसरे साथी की तलाश पुलिस टीम कर रही है। इन्होंने पूछताछ में बताया कि वह लोग मोबाइल छीनकर उसे कम कीमतों पर बेचते हैं। शिव एक सप्ताह पहले ही मुंबई से दिल्ली आया था। यह वहीं रहकर वारदात करता था, लेकिन जब पुलिस का प्रेशर बढ़ा तो वहां से दिल्ली आकर वारदात की शुरूआत कर दी। लेकिन पुलिस ने वारदात के चंद घंटे के बाद ही दबोच लिया।

संक्षिप्त खबरें

वार्ड सदस्य की आकस्मिक निधन से परिजनों में मचा कोहराम

सदर मुंगेर। बुधवार की सुबह सदर प्रखंड अंतर्गत तारापुर दियारा पंचायत के वार्ड संख्या 3 के वार्ड सदस्य शोभा देवी आकस्मिक निधन अचानक से हो गई। निधन की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वही मौके पर तारापुर दियारा पंचायत के मुखिया अनीता देवी पहुंचकर परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा की इस दुख की घड़ी में हम आप लोगों के साथ हैं। वहीं उन्होंने यह भी कहे की सरकार की ओर से जो भी प्रावधान की सुविधा होगी अर्थात संभव हम इन्हें दिलाने का प्रयास करेंगे। मौके पर पूर्व मुखिया बम बम चौधरी, वार्ड सदस्य संतोष कुमार, गोपाल सिंह, सहित दर्जनों ग्रामीण एवं परिजन उपस्थित थे।

गर्भवती महिलाओं को अच्छी खान-पान से मिलती टेंशन मुक्ति : डॉ अलका कुमारी

सदर मुंगेर।सदर अस्पताल मुंगेर महिला प्रसूति की डॉ अलका कुमारी गर्भवती महिलाओं को अच्छी खानपान एवं टेंशन मुक्त रहने की सलाह दी उन्होंने कहा कि इस पर सीधा असर गर्भ में पल रहे बच्चों पर होता है ।उन्होंने नॉर्मल डिलीवरी के लिए महिलाओं को अच्छी टिप्स भी दिया साफ सफाई के साथ-साथ रोजाना का दिनचर्या सही रखें वॉकिंग और खुश रहे इससे गर्भ में पल रहे बच्चें को फायदा पहुंचता है । डॉ अलका कुमारी ने कम उम्र में शादी एवं कम उम्र में लड़की का गर्भवती होना जच्चा बच्चा दोनों को खतरा है उन्होंने कहा आने वाले महीने में गर्भवती महिलाओं को गांव ग्रामीण क्षेत्रों में जा जाकर जागरूक करने की कोशिश करूंगी ।अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा एवं जागरूक की कमी है उससे दूर करने की कोशिश हम लोग सोशल मीडिया के माध्यम से एवं पत्रकारिता के माध्यम से और आने वाले समय में फिजिकल चलकर जागरूक करने की महिम की सोच है।

एकलव्य मॉडल प्लस टू उच्च विद्यालय का केंद्रीय मंत्री ने किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे विधायक, डीडीसी भी साथ रहे मौजूद

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] बुधवार को एकलव्य मॉडल प्लस 2 उच्च विद्यालय का निरीक्षण केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के द्वारा किया गया। प्राचार्य के द्वारा विद्यालय में पेयजल संकट की समस्या के बारे में जानकारी दी जिसपर डीडीसी ने बताया कि इस जगह पर पेयजल की संकट जल्द ही दूर कर दिया जाएगा इसके लिए जल्द बोरिंग के लिए टेंडर की प्रकिया होगी। विधायक ने भी स्कूली बच्चों से मिलकर ईमानदारी पूर्वक शिक्षा ग्रहण कर अच्छे मुकाम को हासिल करने के लिए प्रेरित किया। केंद्रीय मंत्री ने प्राचार्य से विद्यालय में बच्चों के नामंकन से लेकर बच्चों को दी जाने वाली गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की जानकारी लिया और छात्र छात्राओं से बातचीत की जिसपर वह संतुष्ट हुए। केंद्रीय मंत्री ने बच्चों को जीविका दीदी द्वारा दी जाने वाली भोजन का भी जायजा लेते हुए मेन्यू के अनुसार भोजन दिया जाता है कि नही इसकी भी जांच किया। केंद्रीय मंत्री ने विद्यालय परिसर और विद्यालय में बच्चों को दी जा रही शिक्षा-दीक्षा व सुविधाओं का निरीक्षण कर विद्यालय प्रशासन से उन्हें और बेहतर बनाने को लेकर चर्चा किया। केंद्रीय मंत्री ने पूरे विद्यालय भवन का निरीक्षण किया। छात्र छात्राओं के लिए बने छात्रावास का भी निरीक्षण किया और विद्यालय प्राचार्य विमल कुमार से विद्यालय में रहने वाले छात्र छात्राओं को सम्पूर्ण सुविधा से जुड़ी जानकारी लिया किंद्रीय मंत्री ने स्कूली छात्र छात्राओं को शिक्षा के प्रति जोर देते हुए कहा कि शिक्षा सफलता की कुंजी है इसलिए शिक्षा को महत्व देते हुए ईमानदारी पूर्वक शिक्षा ग्रहण करने के लिए कहा। केंद्रीय मंत्री ने विद्यालय परिसर में बने भवन के समतलीकरण पर बल दिया। इस दौरान जमुई विधानसभा की विधायक श्रेयसी सिंह, जमुई डीडीसी सुमित कुमार भी साथ मे थे।

सीएम नीतीश कुमार का विकास कार्यो को लेकर जदयू कार्यालय में की गई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] बुधवार को पटना बिहार प्रदेश कार्यालय के निदेर्शानुसार विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर झाझा प्रखंड जदयू कार्यकारिणी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष राकेश दास की अध्यक्षता में नगर स्थित जदयू कार्यालय में संपन्न हुआ। बैठक में झाझा विधानसभा के विधायक व बिहार सरकार के पूर्व मंत्री दामोदर रावत उपस्थित हुए। विधायक ने आगे कहा कि डॉक्टर लोहिया और कपूर्री ठाकुर द्वारा महिला सशक्तिकरण के सपनों को नीतीश कुमार साकार किया है। विधायक ने आगामी साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकताओं को अभी से ही चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक विकास की रोशनी पहुँचाने का लक्ष्य है। इस कड़ी में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी, रोजगार, बिजली सिंचाई आदि के क्षेत्र में शानदार काम हुआ है। बालिका साईकिल योजना, सभी प्रकार की नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण, पंचायत निकाय में 50 प्रतिशत आरक्षण, इंटर पास लड़कियों को 25000और स्नातक पास लड़कियों को आगे की पढ़ाई के लिए 50000 हजार रुपए एकमुश्त देना इसका उदाहरण हैं। बैठक में उपस्थित साथियों में जोश भरते हुए कहा कि नीतीश कुमार के अगले चुनाव में एनडीए के 225 सीट के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपलोग सरकार के जन कल्याणकारी को बूथ स्तर तक पहुँचाए। विधायक ने आगे कहा कि एनडीए सरकार ने युवाओं को 10 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का वायदा किया है, इस कड़ी में विधानसभा चुनाव में पहले 12 लाख नौकरी देने का प्रस्ताव है तथा 90 हजार प्रति परिवार 2-2 लाख रुपये दिया जा रहा है। विधानसभा के प्रभारी ललन कुशवाहा, प्रखंड प्रभारी दिनेश मंडल, पार्टी के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र महतो, जदयू के वरिष्ठ नेता सुबोध केशरी, डॉ.राजेन्द्र प्रसाद, कारी अलाउद्दीन, बलवंत सिंह, संजय यादव, चंदन माथुरी,सभी पंचायत अध्यक्ष, लक्ष्मीपुर के पूर्व अध्यक्ष पवन रंजन,अशोक साव,राजेन्द्र गुप्ता आदि ने संबोधित किया। मौके पर जदयू के वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र रावत, गौतम सिंह, छेदी पासवान, लखन मंडल, सिंहेश्वर गोस्वामी, मनु हेम्ब्रम,बलराम मंडल, दिलावर हुसैन, धीरेंद्र यादव, नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष संजय सिंहा एवं मोहन पासवान, छोटू चंद्रवंशी, केदारनाथ पासवान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा जनता का विश्वास पूरी तरह खो चुकी है: प्रोफेसर विनय कुमार सुमन

प्रात : किरण संवाददाता

सदर मुंगेर । भाजपा जनता का विश्वास पूरी तरह खोल चुका है परिणाम स्वरूप वह सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर बड़े पैमाने पर रुपए बांट कर किसी तरह चुनाव में जीत हासिल करना चाहती है। राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव प्रोफेसर विनय कुमार सुमन ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि महाराष्ट्र एवं झारखंड में अपनी संभावित हार को देखते हुए बीजेपी इतना घबरा गई है कि वह दूसरे चरण के चुनाव के पूर्व संध्या पर रुपए बांट कर मतदाताओं का विश्वास हासिल करना चाहती है। दूसरे चरण के चुनाव के पूर्व संध्या पर एक और जहां भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं बिहार बीजेपी प्रभारी को महाराष्ट्र में रुपए बांटते इंडिया गठबंधन के कार्यकताओं ने एक होटल में पकड़ा जहां करोड़ों रुपए बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव बांटते पकड़े गए हैं। वहीं दूसरी ओर झारखंड के गोड्डा विधानसभा क्षेत्र में गोड्डा के निवर्तमान भाजपा विधायक अनेकों गाड़ियों के काफिले के साथ मतदाताओं के बीच रुपये बांटते पकड़े गए हैं। जिस कारण वहां काफी बवाल हुआ। भाजपा गठबंधन चुनाव के पूर्व ही महाराष्ट्र एवं झारखंड सहित अन्य राज्यों के उपचुनाव में बुरी तरह अपनी पराजय को देखते हुए बौखला गई है। एक और जहां भाजपा की संभावित हार को देखते हुए प्रधानमंत्री चुनाव के पूर्व ही चुनावी प्रचार छोड़कर विदेशी दौरा पर चले गए तो वहीं दूसरी ओर भाजपा के चाणक्य माने जाने वाले भारत के गृह मंत्री अमित शाह चुनाव प्रचार संपन्न होने के पूर्व ही महाराष्ट्र में अपने तय चार रैलियों को रद्द कर दिल्ली वापस लौट गए। प्रोफेसर सुमन ने कहा कि इंडिया गठबंधन महाराष्ट्र एवं झारखंड में दो तिहाई मतों के साथ सरकार बनाएगी वहीं अन्य राज्यों के उपचुनाव में अधिकतर सीटों पर विजय पताखा फहराएगी।

बाबा झुमराज धाम बटिया मे बुधवार को 40 हजार 60 रुपये की प्राप्ति

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो / जमुई : अगहन मास की प्रारंभ के प्रथम बुधवार को द्वितीय पुजा के दौरान जमुई जिले के बटिया बाजार से सटे पठारी भागों में बसा प्रसिद्ध बाबा झुमराज मंदीर मे श्रधालुयों की भीड़ में काफी कमि देखी गई है । धार्मिक न्यास पार्षद पटना के द्वारा गठित नई कमेटी के सदस्यों द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए तकरीबन दो दर्जन से अधिक भोलेंटियर की व्यवस्था की गई । जिसमें सर्वप्रथम शुद्ध पेयजल की व्यवस्था , छोटी बड़ी वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था , पाकेट मारों से सावधान रहने के लिए तकरीबन एक दर्जन से अधिक माईकिंग की व्यवस्था की गई । जिसमें कमेटी के सचिव राकेश कुमार सिंह ने पुजा की समाप्ति तक एनाउंसमेंट कर यात्रियों की सुविधा मे डटे रहे । वहीं कमेटी के कोषाध्यक्ष पैयजल कमि की आपुर्ति , वाहनों द्वारा होने वाली सडक जाम आदि पर नियंत्रण करने मे लगे रहे । ज्ञात हो कि पिछले 15 वर्षो पुर्व से धार्मिक न्यास पार्षद पटना के द्वारा गठित कमेटी सदस्यों द्वारा बाबा मंदीर मे होने वाली आय व्यय का किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी गई , लेकिन नये कमेटी सदस्यों के आगमन के साथ ही प्रति पुजा के दिन यात्रियों से होने वाली आय ओर व्यय का हिसाब पुजा की समाप्ति के तुरंत बाद आमजनो के बीच रखा जा रहा है । ज्ञात हो कि मंदीर की विकास के लिए अगहन मास प्रारंभ के प्रथम सोमवार को तकरीबन एक लाख अड़तालीस हजार एक सो पांच रूपए की आय यात्रियों द्वारा की गई , जिसे कमेटी सदस्यों ने पुजा की समाप्ति के साथ ही आमजनों के बीच रख दिया । इधर बच्चों का मुंडन , छोटी बड़ी वाहनों की पुजा आदि को भी दुरुस्त कर दिया गया है । ज्ञात हो कि नये कमेटी सदस्यों की दुरुस्त व्यवस्था आज से पहले इस मंदिर मे कभी नहीं देखा गया है । ऐसा जान पड़ता है मानो हम बाबा झुमराज मंदिर नहीं बल्कि कोई ओर मंदिर मे आये हुए हैं । कोषाध्यक्ष श्री लल्लू प्रसाद बरनवाल ने बताया कि यात्रियों से मिलने वाली आज का सहयोग राशी रशीद द्वारा कुल 36 हजार 60 रुपये एवं दान पेटी से कुल 04 हजार रुपये प्राप्त हुई है ।

मारपीट में घायल युवक का इलाज के दौरान मौत

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर) श्यामपुर थाना से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 16 नवंबर को लक्ष्मण टोला सठवीध में दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। घटना में भीम मंडल को गहरा चोट आने के कारण इलाज के दौरान भागलपुर मेडिकल कॉलेज में देहांत हो गया । बताया जाता है कि साठवीधी गांव में आपसी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुई जमकर मारपीट की घटना में गंभीर रूप से जख्मी 21 वर्षीय भीम मंडल के इलाज भागलपुर मेडिकल अस्पताल में हो गई। भीम मंडल की मौत के बाद दो पक्षों के बीच गहरा तनाव देखा जा रहा है। मृतक भीम मंडल का शव मंगलवार की शाम उसके सठवीध स्थित घर पर लाया गया जहां परिजनों की चीख पुकार से पूरा माहौल गमगीन हो गया है।

उत्क्रमित मध्य विधालय बनझुलिया में तिथि भोजन का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर ।सरकारी स्कूलों में बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए सरकार मिड डे मील सहित कई कार्यक्रम चला रही है,ताकि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को पौष्टिक भोजन भी मिल सके। इसी कड़ी में बुधवार तिथि भोजन योजना के तहत स्कूल में छात्रों के लिये विशेष भोज उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनझुलिया में आयोजित किया गया ।समाज का कोई भी प्रतिष्ठित व्यक्ति अपनी जन्मतिथि व अन्य विशेष दिवस के मौके पर प्रारंभिक स्कूल के बच्चों के लिये खुद के खर्च से ह्रतिथि भोजनह्व का आयोजन कर सकता है। इसी योजना के तहत बुधवार को गिद्धौर प्रखंड के पतसंडा पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनझुलिया के प्रभारी प्रधानाध्यापक रंजीत राम ने अपने खर्च से स्कूल में ह्रतिथि भोजनह्व का आयोजन किया। सभी छात्र-छात्राओं को विशेष भोजन के तौर पर रसगुल्ला,बुंदिया,खीर,पूरी व आलू गोभी से बनी सब्जी खिलाई गई। बच्चों ने बताया कि स्कूल में पहली बार इतना स्वादिष्ट भोजन मिला है। बच्चों ने शिक्षा विभाग से हर दिन ऐसा स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध करवाने की मांग कर दी।इस मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि स्कूलों में एमडीएम मेन्यू से अलग हटकर ह्रतिथि भोजनह्व के रूप में विशेष अवसर पर चावल-गेहूं से बना खाद्य पदार्थ, फल, दाल-दलिया, पत्तेदार सब्जी से बना हुआ ताजा और पका हुआ भोजन दिया जाता है।इस तिथि भोजन के मौके पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पारस कुमार,मानस मिलिन्द,सोनी कुमारी डीपीएम दीपक कुमार एएसएस डीपीएम अविनाश कुमार,अमिर दास प्रखंड प्रमुख पंकज कुमार,रंजीत कुमार राम,लक्ष्मण यादव,राहुल आनंद,मनोज कुमार,केदार जी,प्रदीप प्रभाकर सहित सैकडो.छात्र-छात्राओं उपस्थित थे।

मुख्य सचिव के वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जमुई जिले में क्रियान्वित पीएमजी प्रोजेक्ट की समीक्षात्मक बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के निदेर्शानुसार मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला पदाधिकारियों के साथ 20 नवम्बर बुधबार को पीएमजी प्रोजेक्ट अंतर्गत बिहार राज्य में कार्यान्वित परियोजनाओं से संबंधित लंबित मुद्दों के कार्यों की समीक्षा की। इस बैठक में जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने सम्बंधित पदाधिकारियों के साथ भाग लिया और जिले के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस संदर्भ में जिलाधिकारी महोदया ने बताया कि बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पथ निर्माण विभाग, पंचायती राज विभाग, ऊर्जा विभाग, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, सूचना प्रावैधिकी विभाग से पंचायत सरकार भवन, भू-लगान वसूली, सैरात, ऑनलाईन म्यूटेशन, परिमार्जन, आधार सीडिंग, अभियान बसेरा-1 एवं 2, ई-मापी, पॉवर सब-स्टेशन, ऑनलाईन एलपीसी तथा म्यूटेशन आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्य सचिव ने सभी विभागों को अपने कार्यों में तेजी लाने और समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन सभी विभागों के साथ मिलकर काम करते हुए सभी योजनाओं को सफलतापूर्वक स-समय लागू करेगा। इस बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी जमुई, उप विकास आयुक्त जमुई, उप समाहर्ता भूमि सुधार, सिविल सर्जन, कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग जमुई, जिला पंचायती राज पदाधिकारी और अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मिशन अभियान के तहत सरकार द्वारा मिनी ऑटो रिक्शा से हो रहा अवैध बालु ढुलाई

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : बिहार सरकार द्वारा जारी स्वास्थ्य मिशन अभियान जमुई जिले के सोनो प्रखंड में बुरा हाल है । स्वास्थ्य मिशन की कामयाबी के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा कचड़े की सफाई के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति एवं हरेक वार्डो मे जमा कचरों की ढुलाई के लिए लाखों रुपए खर्च कर आटो रिक्शा उपलब्ध कराई गई है। , ताकि संपुर्ण बिहार में स्वच्छता बनी रहे ।

लेकिन सोनो प्रखंड के बेलंबा पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 01 पर बिहार सरकार द्वारा दी गई आटो रिक्शा पर अवैध रुप से बालु की ढुलाई करने में प्रयोग किया जा रहा है। , जो बिहार सरकार के मंसूबे पर पानी फेरने की बात है । अवैध रूप से बालु ढुलाई कर रहे आटो पर सवार आटो चालक के साथ शामिल छोटे छोटे बच्चे भी हें जो बिना किसी भय के गीत गाते हुए चला जा रहा है । इससे यह जान पड़ता है कि बालु ढुलाई करने वाले लोगों को कानून का जरा सा भी भय नहीं है विश्वस्त सुत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सरकार द्वारा मिली इस वाहन पर अवैध तरीके से बालु ढुलाई कराने में स्थानीय जन प्रतिनिधियों की भी मिली भगत बताई जा रही है । अगर ऐसा ही चलता रहा तो बिहार सरकार द्वारा जारी स्वास्थ्य मिशन अभियान ढाक के तीन पात बनकर रह जायेगा ।

कवाला खरीदगी जमीन का नकल नहीं निकलने से आमजन परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिला मुख्यालय में अवस्थित रजिस्ट्री आफिस सह नकलखाना में आए जिले वासियों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है अपने अपने कवाला खरीदगी जमीन का नकल लेने में। खास करके मुंगेर से आये रजिस्ट्री कवाला जो 1958 से लगभग 2000 ईस्वी तक रजिस्ट्री खरीदगी जमीन का नकल निकालने में जिलेवासियों को पसीना छूट रहा है। सर्वप्रथम नकलखाना रूम में एक ही व्यक्ति प्रतिनियुक्त है और उसका चलता है मनमानी। नकल रुम के बाहर बिचौलिए को बैठाकर करते आर्थिक दोहन। बुधवार 20 नवम्बर को जिला संवाददाता को जब इसकी सूचना मिली तो निरीक्षण करने हायर सेकेंडरी स्कूल में अवस्थित नकलखाना रूम पर पहुंच उपस्थित लोगों से जानकारियां ली गई।तो हैरान करने वाली बातें सामने आई। नकलखाना स्टाफ अमन कुमार बीते 15 दिनों से नकलखाना रूम नहीं खोला है। आज खोलने की सूचना बिचौलिए ने जिलेवासियों को दी और सुबह 10 बजे से ही लोगों आना शुरू हुआ और 12 बजे तक नकलखाना रूम में ताला लटका हुआ पाया गया। उपस्थित पीड़ित व्यक्तियों ने बताया कि मैं तीन माह से दौड़ रहे हैं तो कोई महिनों से तो कोई 15 दिनों से अपने अपने खरीदगी जमीन का नकल लेने परेशान हैं। वहीं बरामदे पर बैठ बिचौलिए ब्रह्मदेव शर्मा ने बताया कि 15 दिनों के बाद आज खोलने की बातें थीं लेकिन आज भी बन्द है। स्टाफ अमन कुमार एक भोलुम देखने का 200 रुपया और अपने से नहीं खोजने पर प्रत्येक भोलुम पढ़ने का भी 200-300रुपया लेता है।आने वाले पीड़ित व्यक्तियों से एक सादे कागजात पर जमीन का ब्योरा लिखने का 20 रुपए प्रति फार्म लेते हुए पाये गये। उन्होंने कहा कि मैं अगल बगल के रहने वाले हैं और लोगों को नकल निकालने में मदद कर 20 रुपए लेते हैं।जो फार्म बाजार में कहीं उपलब्ध नहीं मिलेगा। जिले में जमीन सर्वेक्षण का कार्य प्रगति पर है और जिनके पास रजिस्ट्री खरीदगी जमीन का कवाला नहीं है वैसे लोगों का हुजूम नकलखाना रूम के पास देखा गया है। वहीं उपस्थित पीड़ित व्यक्तियों ने जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा जी से गुहार लगाई है कि लोगों को हो रही परेशानी से निजात दिलाएं।

जमुई में बालू माफियाओं के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन वन पर्यावरण एवं नदी संरक्षण समिति ने सौंपा मांग पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई : जमुई जिले में वन पर्यावरण एवं नदी संरक्षण समिति ने मंगलवार, 19 नवंबर 2024 को अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर एक दिवसीय धरना दिया। इस प्रदर्शन का उद्देश्य जिले में अवैध बालू खनन, पर्यावरण के दोहन, और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता के खिलाफ आवाज उठाना था। समिति ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल बिहार सरकार को 18 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने पर्यावरण और नदियों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की। मुख्य मुद्दा, नदियों और पर्यावरण का हो रहा दोहन : धरने में वक्ताओं ने कहा कि जमुई जिले की नदियां बालू माफियाओं के अघोषित राज के कारण बर्बाद हो रही हैं। बालू संवेदकों द्वारा नियमों की अनदेखी कर बड़े पैमाने पर मशीनों से बालू का उत्खनन किया जा रहा है। इससे नदियों के जलस्रोत समाप्त हो रहे हैं, सिंचाई व्यवस्था ध्वस्त हो रही है, और कृषि भूमि बंजर होने के कगार पर है। समिति ने यह भी आरोप लगाया कि बालू घाटों पर वृक्षारोपण जैसी पर्यावरणीय जिम्मेदारियों का पालन नहीं किया जा रहा है। ओवरलोडेड ट्रकों की अनियंत्रित आवाजाही से दुर्घटनाओं और पर्यावरणीय क्षति का खतरा बढ़ गया है। मांग पत्र के प्रमुख बिंदु : समिति ने महामहिम राज्यपाल को सौंपे गए मांग पत्र में निम्नलिखित बिंदुओं पर कार्रवाई की मांग की : 1. अवैध बालू खनन पर तत्काल रोकः जमुई जिले में नियमों के खिलाफ हो रहे बालू खनन को तुरंत बंद किया जाए। 2. मशीनों के उपयोग पर प्रतिबंधः बालू खनन में मानव श्रम का उपयोग सुनिश्चित हो। 3. पब्लिक हियरिंगः बालू घाटों की बंदोबस्ती से पहले सार्वजनिक सुनवाई की जाए। 4. मुआवजाः खनन के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में मृतकों के परिजनों को 50 लाख मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाए। 5. संकरी गलियों में ट्रकों की आवाजाही पर रोकः गिद्धौर और अन्य क्षेत्रीय गलियों से भारी वाहनों का आवागमन स्थायी रूप से बंद किया जाए। 6. पर्यावरण संरक्षणः संवेदकों द्वारा अनिवार्य रूप से वृक्षारोपण कराया जाए और प्राकृतिक संसाधनों का नियमित सर्वेक्षण हो। 7. ओवरलोडेड ट्रकों पर रोकः ओवरलोडेड ट्रकों की आवाजाही पर रोक लगाई जाए और सड़कों पर बिखरे बालू को तत्काल हटाया जाए 8. सिंचाई पईन पुनर्जीवित करें: पारंपरिक सिंचाई व्यवस्था को बहाल किया जाए। धरने में जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता पर भी सवाल : वक्ताओं ने जिले के जनप्रतिनिधियों पर भी सवाल उठाए और उन्हें बालू माफियाओं की गतिविधियों का अप्रत्यक्ष समर्थक बताया। समिति ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता के कारण ही बालू माफियाओं का अघोषित राज कायम है। संदेशः ह्रपर्यावरण बचेगा, तभी जीवन बचेगाह्व धरने के अंत में समिति ने जिलेवासियों से अपील की कि वे नदियों और पर्यावरण को बचाने के लिए जागरूक हों और इस आंदोलन में शामिल हों। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक स्तर पर ले जाया जाएगा।

छह लोगों पर प्राथमिकी हुई दर्ज बिजली चोरी करते पकड़े गए

जमुई [झाझा] अवैध तरीके से बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ विद्युत विभाग के द्वारा चलाये गए अभियान के तहत थानाक्षेत्र के अलग अलग जगहों से कुल 6 लोगों को बिजली चोरी करते पकड़ा है। इस संदर्भ में कनीय विद्युत अभियंता आदित्य कुमार ने थाना में बिजली चोरी करते पकड़े गए लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है। दर्ज आवेदन में कनीय विद्युत अभियंता ने बताया कि पताव गांव से कैलाश यादव, उनिया देवी, भोपाली यादव, रंभा देवी, सुनीता कुमारी और केशोपुर मुसहरी से बुधन यादव को अपने अपने घरेलू परिसर में मीटर से पहले अवैध तरीके से बिजली का तार जोड़कर बिजली का उपयोग कर रहा था। कनीय विद्युत अभियंता ने बताया कि पकड़े गए सभी लोगों ने विभाग को कुल 31461 रुपये की राजस्व क्षति पहुंचाया है जबकि बिजली चोरी करते पकड़े गए सभी छह लोगों पर पूर्व से कुल मिलाकर 90959 रुपये बिजली बिल बकाया भी है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने झाझा प्रखंड में भ्रमण के दौरान विद्यालय का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, सहकारिता, भारत सरकार श्री कृष्ण पाल गुर्जर द्वारा +2 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, आस्ता, झाझा का भ्रमण के दौरान निरीक्षण किया गया। माननीय मंत्री द्वारा जिला कल्याण पदाधिकारी, जमुई, विद्यालय प्रबंधक एवं प्रधानाध्यापक, +2 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय से विद्यालय संचालन, नामांकन प्रक्रिया, मीनू आदि के संबंध में जानकारी ली गयी। माननीय मंत्री द्वारा संचालित विभिन्न वर्गझकक्ष के छात्र-छात्राओं से एवं शिक्षकों से संवाद किया गया एवं लेखनझपाठन के साथ-साथ विद्यालय प्रबंधन के संबंध में जानकारी ली गई। माननीय मंत्री द्वारा छात्रावास, डायनिंग हॉल, किचेन रूम आदि की व्यवस्था का मुआयना किया गया। मेनू के अनुसार ही भोजन छात्र-छात्राओं को मिले, जिला कल्याण पदाधिकारी एवम प्रधानाध्यापक को यह सुनिश्चित कराने का निदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित माननीय विधायिका, जमुई सदर सुश्री श्रेयसी सिंह द्वारा खेलकूद के संबंध में जानकारी ली गयी एवम छात्र- छात्राओं द्वारा जिला एवम राज्य स्तर पर भाग लेने की प्रशंसा की गयी। जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया की हाल में ही विद्यालय परिसर में बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण हुआ है ।माननीय मंत्री द्वारा खेलकूद में छात्र-छात्राओं की सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही विद्यालय परिसर के अंदर अवस्थित खाली भूमि के समतलीकरण हेतु संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर यथोचित प्रयास करने का निर्देश दिया गया। विद्यालय परिसर की साफ सफाई आदि की व्यवस्था को देखकर माननीय मंत्री द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई इसके साथ यह निर्देश भी दिया गया कि इसी तरह साफ सफाई आदि बरकरार रहे। माननीय मंत्री के भ्रमण के क्रम में सुश्री श्रेयसी सिंह, माननीय विधायिका, जमुई के साथ-साथ उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी झाझा एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

हमारी विनाश सामग्री हमारी ही जेब में?

जब से मोबाईल फोन प्रचलन में आया है तब से देश में ऐसे सैकड़ों हादसों की खबरें आईं जिनसे पता चला कि मोबाइल फोन में ब्लॉस्ट हो गया। कभी उनकी बैटरी ओवर हीट होकर फट गयी तो कभी चार्जिंग में लगे सेलफोन में विस्फोट गया। याद कीजिये किसी समय में विश्व की सबसे बड़ी मोबाईल निमार्ता कम्पनी मानी जाने वाली ह्यनोकियाह्न को अपने मोबाईल में होने वाले विस्फोट की घटनाओं के चलते 2007 में अपने बीएल-5सी मोबाइल फोन मॉडल की 46 मिलियन बैटरियों को वापस मंगाना पड़ा था। मोबाईल फोन फटने की इन घटनाओं में अनेक लोगों के बुरी तरह से घायल होने यहाँ तक कि दर्जनों लोगों की मौत होने तक की खबरें आई थीं। केरल में त्रिशूर जिले के तिरुविल्वमला में, राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में उत्तर प्रदेश के बरेली मेरठ व फरुर्खाबाद में, आंध्रप्रदेश के प्रकाशम जिले तथा ओडिशा आदि स्थानों में ऐसे अनेक हादसे हुये जहाँ मोबाईल में हुये विस्फोट के कारण लोगों को अपनी जानें तक गंवानी पड़ीं। इसी तरह पिछली रिकार्ड तोड़ गर्मी के दौरान बढ़ते तापमान के चलते अनेक एयर कन्डीशन के कम्प्रेसर फटने यहाँ तक कि इन विस्फोटों के परिणामस्वरूप घरों में आग लगने तक की खबरें आईं। इसके बाद 2017 में कोरियन स्मार्टफोन कंपनी सैमसंग ने अपने जिस फ़्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी नोट 7 को लॉन्च किया था उसकी लॉचिंग के केवल दो सप्ताह बाद ही इस मोबाईल में चार्जिंग के दौरान विस्फोट की शिकायत के कारण कंपनी ने इसकी बिक्री पर रोक लगा दी थी। बाद में गैलेक्सी नोट 7एस खरीद चुके नए स्मार्टफोन को कम्पनी ने बिना शर्त बदलने का निर्देश दिया। उसके साथ ही कम्पनी द्वारा दुनियाभर से गैलेक्सी नोट 7 वापस मांगे लिये गये। उस समय भारत में सैमसंग गैलेक्सी नोट 7 का मूल्य 59, 900 रुपये था। परन्तु इन सब दहशत पूर्ण घटनाओं के बावजूद जनमानस में भय व अविश्वास का ऐसा वातावरण कभी नहीं बना जैसा पिछले दिनों इस्त्राइल द्वारा छल कपट द्वारा लेबनान के विभिन्न शहरों में एक साथ अंजाम दिये गये पेजर व वॉकी टॉकी में हुये धमाकों और इनके परिणाम स्वरूप होने वाली तबाही के बाद उत्पन्न हुआ है। इन धमाकों में दर्जनों लोगों के मरने व तीन हजार से अधिक लोगों के घायल होने की खबरें हैं। पहले तो यह खबर थी कि लेबनान में धमाके से फटने वाले पेजर को ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक कंपनी गोल्ड अपोलो द्वारा बनाया गया था। जबकि गोल्ड अपोलो ने इस पेजर को बनाने से साफ इनकार कर रही है। गोल्ड अपोलो कंपनी, हंगरी की एक कंपनी को इसके निर्माण का जिम्मेदार बता रही है। गोल्ड अपोलो का दावा है कि लेबनान में एक साथ फटने वाले अफ 924 पेजर का निर्माण बुडापेस्ट स्थित इअउ कंसल्टिंग डब्ल्यू ने किया था। जोकि एक सहयोग समझौते के तहत बीएसी लेबनान और सीरिया में पेजर की बिक्री के लिए गोल्ड अपोलो ब्रांड के ट्रेडमार्क का इस्तेमाल कर सकती है। परन्तु इसके निर्माण के लिए बीएसी ही जिम्मेदार है गोल्ड अपोलो नहीं। परन्तु हंगरी के अधिकारियों ने भी गोल्ड अपोलो के बयान को खारिज करते हुए कहा कि बुडापेस्ट में मौजूद कंपनी एक व्यापारिक मध्यस्थ है। वहां पर इसका कोई भी उत्पादन यूनिट नहीं है। फिर सवाल यह है कि आखिर लेबनान में फटने वाले पेजर का निर्माण किसने किया? पूरे विश्व को हतप्रभ कर देने वाले इस पूरे घटनाक्रम को लेकर यदि न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट को सच माना जाये तो लेबनॉन में विस्फोट होने वाले पेजर व वाकी टाकी के निर्माण से लेकर इसके विस्फोट तक में इस्राईली खुफिया एजेंसी मोसाद की ही भूमिका है। अज्ञात स्रोतों के हवाले से न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस्राईल ने पेजर के अंदर बम छिपाए और इसमें एक स्विच जोड़ा, जिसका प्रयोग बाद में उन्हें दूर से विस्फोट करने के लिए किया गया। मोसाद की ही खड़ी की गयी फर्जी कंपनी से ये हैंडसेट खरीदे भी गये थे। मोसाद ने ही ऐसा जाल बिछाया कि उसने लेबनान से पैसे लेकर उन्हें पेजर और वॉकी-टॉकी सेट बेचे और उन्हीं के द्वारा हिज्बुल्लाह के कई लड़ाकों को मार भी दिया। यानी पूरी चतुराई के साथ मारने वाले बम रुपी उपकरण को बनाने का मूल्य भी वसूल किया और उनका विस्फोट कर हत्याएं अंजाम देने का अपना लक्ष्य भी पूरा किया। और इससे भी बड़ी सफलता इस्राईल को तब मिली जब हिज्बुल्लाह ने भयवश पेजर और वाकी टॉकी जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरण इस्तेमाल करना ही बंद कर दिया। गौर तलब है कि लोकेशन ट्रेस होने के भय से हिज्बुल्लाह पहले ही मोबाईल के इस्तेमाल बंद कर चुका है। ऐसे में इलेक्ट्रानिक व साइबर तकनीक पर आधारित होते जा रहे दौर में अपनाई जा रही वर्तमान आधुनिक रणनीति में हिज्बुल्लाह इस्राईली छल कपट का सामना कैसे कर सकेगा? इस घटना ने पूरे विश्व को यह भी सोचने को मजबूर कर दिया है कि क्या इलेक्ट्रानिक उपकरण पर आश्रित हो चुकी इस दुनिया का भविष्य भी अब मोसाद जैसी एजेंसियों के हाथों में जा चुका है?

आतंकी नजरें और मीरजाफरों की फौज

देश-दुनिया में आतंक का साय गहराता ही जा रहा है। हथियारों के सौदागर अपने उत्पादनों की बिक्री के लिए नित नये बाजार तैयार करने में जुटे हैं। वैध ढंग से कहीं ज्यादा अवैध ढंग से हथियारों की हो रही बिक्री ने जीवन के सामने चुनौतियां प्रस्तुत कर दी है। आतंकियों के खेमों में हथियारों की आपूर्ति करके राष्ट्रों के सामने सक्षम होने की मजबूरी पैदा की जा रही है। अहंकार के दावानल ने वर्चस्व की जंग शुरू कर दी है। मानसिक दुर्बल लोगों को भडकाने के लिए लालची मीरजाफरों की जमातें तैयार की जा रहीं हैं। कहीं मजहबी हुकूमत का सगूफा फैलाया जा रहा है तो कहीं सीमायें बढाने की जद्दोजेहद हो रही है। ताकत की दम पर सल्तनत हथियाने की तालीम देने वालों में अमेरिका, फ्रांस, चीन, ब्रिटेन, कनाडा जैसे देश हमेशा से ही अग्रणीय रहे हैं। हालिया हालातों में इजराइल के साथ हो रहे हिजबुल्लाह के युध्द में अब फ्रांस ने आमद दर्ज कर दी है। लेबिनान के साथ संबंधों की दुहाई पर उसकी सक्रियता इजराइल के साथ कथित रूप से खडे अमेरिका के लिए बाहर से दिखने वाली एक चुनौती है। ऐसी ही चुनौतियां दिखाकर अन्य देश सहानुभूति की मरहम के नाम पर खूनी चालें चल रहे हैं। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका ने जहां अफगानस्तान, यूक्रेन, पाकिस्तान, बंगलादेश जैसे राष्ट्रों को मानसिक गुलाम बना लिया वहीं चीन की कुटिल चालों में श्रीलंका, म्यांमार, ताइवान, मालदीप, नेपाल, पाकिस्तान जैसे देश पूरी तरह फंस चुके हैं। वे चाहकर भी उसे बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। ईरान से लेकर कतर तक, तुर्की से लेकर सीरिया तक आतंक की पाठशालाओं में वहां की सरकारें अपने छद्मवेशधारी सेनायें तैयार करने में जुटी हैं। अत्याधुनिक हथियार, नवीनतम तकनीक और कुशल प्रशिक्षण के साथ-साथ भारी मात्रा में धनराशि मुहैया कराई जा रहीं हैं। कहीं हिजबुल्लाह सक्रिय है तो कहीं हूती, कहीं हमास का बोलबाला है तो कहीं अलकायदा। कहीं इस्लामिक स्टेट का फतवा जारी होता है तो कहीं जमात नुसरत अल-इस्लाम वल मुस्लिमीन लहू डूबी कलम से वर्तमान लिखने लगता है, कहीं अल शबाब की गोलियां चलतीं हैं तो कहीं लश्कर-ए-तैयबा के धमाके गूंजते हैं। कहीं अल-नुसरा फ्रंट के जहर बुझे हथियार लोगों की जानें लेते हैं तो कहीं जेमाह इस्लामिया की बारूद से सांसें खामोश होतीं हैं, कहीं अबू सय्याफ के फरमान जारी होते हैं तो कहीं बोको हराम के हमले होते हैं। समूची दुनिया को आतंक के झंडे तले झुकाने की कोशिश में लगे खास मुल्क और उनके खास सरपरस्तों की घातक चालें अब लाशों के कारोबार को बुलंदी पर पहुंचाने में लग गईं हैं। दूसरी ओर देश के अन्दर के हालात भी भीतर-भीतर सुलगती जा रही बारूद बनते जा रहे हैं। म्यामांर के रास्ते आर्तकियों ने मणिपुर में कुकी बनकर पहाडों में बंकरों का निर्माण शुरू कर दिया है। गुप्त सूत्रों की मानें तो सीमापार से 900 प्रशिक्षित आतंकियों ने राकेट लांचर, ड्रोन, मिसाइल सहित अत्याधुनिक हथियारों के साथ मणिपुर में आमद दर्ज कर ली है। इन घुसपैठियों ने 30-30 के समूहों में विभक्त होकर पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया है। आर्तकियों के नेटवर्क के साथ वहां के अनेक प्रशासनिक अधिकारियों के कदमताल करने की चचार्ये भी जोरों पर हैं जो केन्द्रीय बलों को सहयोग देने के स्थान पर भ्रमित करके षडयंत्रकारियों के मंसूबे पूरे करने में लगे हैं। ऐसे ही हालात जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिलते हैं जहां पाकिस्तान के दहशतगर्द देश के मीरकासिमों के सहयोग से अपने पांव फैला बैठे हैं। इन दुश्मनों को संरक्षण देने हेतु अनेक राजनैतिक दलों के जन्मजात नेता निरंतर उत्साहित देखे जाते हैं। हाल ही में कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बी श्रीशानन्द ने बैंगलुरु के बाजार से गोरीपाल्या तक मैसूर रोड फ्लाइओवर के भू भाग को पाकिस्तान में होने जैसी स्थिति का खुलासा करके कटु सच्चाई की ओर देश का ध्यानाकर्षित किया है। एक मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने तो यहां तक कहा कि ह्यमैसूर रोड फ्लाइओवर पर जायें तो हर रिक्शावाले के पास 10 आदमी हैं। वहां कितने भी सख्त अधिकारी भेज दें, उसे पीटा ही जायेगा। यह किसी चैनल पर नहीं दिखाया जा रहा है।

ला ईलाज हो चुका स्मॉग प्रदूषण

उद्योगों से प्रदूषित धुआं निरंतर निकलता रहता है। पूरे देश की सड़कें धुल मिटटी से पटी पड़ी हैं। खेतों में फसलों के अवशेष बेरोकटोक जलाये जा रहे हैं। जगह जगह आम लोग कूड़े के ढेर में बेखौफ होकर आग लगाते हैं जिनमें रबड़, पॉलीथिन, प्लास्टिक आदि सब कुछ जलाया जाता है। इसी तरह आतिशबाजी चलाने के लिये चाहे अदालतें मना करें या सरकारें, कोई भी मानने को तैयार नहीं। बल्कि हर साल आतिशबाजी का चलन व इनकी खपत बढ़ती ही जा रही है। यदि आप दीपावली पर आतिशबाजी चलाने को लेकर ह्यज्ञानह्न देने लगे तो समझो आप को सनातन विरोधी होने का प्रमाण पत्र तो उसी क्षण मिल जायेगा।

निर्मल रानी
लेखक

उत्तर भारत का एक बड़ा क्षेत्र इन दिनों ह्यस्मॉगह्न यानी जहरीले धुयें युक्त कोहरे जिसे धूम कोहरा भी कहा जाता है, की चपेट में है। यह कोई पहला अवसर नहीं है जबकि ह्यस्मॉगह्न यानी जहरीले धुयें की खबरें मीडिया में सुर्खियां बटोर रही हों। बल्कि लगभग दो दशक से यह स्थित प्रत्येक वर्ष पैदा हो रही है। हाँ इतना जरूर है कि प्रदूषण दिन प्रतिदिन और भी न केवल बढ़ता जा रहा है बल्कि और भी जहरीला भी होता जा रहा है। इसका घोर प्रदूषण युक्त वातावरण का खामियाजा हमें तरह तरह से भुगतना पड़ रहा है। कहीं विमानों की उड़ानें प्रभावित हो रही हैं तो कहीं ट्रेंस परिचालन में बाधा आने के चलते रेल गाड़ियां लेट हो रही हैं। गत दिनों खराब मौसम के कारण ही दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 15 विमानों का मार्ग बदला गया जबकि 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई। सड़कों पर दुर्घटनाओं में इजाफा होने लगा है। स्वास्थ्य कारणों से बच्चों के स्कूल बंद कर दिए जाते हैं तो अस्पतालों में सांस और दमा के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। यहाँ तक कि एक स्वस्थ व्यक्ति भी ऐसे वातावरण में सांस लेने में दिक़्क़त महसूस करने लगता है। लोगों को खुजली हो रही है और आंखों में जलन व आँखों से पानी आने की शिकायतें आ रही हैं। मास्क लगाना या न लगाना दोनों ही स्थिति में लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी बढ़ते प्रदूषण की वजह से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान के लाहौर में स्मॉग यानी जहरीले धुएं की इतनी मोटी चादर बिछ गई जो अंतरिक्ष से भी दिखाई देने लगी। अब खबर तो यहां तक है कि स्मॉग यानी जहरीले धुएं से पैदा होने वाले इस प्रदूषण को कम करने के लिए वहां लॉकडाउन लगाने तक की योजना बन रही है। सवाल यह है कि गत लगभग 2 दशक से निरंतर प्रदूषित होते जा रहे इस जहरीले धुएं युक्त वातावरण और अनेक माध्यमों से इनसे होने वाले आर्थिक नुक़्सान व स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के लिये जिम्मेदार कौन है। सर्दियों की शुरूआत में हमेशा टी वी व अखबारों में यह सुर्खियां बनती हैं कि प्रदूषण का स्तर क्या है। विशेषज्ञों के अनुसार स्वच्छ हवा वाले वातावरण के लिये 50 तक अदकहोना चाहिये। 50 से कम अदक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) स्वास्थ्य के लिये ठीक रहता है। जबकि दिल्ली राजधानी क्षेत्र (एन सी आर) से लेकर केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ तक का एयर क्वालिटी इंडेक्स पिछले दिनों 500 के करीब पहुँच गया। सरकार से लेकर जनता तक इस अति प्रदूषित वातावरण से निजात पाने के लिये केवल प्रकृति के भरोसे बैठी हुई है कि या तो बारिश हो तो इस जहरीली हवा से निजात मिले या फिर तेज हवा इस वातावरण से निजात दिलाये। जबकि प्रदूषण से त्राहि त्राहि करती यही जनता या जनता द्वारा चुनी उसकी सरकार इस समस्या से निपटने का कोई भी कारगर उपाय ढूंढ नहीं पाती। कभी स्कूल्स में छुट्टी कर, कभी निर्माण कार्य रूकवाकर तो कभी सम-विषम नंबर के अनुसार वाहन चलने का निर्देश देकर ऐसी समस्याओं से निजात के उपाय तलाशे जाते हैं। जबकि प्रदूषण फैलाने के जिम्मेदार वाहनों की संख्या प्रतिदिन लाखों की तादाद में बढ़ती जा रही है। उद्योगों से प्रदूषित धुआं निरंतर निकलता रहता है। पूरे देश की सड़कें धुल मिटटी से पटी पड़ी हैं। खेतों में फसलों के अवशेष बेरोकटोक जलाये जा रहे हैं। जगह जगह आम लोग कूड़े के ढेर में बेखौफ होकर आग लगाते हैं जिनमें रबड़, पॉलीथिन, प्लास्टिक आदि सब कुछ जलाया जाता है। इसी तरह आतिशबाजी चलाने के लिये चाहे अदालतें मना करें या सरकारें, कोई भी मानने को तैयार नहीं। बल्कि हर साल आतिशबाजी का चलन व इनकी खपत बढ़ती ही जा रही है। यदि आप दीपावली पर आतिशबाजी चलाने को लेकर ह्यज्ञानह्न देने लगे तो समझो आप को सनातन विरोधी होने का प्रमाण पत्र तो उसी क्षण मिल जायेगा। गुरपूरव पर होने वाली आतिशबाजी पर सवाल उठाया तो दीपावली का सवाल खड़ा होगा। इसी तरह शब बरात हो या नया साल, रोज होने वाले शादी ब्याह कोई भी आयोजन आतिशबाजी से अछूता नहीं है। और जाहिर है ऐसी आतिशबाजीयों का एक ही परिणाम है, जहरीला धुआं, जान लेवा प्रदूषण, स्मॉग यानी जहरीले धुयें युक्त कोहरे की चादर और अंततः बदलता मौसम व ग्लोबल वार्मिंग। जिसतरह बारिश के दिनों में शहरों में समुचित जल निकासी का प्रबंध न होने के चलते शहरों व कस्बों में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है और इससे संबंधित खबरें लेख व परिचचार्ए वर्षा ऋतू के दौरान पढ़ने सुनने को मिलती हैं। परन्तु बारिश खत्म होते ही जनता व सरकार सभी हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते हैं और अगले साल की बारिश व इससे होने वाली तबाही की प्रतीक्षा करने लगते हैं। ठीक उसी तरह हर साल दीपावली के बाद और सर्दियों के आगाज में हर वर्ष यही प्रदूषण व जहरीले धुएं की चर्चा सुर्खियों में आ जाती है। इस विषय को लेकर हमारे समाज की जागरूकता व समझ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि न तो कोई अतिशबाजियों से परहेज के लिए तैयार है न ही यह मानने के लिये तैयार है कि पराली या खेतों में फसलों के अवशेष जलने से प्रदूषण फैलता है। धनाढ्य या नव धनाढ्य लोग मात्र एक सवारी के साथ सड़कों पर कारें दौड़ाते फिरते हैं। सड़कों पर बे रोकटोक धुंआ करना तो गोया लोगों के मौलिक अधिकारों में शामिल हो गया है। यहाँ तक कि रोजाना कई जगह खुद नगर पालिका के कर्मचारी झाड़ू देने के बाद जगह जगह इकठ्ठा किये गये कूड़े के ढेर में अपने ही हाथों से माचिस लगा देते हैं। गोया पढ़ा लिखा हो या अनपढ़, गरीब हो या अमीर, वैश्विक स्तर पर प्रदूषण बढ़ने के लिये सभी जिम्मेदार हैं। इसलिये भले ही सतही उपाय कितने ही क्यों न कर लिये जाएँ परन्तु हक ीकत तो यही है कि ह्यस्मॉग प्रदूषणह्न अब एक लाईलाज संकट बन चुका है।

दिलचस्प और स्टाइलिश रहा महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार

राज भी सभा में कोई भी बदसलूकी नहीं कर सकता खासकर महिलाओं के साथ, ऐसा ही प्रभाव बाला साहेब का हुआ करता था। राज में पूरे बाला साहेब उतर जाते है, किसी नेता की इतनी परफेक्ट कॉपी कहीं और देखने को नहीं मिली। किसी पिता पुत्र में भी इतनी समानता देखने को नहीं मिलती, यहां तक कि बाला साहेब के किसी भी पुत्र में उनकी ऐसी झलक दिखाई नहीं देती, उनके खुद के द्वारा बनाए गए राजनीतिक उत्तराधिकारी उद्धव भी बाला साहेब जैसे नहीं लगते, उद्धव की शैली अलग है, हालांकि राजनीति में मौलिक शैली ही बेहतर मानी जाती है, उद्धव की शैली भी मौलिक है लेकिन लोग उनमें बाला साहेब देखना चाहते हैं इसलिए उद्धव ने अपने स्वभाव के विपरीत थोड़ा तीखापन लाने की कोशिश की है, और काफी हद तक सफल भी हुए।

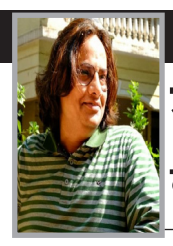

डॉ.मुकेश कबीर
लेखक

महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार समाप्त हो चुका है। इस बार चुनाव परिणाम को लेकर कोई भी निश्चित नहीं है। परिणाम क्या होगा यह तो तेईस तारीख को पता चल ही जाएगा लेकिन अभी चर्चा में है महाराष्ट्र का चुनाव प्रचार। महाराष्ट्र जैसा दिलचस्प चुनाव प्रचार पूरे देश में कहीं नहीं होता है, इसे निश्चित रूप से स्टाइलिश कैंपेन कहा जा सकता है।

महाराष्ट्र के चुनाव प्रचार की खासियत यह होती है कि यहां की जनता बहुत अनुशासित होती है और नेता बहुत सम्माननीय होते हैं, यहां नेताओं के प्रति गहरी निष्ठा होती है इसीलिए जब वो मंच पर आते हैं तो इतनी गर्मजोशी से उनका स्वागत और अभिनन्दन होता है जैसे देवराज इंद्र पधारे हों और नेताओं से जनता का एक दिली लगाव तो होता ही है साथ ही उनके रिश्ते बिल्कुल घर जैसे होते हैं इसीलिए संबोधन भी घरेलू होते हैं दादा, ताई, काका, और साहेब। नेता भी आपस में एक दूसरे का जिक्र इसी तरह के संबोधन से करते हैं फिर चाहे वो विरोधी पार्टी के नेता ही क्यों न हों। यहां सभी पार्टियां अजीत पवार का जिक्र करती हैं तो उनके नेता उनको अजीत दादा ही बोलते हैं, फिर चाहे अजीत दादा पर कोई आरोप ही क्यों न लगाना हो। इसी तरह की छोटी छोटी बातों से यहां के चुनाव प्रचार में एक घरेलू वातावरण बन जाता है जो देश में और कहीं देखने को नहीं मिलता। यहां का चुनावी वातावरण ऐसा होता है कि महिलाएं भी चुनावी सभा में स्वयं को सहज महसूस करती हैं। यही कारण है कि चुनावी सभाओं में जितनी संख्या में महिलाएं महाराष्ट्र में इकट्ठी होती हैं उतनी और किसी राज्य में नहीं, पूर्वोत्तर के राज्यों भी महिलाएं बहुत आती हैं लेकिन उसके कुछ अलग कारण हैं।

बात महाराष्ट्र की करें तो यहां की चुनावी सभाएं बहुत अनुशासित होती हैं और पंडाल का माहौल लगभग वैसा ही होता है जैसा उत्तर भारत में किसी सांस्कृतिक आयोजन का होता है। चुनावी भीड़ में महिलाओं के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं होती और न ही किसी प्रकार के हुड़दंग की स्थिति निर्मित होती है। यहां सभी मराठी मानुष होते हैं जो मराठी अस्मिता का पूरा ध्यान रखते हैं। अब यदि नेताओं की बात करें तो हर नेता का अपना स्टाइल होता है, अजीत पवार और राज ठाकरे का सेंस ऑफ ह्यूमर जबरजस्त होता है इनकी सभा एक कॉमेडी शो जैसी हो जाती है इसलिए इनकी सभाओं में भीड़ ज्यादा होती है और भीड़ सिर्फ इनके चुटकुले सुनने ही आती है। अजीत पवार विरोधाभासी नेता हैं उनकी निष्ठा किधर है यह क्लियर नहीं है लेकिन लोगों की नजर में वो पंवार साहेब के भतीजे हैं यही उनकी टीआरपी है और इसको कैसे भुनाया जाये यह अजीत दादा अच्छे से जानते हैं अजित दादा का दबदबा भी अच्छा है इसीलिए कोई लिबर्टी नहीं ले पाता, यहां तक कि सारे नेता उनको दादा ही कहते हैं फिर चाहे फडणवीस हों, नवाब मलिक हों या कोई और सभी अजीत दादा की पोजिशन का ध्यान रखकर बोलते हैं। अजीत दादा के भाषण भी रोचक होते हैं और कभी कभी बिलो द बेल्ट भी होते हैं लेकिन मराठी मानुष को सब चलता है इसीलिए पिछले चुनाव में उनका दिया गया डायलॉग बहुत चर्चित हुआ था जिसे सोशल मीडिया पर भी खूब उछाला गया और उसके कार्टून भी बनाए गए थे, अजीत दादा ने कहा था ह्यहां के डैम में पानी नहीं है तो मैं पेशाब से भर दूं क्या? अजीत दादा के इस डायलॉग से जहां उनके समर्थक बहुत रोमांचित हुए थे वहीं विरोधियों ने तीखी आलोचना की थी, और राज ठाकरे की पार्टी ने कार्टून बनाकर एक डैम का नाम ही ह्यअजीत दादा मूत्रालयह्न दर्शा दिया था। अजीत दादा, भाषण के मामले में शरद पवार से अलग हैं। शरद पवार ज्यादातर काम की बातें ही करते हैं और जनता से घर के वरिष्ठ सदस्य की तरह बात व्यवहार करते हैं, यही उनकी ताकत भी है इसीलिए वे लोगों के पवार साहेब हैं, जिनका आधे महाराष्ट्र पर कब्जा है। उनकी राजनीति भाषण पर आधारित नहीं है बल्कि व्यक्तिगत संबंधों के दम पर वो पंवार साहेब बने हैं। महाराष्ट्र में साहेब बनना आसान नहीं है, वहां सिर्फ दो ही साहेब हुए हैं पंवार साहेब और बाला साहेब, और इन दोनो का ही पूरे महाराष्ट्र पर कब्जा रहा है, ये दो सम्राट की तरह छाए रहे लेकिन दोनों की शैली भिन्न है। बाला साहेब की बात सबसे अलग है क्योंकि उनमें बहुत से गुण थे, उनका व्यक्तिगत संपर्क तो मजबूत था ही उसके साथ उनके भाषण भी बहुत दमदार और रोमांचक होते थे, बाला साहेब की भाषा शैली इतनी अलग थी कि उनकी भाषा को लोगों ने अलग ही नाम दे दिया ह्यठाकरी भाषाह्न इस भाषा में असहनीय तीखेपन के साथ चुटकुले की मिठास भी होती थी और गालियों का नमक और साथ ही इतिहास, साहित्य और संस्कृति का ज्ञान भी इसलिए उनके जैसा नेता पूरे देश में कोई और नहीं था। उनकी इसी ठाकरी भाषा के सही उत्तराधिकारी बनकर उभरे हैं राज ठाकरे, जिनके भाषण में वे सभी तत्व हैं जो बाला साहेब में थे। उनका ह्यूमर भी कमाल का है इसीलिए राज के भाषण में तीखे प्रहार के साथ मजेदार जोक्स भी होते हैं और उनकी सभा एक अच्छा खासा कॉमेडी सर्कस होती है। राज भी बाला साहेब की तरह मिमिक्री करते हैं। वे सभी नेताओं की मिमिक्री इतनी परफेक्ट करते हैं कि एक बार शरद पंवार ने कहा था कि ह्यराज यदि नेता नहीं होता तो फिल्मी हीरो जरूर होताह्न। राज पूरी तरह बाला साहेब का प्रतिबिंब लगते हैं, बहुत डायनेमिक हैं और बुलंद आवाज है साथ ही तेवर भी वही हैं, राज की सभा में आधी भीड़ तो इसलिए भी होती है कि लोगों को उनमें बाला साहेब स्पष्ट नजर आते हैं। राज की सभा में महिलाएं बहुत बड़ी संख्या में आती हैं, देश में किसी भी नेता की सभा में इतनी महिलाएं नहीं आतीं इसका कारण है कि वे यहां सुरक्षित महसूस करती हैं।

डिजिटल डिवाइस, मैसेजिंग ट्रिगर और युध्द की विभीषिका

ऋतुपर्ण दवे

संचार क्रांति के दौर में चौतरफा और रोजाना नित नई तकनीकों से दुनिया रू-ब-रू हो रही है। मोबाइल, जीपीएस, इण्टरनेट, बिना ड्राइवर की गाड़ियों से लेकर अब कृत्रिम मेधा यानी एआई (आटीर्फीसियल इण्टेलीजेन्स)के युग में 1950 के जमाने में न्यूयॉर्क सेनिकले पेजर, 74 वर्षों के बाद पहली बार और एक साथ सीरियल ब्लास्ट में तब्दील हो जाएंगे, भला किसने सोचा था?रेडियो फ्रिक्वेंसी पर चलने वाले पेजर का क्रेज अब न के बराबर है। लेकिन किसी पकड़ या सुराग के लिहाज से बेहद सुरक्षित पेजर का उपयोग आतंकी गतिविधियों में जरूर थोक में होने लगा। इसमें न जीपीएसहोता है और न ही कोईआईपीएड्रेस, इसलिएलोकेशन ट्रेसका सवाल ही नहीं। इसका नंबर भी बदला जा सकता है। इसीलिए इसका पता लगाना आसान नहीं होता। बसइसी चलते एक बड़ी साजिश को अंजाम देकर बड़े षड़यंत्र के तहत 9/11 जैसी बल्कि उससे भी बहुत बड़े दायरे में लेबनान में हर वो शख्स विस्फोट का शिकार हुआ जो साजिश के पेजर रखे था। लेकिन चिन्ता की बात यह कि मामला पेजर तक नहीं रुका बल्कि रेडियोवॉकी टॉकी जैसेदूसरी कम्युनिकेशन डिवाइस यहां तक कि घरों में लगे सोलर सिस्टम भी फटने की बातेंसामने आईं। धमाकों का शक इजराइल पर जताया जा रहा है। इन विस्फोटों को लेकर पूरी दुनिया हैरान है। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी तनाव और बढ़ गया है। पूरे मिडिल ईस्ट में युद्ध के खतरेकी स्थिति बन चुकी है। वायरलेस उपकरणों में सीरियलविस्फोटों के बाद कई घरों, दुकानों, बाइक और दूसरे वाहनों में भी आग लग गई। एक तरह से पूरा क्षेत्र विस्फोटों की जद में आ गया। वहां अबलोग इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग को लेकर डरेहुए हैं। हर कोई हैरान है कि पेजर जैसा साधारण उपकरण बम में कैसे बदल गया? इसको लेकर पुख्ता तौर पर तो अभी किसी तरह की सच्चाई सामने नहीं है। लेकिन विस्फोट को लेकर तरह-तरह के कयास जरूर हैं। संभावनाओं में पेजर में लगी लीथियम बैटरी शक में है जो अत्याधिक गर्म होने पर फट सकती है। लेकिन इस थ्योरी पर भी ज्यादा भरोसा नहीं है। वहीं दूसरी दमदार संभावना साजिश के पेजरों को बनाते के वक्त ही इनमें विस्फोटक छुपानेकी है जिससे सप्लायर अन्जान हो?यकीनन साजिश बहुत बड़ी रही जिसको लेकर किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। बैटरियों में खराबी या गुणवत्ता की कमीके चलते मोबाइल में विस्फोट तो हो जाते हैं। लेकिन एक तयशुदा वक्त पर रेडियो फ्रिक्वेंसी आधारित छोटे से उपकरण में सीरियल ब्लास्ट का ट्रिगर दबना-दबाना, हैरान कर रहा है। क्या किसी कोडिंग से ऐसा हो पाया? या वजह कुछ और है? ऐसी तमाम बातों की पर्तों को खुलने में वक्त लगेगा। आखिर ऐसी कौन सी रासायनिक श्रृंखला प्रतिक्रिया को अंजाम दिया गया जो अलग-अलग और काफी दूर-दूर तक ट्रिगर में बदल गईं? हैकर ने ट्रिगरिंग सिग्नल भेजने के लिए कौन सा तरीका अपनाया?फिलाहाल केवल कयास हैं। रेडियो नेटवर्क से संचालित पेजर पर ऐसा कौन सा सिग्नल भेजा गया जो बैटरियां गर्म हुईं और इतनी कि कथित तौर पर साथ रखे घातक विस्फोटक फटे जिन्हें लॉट विशेष में छिपानेकी संभावना कही जा रही है। एक सच जरूर है कि कुछ महीने पहले थोक में खरीदे पेजर ही फटे ऐसे में उनमें खतरनाक ज्वलनशील विस्फोटक को छुपाने की थ्योरीजरूर बनती है। सच के लिए इंतजार करना होगा। लेकिन एक सवाल हर किसी के दिमाग में कौंधनेलगा है कि मोबाइल या दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स कितने सुरक्षित? कभी लिंक क्लिक करने से खाते खाली होना तो कभी हैक हो जाना, कभी क्लोनिंग के जरिए पूरा डेटा चुरा लेने जैसी घटनाओं को लेकर दुनिया भर में सायबर सिक्योरिटी पर न केवल जोर है बल्कि पूरी गंभीरता है। इसी बीच इतना बड़ा डिजिटल अटैक बहुत बड़ीचुनौती है। इस घटना को चाहे जो नाम दें, दो देशों की दुश्मनी या दुनिया में अशांति का जिम्मेदार बताएं लेकिन इसने संचार क्रान्ति के दौर में बड़े दुरुपयोग का बहुत ही बड़ा मैसेज जरूर दे दिया। युध्द की नई तकनीक रूपी पेजर अटैक ने दुनिया भर के कम्युनिकेशन सिस्टम कोबहुत बड़ी चुनौती दे डाली। छोटा सा पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जिसे बीपर भी कहते हैं, इतना खतरनाक..! बेहद हैरानी वाली बात है।

संक्षिप्त खबरें

ससुर से दस लाख हड़पने के बाद पत्नी को दिया तीन तलाक

अमरोहा।ससुराल में घर जमाई बनकर रहने वाले युवक ने ससुर की जमीन बिकवाकर दस लाख ले लिए। बाद में पत्नी को तीन तलाक देकर रिश्ता खत्म कर लिया। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के कस्बा जोया निवासी एक कारोबारी ने अपनी बेटी की शादी तीन फरवरी 2017 को क्षेत्र के ही एक गांव निवासी युवक के साथ की थी। एफआईआर के मुताबिक विवाहिता के परिजनों ने शादी में करीब 50 लाख खर्च किए थे। विवाहिता ने दो बच्चों को जन्म दिया। आरोप है शादी के बाद से ही पति घर जमाई बनकर रहता था और विवाहिता व ससुराल वालों से दहेज की मांग करता रहता था। दबाव बनाकर उसने ससुर की जमीन बिकवाकर दस लाख रुपये भी ले लिए। इसके बाद आरोपी पति की मांग बढ़ती चली गई। ससुराल वालों को डराने के लिए उसने घर में अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को बुलाना शुरू कर दिया। विरोध करने पर वह पत्नी के साथ मारपीट करता था। विवाहिता के भाइयों को दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भिजवाने की धमकी भी दी। आरोप है कि 18 नवंबर की दोपहर उसने पत्नी को तीन तलाक देकर रिश्ता खत्म कर लिया। सीओ सिटी अरुण कुमार सिंह ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही।

छात्र-छात्राओं को दिलाई यातायात नियमों के पालन की शपथ

अमरोहा।सड़क सुरक्षा माह के 20वें दिन बुधवार को अमरोहा में कांठ रोड पर संचालित एसएस चिल्ड्रन एकेडमी एवं गोविंद सिंह मैमोरियल इंटर कालेज नाजरपुर खुर्द में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम हुआ। अमरोहा देहात थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी, जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य एवं सेफ ड्राईव रोड सेफ्टी फाउंडेशन संस्थापक अनिल कुमार जग्गा, यातायात उपनिरीक्षक दिनेश कुमार, यातायात आरक्षी प्रदीप चौधरी ने छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी। सड़क चिन्ह भाषा का वाहन चालन में महत्व बताया। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने को भी प्रेरित किया। समापन पर छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई।

रसोइया को दस हजार रुपये मानदेय देने की मांग उठाई

धनौरा। मांगों को लेकर राष्ट्रीय मध्यान्ह भोजन रसोइया एकता संघ पदाधिकारियों ने बुधवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम सुनीता कुमारी को सौंपा। वक्ताओं ने कहा कि एमडीएम योजना के तहत प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में काम कर रहे रसोइयों की वर्तमान स्थिति बंधुआ मजदूरों से भी बदतर है। काम के दौरान न सुरक्षा है और न ही जीवन-यापन लायक पैसा दिया जा रहा है। मांग करते हुए कहा कि रसोइयों की हर वर्ष चयनित होने की प्रक्रिया को समाप्त कर उन्हें स्थायी किया जाए। रसोइयों के बच्चों की संबंधित विद्यालयों में पढ़ने की अनिवार्यता भी समाप्त की जाए। एमडीएम योजना को ठेकेदारी से रोका जाए। रसोइया को राजनीतिक विद्वेष के चलते न हटाया जाए। बढ़ती महंगाई को देखते हुए कम से कम 10000 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाए। मानदेय का भुगतान माह के प्रथम सप्ताह में निजी बैंक खाते में किया जाए। प्रति रसोइया पांच लाख रुपये का बीमा किया जाए। 250 रुपये अतिरिक्त लाभांश के दिए जाएं। इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कटारिया, पिंकी देवी, मंजू शर्मा, कुसुम देवी आदि रहे।

अधिवक्ताओं ने जताया गाजियाबाद घटना का विरोध

अमरोहा। गाजियाबाद की घटना को लेकर जनपद अमरोहा बार एसोसिएशन की बैठक में मांगे पूरी नहीं होने तक हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया गया। बार अध्यक्ष सफदर हुसैन ने अधिवक्ताओं पर किए गए लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की। कहा कि गाजियाबाद बार एसोसिएशन के अग्रिम निर्देश तक अदालतों का रूख नहीं किया जाएगा। किसी भी तरह के न्यायिक कार्य नहीं होंगे। इस दौरान मसरूर अली, इंद्रपाल गोले, अफसर शाह खां, जमील अहमद, राकेश त्यागी, मुनाजिर पाशा, इकबाल अहमद खां, मोहम्मद मुंतजिर, फिरोज अख्तर, अंजार आलम, चौधरी शमीम अहमद, राशिद सैफी, राशिद मंसूरी, शान खान, जुनैद खान, सरदार अहमद खान, सुलेमान अहमद, असजद रिजवी, फैसल खान, यूसुफ कुरैशी, मकसूद उन्नबी, इजहार जाफरी, नफीस अहमद, अजीम अहमद, मतलूब सुबहानी, इमरान अहमद, अजमल रिजवी, शाहनावज नबी, जाहिद हुसैन, अंजार अली आदि रहे। संचालन अली इमाम रिजवी ने किया।

सपा ने मतदाताओं को रोकने का आरोप लगाया, भाजपा ने बुर्का पहनी महिलाओं की पहचान की मांग की

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश में उपुचनाव के लिए जारी मतदान प्रक्रिया के बीच बुधवार को समाजवादी पार्टी (सपा) ने आरोप लगाया कि कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में पुलिसकर्मी मतदाताओं को मतदान करने से रोक रहे हैं, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दावा किया कि बुर्का पहनी महिलाओं के चेहरे उनके पहचान पत्र से मेल नहीं खा रहे हैं। सपा और भाजपा दोनों ने निर्वाचन आयोग से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उच्चतम न्यायालय और निर्वाचन आयोग से वीडियो साक्ष्य के आधार पर तत्काल संज्ञान लेने तथा दंडात्मक कार्रवाई करने और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने की अपील की। यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, माननीय उच्चतम न्यायालय और निर्वाचन आयोग से आग्रह है कि अभी-अभी प्राप्त वीडियो साक्ष्यों के आधार पर तत्काल संज्ञान लेते हुए दंडात्मक कार्रवाई करें और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया भी सुनिश्चित करें। जो भी पुलिस अधिकारी पहचान पत्र और आधार आईडी जांच रहे हैं, वीडियो के आधार पर उनकी पहचान कर उन्हें तुरंत निलंबित किया जाए। पुलिस को आधार आईडी कार्ड या पहचान पत्र जांचने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने मुजफ्फरनगर जिले की मीरापुर विधानसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार सुम्बुल राणा का एक वीडियो साझा किया, जिसमें पुलिसकर्मियों पर मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करने से रोकने का आरोप लगाया गया है। राणा ने संवाददाताओं से कहा, हम गांव-गांव जा रहे हैं, लोगों को परेशान किया जा रहा है और उन्हें वोट नहीं डालने दिया जा रहा है। पुलिस अधिकारी लोगों को परेशान कर रहे हैं, उनसे कह रहे हैं कि वे वोट नहीं दे सकते। वे पहले एक पहचान पत्र मांग रहे है, फिर दूसरा पहचान पत्र मांग रहे हैं। वे सभी पहचान पत्रों की जांच कर रहे हैं, लेकिन फिर भी लोगों को वोट नहीं डालने दिया जा रहा है। राणा ने दावा किया कि इस तरह की शिकायतें नयागांव, नगला बुजुक, संबलहेड़ा और निर्वाचन क्षेत्र के अन्य क्षेत्रों से आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया, हम शिकायतें दर्ज करा रहे हैं, लेकिन अधिकारियों की ओर से कोई जांच नहीं की जा रही है। विपक्ष के दावों का जवाब देते हुए भाजपा प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा कि समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में हो रहे उपचुनावों में हार से डरे हुए हैं। शुक्ला ने कहा, समाजवादी पार्टी ने मतदाताओं पर से भरोसा खो दिया है। इसलिए उन्होंने उपचुनाव वाले क्षेत्रों में बाहरी उपद्रवी तत्वों को इकट्ठा किया है। कई मीडिया खबरों के अनुसार, बुर्का पहने महिलाओं के चेहरे उनके पहचान पत्र से मेल नहीं खा रहे हैं। उन्होंने कहा, भाजपा निर्वाचन आयोग और प्रशासन से अपील करती है कि वे सुनिश्चित करें कि मिलान किए बिना मतदान की अनुमति न दी जाए। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि लोगों को पहचान पत्र दिखाने चाहिए और निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। सपा के मीडिया प्रकोष्ठ ने मुरादाबाद की कुंदरकी सीट समेत कुछ स्थानों पर कथित तौर पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की बात भी उजागर की और कहा कि पार्टी के एजेंटों को मतदान केंद्रों के पास अपना बस्ता लगाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

चीनी मिल चन्दनपुर ने किया 05 नवम्बर तक का गन्ना भुगतान: आमोद कुमार शर्मा

प्रात : किरण, संवाददाता

हसनपुर। त्रिवेणी शुगर मिल चन्दनपुर ने पेराई सत्र 2024-25 का शुभारम्भ 04 नवम्बर को विधिवत पूजा अर्चना के साथ प्रारम्भ किया था। चीनी मिल चन्दनपुर द्वारा पेराई सत्र 2024-25 में क्रयकेन्द्रों पर दिनांक 03 नवम्बर से ही गन्ना खरीद का कार्य प्रारम्भ कर दिया था और 03 नवम्बर से 05 नवम्बर तक खरीदे गये समस्त 101730.22 कुं० गन्ना का भुगतान 371.66 लाख रुपये का भुगतान समिति के माध्यम से कृषकों के बैंक खातों में भेज दिया गया है। इस प्रकार नये वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 के भुगतान की शुरूआत की दी गई है और आगे भी समय से भुगतान किया जाता रहेगा। चीनी मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा ने वार्ता के क्रम में अवगत कराया कि गत पेराई सत्र में हमारे द्वारा 91.07 लाख कुं० गन्ना खरीद किया था जिसका समस्त गन्ना मूल्य भुगतान कर दिया गया था तथा इस वर्ष 104 लाख कुं० गन्ना पेराई का लक्ष्य रखा गया है जो आप सभी कृषक भाईयों के सहयोग प्राप्त कर लिया जायेगा। गन्ना मूल्य भुगतान में चीनी परता की प्रमुख भूमिका रहती है और वर्तमान में 8.85 प्रतिशत का चीनी परता प्राप्त हो रहा है। इसलिये आप सभी कृषक भाईयों से अपील है कि चीनी मिल को साफ, ताजा जड़ पत्ती अगोला रहित गन्ना आपूर्ति करने में अपना सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें जिससे आपकी चीनी मिल गतवर्षो की भांति इस वर्ष में भी समय से गन्ना भुगतान करती रहे। इसके अतिरिक्त आप सभी किसान भाईयों से अनुरोध है कि अपना गन्ना औने-पौने दामों में इधर उधर न डालें। आपका समस्त पेराई योग्य गन्ना लेने हेतु चीनी मिल दृढ़ संकल्प है।उपरोक्त के अतिरिक्त श्री आमोद कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष (शुगर) ने यह भी बताया कि गन्ना प्रजाति को० 0238 में रेडरॉट (लाल सड़न) जैसी भयंकर बीमारी आ गई है जिसकी वजह से कृषक भाईयों को उपज के रूप में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है और चीनी को अभी वांछित चीनी परता भी प्राप्त नहीं हो रहा है इसलिये सभी किसान भाईयों से अनुरोध है कि को० 238 की आपूर्ति के समय रेडरॉट व अन्य बीमारी से ग्रसित गन्ने की छटाई कर अपने खेत में ही अलग कर दें तथा रोग मुक्त गन्ने की आपूर्ति चीनी मिल में करके सहयोग करें ताकि समय से चीनी मिल प्रबन्धन गन्ना भुगतान कर सके। गन्ने की छिलाई दरांती से कर चीनी मिल को साफ ताजा जड़ पत्ती व रोग रहित गन्ना ही आपूर्ति करें तथा चीनी मिल प्रबन्धन द्वारा बताई गई को० 238 के स्थान पर को. 118, को. 98014, को. 15023, को.जा. 85 एवं को.जा. 88 की बुवाई करें और गन्ने की हरी पत्तियां न उतारें।

ट्रेन में छुटा ऑस्ट्रेलियाई कपल का मोबाइल, रेलवे पुलिस ने दिल्ली से खोजकर किया सिपुर्द

प्रात : किरण, संवाददाता

फिरोजाबाद,। बनारस से नई दिल्ली जाने वाली ट्रेन में यात्रा कर रहे ऑस्ट्रेलियाई विदेशी दंपती का मोबाइल ट्रेन के अंदर ही छूट गया। शिकायत मिलने पर जीआरपी ने खोजकर मोबाइल उनको सुपुर्द कर दिया। खोया मोबाइल पाकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पुलिस के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया निवासी डंकन राइस और उनकी पत्नी, जो ट्रेन नंबर 12581 बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कोच एम1 में सफर कर रहे थे। टूंडला स्टेशन पर उतरने के दौरान अपना आई फोन 16प्रो ट्रेन में भूल गए. जब उन्हें मोबाइल के गायब होने का एहसास हुआ, तो उन्होंने तुरंत टूंडला जीआरपी थाना प्रभारी अमित कुमार से संपर्क किया।थाना प्रभारी ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत ट्रेन की टीटी और स्कॉट टीम से संपर्क किया। उनकी त्वरित कार्रवाई से मोबाइल दिल्ली में सुरक्षित बरामद कर लिया गया। इसके बाद थाना प्रभारी अमित कुमार ने खुद आगरा जाकर दंपति को उनका मोबाइल लौटाया। अपना मोबाइल पाकर दंपत्ति काफी खुश हुआ।

जिलाधिकारी ने किया बेसिक शिक्षा विभाग के टास्क फोर्स समिति की समीक्षा

- निपुण भारत अभियान में संतोषजनक प्रगति न मिलने पर खंड शिक्षा अधिकारियों का रोका वेतन

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग की टास्क फोर्स कमेटी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पंजीकरण के सापेक्ष विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति पठन-पाठन की स्थिति मिड डे मील निपुण भारत अभियान सहित अन्य बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा किया । समीक्षा में पंजीकरण के सापेक्ष 50% से कम बच्चों की उपस्थित व निपुण अभियान की आयोजित परीक्षा में बच्चों की उपस्थिति के सापेक्ष निपुण की प्रगति संतोषजनक न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त कर गंगेश्वरी खण्ड शिक्षा अधिकारी के अलावा सभी खंड शिक्षा अधिकारी के वेतन रोकने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए । कहा कि कोई भी कार्य नहीं किया जा रहा है सुधार करें अन्यथा कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।कहा कि पंजीकरण के आधार पर विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए जो बच्चे पंजीकृत हैं वह विद्यालय अवश्य आएं इसमें किसी प्रकार की लापरवाही ना हो। साथ ही सर्व शिक्षा अभियान के तहत अधिक से अधिक बच्चों को पंजीकरण कराया जाए। जिलधिकारी ने निपुण भारत अभियान के संबंध में प्रत्येक खंड शिक्षा अधिकारी से जानकारी लेने पर की निपुण अभियान में कितने बच्चे उपस्थित हुए कितने निपुण किए गए जिसपर कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला जिस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालय में पठन-पाठन की स्थिति ठीक नहीं है सुधारा जाए कहा कि निपुण भारत अभियान की परीक्षा कराने के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाए रिपोर्ट में कोई भी गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए वास्तविक रिपोर्ट ही दिया जाए फोकस किया जाए कि अधिक से अधिक बच्चे निपुण हो। जो विद्यालय निपुण में कमजोर हैं उनकी अभियान चलाकर चेकिंग करें और प्रगति सुधारे उन विद्यालयों पर ज्यादा फोकस किया जाए जहां पर निपुण भारत अभियान की प्रगति ठीक नहीं है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

फरीदाबाद : ग्रैप-4 के उल्लंघन पर 68 गाडि के काटे चालान

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद,। फरीदाबाद में केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा एनसीआर में ग्रैप-4 लागू करने बाद ट्रैफिक पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी है। जिसके तहत बुधवार को एक दिन में 68 चालान किए हैं। साथ ही लाइन चेंज का विशेष अभियान, 490 वाहनों के भी लाइन चेंज के चालान किए गए है। बढ़ते प्रदूषण चलते केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप-4) लागू हो चुका है। जिस संबंध में पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश नरवाल के द्वारा ट्रैफिक पुलिस को ग्रैप-4 का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हुए है। पुलिस ने बताया कि ग्रैप-4 के नियमों की अवहेलना करने वाले वाहनों के विरुद्ध फरीदाबाद यातायात पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में यातायात पुलिस फरीदाबाद द्वारा 19 नवम्बर को कार्रवाई करते हुए 68 ऐसे वाहनों के चालान किए गए है, जिनके द्वाराग्रै प-4 के नियमों की पालना नही की गई है।

सीएम डैशबोर्ड व विकास कार्यों में विभागीय प्रगति की समीक्षा ,खराब रैंकिंग पर सुधार को चेताया

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा।जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा व जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी विभागों से एक-एक करके पिछले माह में रैंकिंग और वर्तमान प्रगति की जानकारी ली । जलजीवन मिशन फेमिली आईडी प्राथमिक शिक्षा में मध्यान्ह भोजन नई सड़को के निर्माण राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना बृद्धा पेंशन योजना प्रधानमंत्री डायलिसिस योजना सहित अन्य विभागों में रैंकिंग खराब मिली जिस पर जिलधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारी को प्राथमिकता से सुधार करने के निर्देश दिये। जिलधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा की जिस कारण रैंक खराब हुई उनका प्राथमिकता से निस्तारण कराया जाए। जिला अधिकारी ने कहा कि किसी भी स्थिति में जनपद की रैंकिंग खराब न हो यह सुनिश्चित किया जाए । इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विकास कार्यो की भी समीक्षा किया। जिलाधिकारी ने विकास खण्डवार पीडीएस की दुकानों के लिए स्थल चयन संचालन और लंबित का कार्य प्रारंभ होने की जानकारी ली।कहा कि जो दुकानों का निर्माण पूर्ण हो गया है उन्हें संचालित कराया जाए सभी बीडीओ यह सुनिश्चित करें। कहा जो अभी कार्यप्रगति पर हैं उनको जल्द पूर्ण कराकर संचालित कराया जाए। जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को प्रत्येक ब्लॉक से एक मॉडल पंचायत का चिन्हित कर सभी विकास कार्यो से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कहा कि आरआरसी सेंटर के निर्माण कार्य मे तेजी लाई जाए। ग्राम पंचायतों में जो वेस्ट निकल रहा है उसके निस्तारण के लिए उचित प्रबंध किया जाय। गौसंक्षण के सम्बंध निर्देश देते हुए कहा कि सभी खण्ड विकास अधिकारी इस आशय का प्रमाणपत्र देंगे कि ठंढ़ के दृष्टिगत सभी गौशालाओं में व्यवस्था करा दी गयी है। सभी गौशालाओं में पशुओं के लिए हरे चारे की पर्याप्त बुवाई होनी चाहिए जो भी ग्राम समाज की जमीन है चारा बोने योग्य है हरा चारा की बुवाई कराया जाए। हर ब्लॉक को 02 हेक्टेयर चारा अवश्य बुआना होगा यह सुनिश्चित करें कौन से ग्राम में कितना बोया गया इसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराया जाय। प्राथमिक विद्यालयों में जो कायकल्प के मानक हैं उनका सत्यापन कर संतृप्त कराया जाए । टॉयलेट पानी विद्युत टॉय लीकरण बाउंडरी वाल सहित सभी मानक अभियान चलाकर पूर्ण कराया जाए।जो आंगन बॉडी का निर्माण कार्य लंबित है 05 दिसम्बर तक पूर्ण कराकर शुरू किया जाए। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में लाभार्थियों का सत्यापन ठीक से कर लिया जाए कोई भी अपात्र को योजना का लाभ न मिले यह विशेष ध्यान रखें। मुख्यमंत्री आयोजन स्थल पर मुख्यमंत्री कन्या सुमङ्गला योजना मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना पेंशन शौचलय फेमिली आईडी के काउंटर लगाने के निर्देश दिए। कहा कि मौके पर रजिस्ट्रेशन कराकर लाभ दिया जाए। सभी गौशालाओं में छुट्टा पशुओं को पकड़ने के लिए कैटल कैचर की व्यवस्था होनी चाहिए।जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि सैम मैम बच्चों का चिन्हाकन कर उन्हें पोषण युक्त आहार उपलब्ध कराया जाए। जंहा ज्यादा बच्चे हैं उन परिवारों को किसी न किसी योजना से जोड़कर लाभ दिया जाए। शिक्षा से भी जोड़ा जाए कुपोषित बच्चों वाले घरों के व्यक्तियों के इनकम के स्रोत भी बढ़ाने के लिए कार्य किया जाय उन परिवारों को किसी न किसी योजना का लाभ अवश्य मिल जाए। बेसिक शिक्षा के सम्बंध में निर्देशित करते हुए कहा कि सभी बेसिक स्कूलों में शौचालय पानी सहित सभी मूलभूत सुविधाएं हों निरीक्षण में कमी मिली तो खैर नहीं होगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री अश्विनी कुमार मिश्र, परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप जिला विकास अधिकारी जिला वन अधिकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश व पंजाब में सक्रिय कुख्यात बदमाश नीरज पुलिस मुठभेड़ में घायल साथी समेत गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

गाजियाबाद, । थाना शालीमार गार्डन पुलिस टीम की मंगलवार देर रात मुठभेड़ हो गई। इस दौरान उत्तर प्रदेश व पंजाब में सक्रिय कुख्यात बदमाश नीरज घायल हो गया। पुलिस ने उसे व उसके साथी सलमान को गिरफ्तार कर लिया। नीरज को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नीरज के खिलाफ जनपद मेरठ मुजफ्फरनगर बागपत व पंजाब प्रांत में हत्या, हत्या का प्रयास ,लूट व गैंगस्टर अधिनियम के लगभग एक दर्जन अभियोग पंजीकृत है।कब्जे से 01 तमंचा,01 जिन्दा कारतूस, 01 खोखा कारतूस व चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। एसीपी सलोनी अग्रवाल ने बुधवार की सुबह बताया कि थाना शालीमार गार्डन पुलिस आपराधिक घटनाओं के दृष्टिगत प्रेम गली के पास के सामने डीएवी कट वजीराबाद रोड की तरफ से आने वाले रास्ते पर चेकिंग कर रही थी। तभी बिना नम्बर प्लेट लगी मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति डीएवी कट वजीराबाद रोड की तरफ से आते दिखाई दिये जिनको चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया गया तो नहीं रुके और अपनी मोटरसाइकिल को तेजी से भगाने लगे। शक होने पर पुलिस द्वारा पीछा किया गया तो पुलिस को अपने पीछे आते देख भाग रहे बदमाशों के द्वारा मोटरसाइकिल को तेजी से भगाने के कारण मोटरसाइकिल सर्विस रोड पर मिट्टी पड़ी होने के कारण फिसल कर गिर गई पुलिस को पीछे आते देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से सीधा फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में पुलिस पार्टी पर फायर कर रहे बदमाशों में से एक बदमाश घायल हो गया तथा दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। जिसको बाद में पुलिस टीम द्वारा पीछा कर गिरफ्तार किया गया है। घायल बदमाश को नीरज निवासी ग्राम अटका थाना रोहटा मेरठ है जबकि दूसरा बदमाश सलमान निवासी बेरियो वाली मस्जिद के पास महादेव कॉलोनी पानीपत हरियाणा का बताया गया है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का समापन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जवाहर नवोदय विद्यालय बसेड़ा तागा अमरोहा में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का समापन किया गया। जिसमें विजेताओं को प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। कई प्रकार की प्रतियोगिताएं हुई जिनमें पुस्तक प्रदर्शनी, बुक रिव्यू,स्टोरी राइटिंग, बुक रिव्यू,स्क्रैपबुक, मोबाइल लाइब्रेरी आदि सम्मिलित है।

विजेता छात्रों में दुष्यंत कुमार, मनीष ,अलफि जा समीर ,ऋषभ कुमार, उत्कर्ष सिंह, अनम, सुहानी, अवनीका आदि प्रमुखहै। निर्णायक मंडलों में श्री विष्णु सिंह, श्रीमती लक्ष्मी सिंह श्री बृजेंद्र कुमार एवं श्रीमती अंजू रहे। कार्यक्रम का संचालन पुस्तकालय अध्यक्ष श्रीमती आराधना गुप्ता द्वारा किया गया।

छात्र छात्रों में किताबों के प्रति लगन एवं उनमें पढ़ने का जज्बा बरकरार रहे इस आशा के साथ यह पुस्तकालय सप्ताह समाप्त हुआ।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद द्वारा जिला जेल नीमका में महिला कैदियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद,। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), फरीदाबाद ने जिला जेल नीमका, फरीदाबाद में महिला कैदियों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। यह शिविर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष संदीप गर्ग के कुशल मार्गदर्शन और मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव श्रीमती रीतू यादव की देखरेख में आयोजित किया गया। इस आयोजन में अमृता अस्पताल, सेक्टर 88, फरीदाबाद का सहयोग रहा। शिविर में महिला कैदियों की नेत्र जांच और सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। डॉक्टरों की एक अनुभवी टीम ने कैदियों की स्वास्थ्य स्थिति का मूल्यांकन किया और आवश्यक परामर्श प्रदान किया। कैदियों को उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और आवश्यक चिकित्सा देखभाल के लिए जानकारी दी गई। इस शिविर के दौरान, जेल लोक अदालत का भी आयोजन किया गया। लोक अदालत में 10 मामलों को प्रस्तुत किया गया, जिनमें से 3 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। यह पहल कैदियों को त्वरित न्याय प्रदान करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए की गई थी। यह आयोजन महिला कैदियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और न्यायिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था। इस अवसर पर सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना की। शिविर और कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख व्यक्तिः शिविर के दौरान डिप्टी सुपरिटेंडेंट सुमित पंवार, अमृता अस्पताल से डॉ. फीहा, डॉ. शिवाकांत, सहायक प्रबंधक शिवम वर्मा और उनकी टीम व मुख्य रक्षा वकील रविंद्र गुप्ता, स्टेनोग्राफर प्रभात शंकर जेल स्टाफ के सदस्यों सहित अन्य कई अधिकारीगण मौजूद थे।

नवजात बच्ची को जंगली जानवर उठा ले गया, वन विभाग ढूंढने में लगा

प्रात : किरण संवाददाता

बलरामपुर । जिले के सोहेलवा वन क्षेत्र के भुजेहरा गांव में मां के बगल में सो रही 19 दिन की नवजात बच्ची को कोई जंगली जानवर उठा ले गया। जंगली जानवर की तलाश में वन विभाग की दो टीमें लगाई गई है। वन अधिकारी डॉ सेम मारन एम ने बुधवार को बताया कि मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात में बारहवां रेंज के भुजेहरा गांव में सती लाल की पत्नी गीता देवी अपनी 19 दिन की बच्ची काजल के साथ राम गोपाल वर्मा के बाग में प्लास्टिक की पन्नी का अस्थाई कमरा बना कर सो रही थी। तभी कोई जंगली जानवर बच्ची को उठा ले गया। आहट पाकर गीता देवी उठी तो उसने देखा कि बच्ची उसके पास नहीं थी। शोर मचाने पर गांव वालों ने बच्ची की तलाश शुरू की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। डीएफओ ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग की दो टीमें जंगली जानवर की तलाश में लगाई गई हैं। मौके से अभी तक कोई पदचिन्ह नहीं मिले है। उन्होंने बताया कि गांव के पास पिंजड़ा लगाया जा रहा है। वन विभाग की टीम जंगली जानवर की तलाश में लगी हुई है। गांव के आसपास ट्रैकिंग कैमरे लगाए जा रहे है ताकि हमला करने वाले जानवर को पकड़ा जा सके।

डीएफओ ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग की दो टीमें जंगली जानवर की तलाश में लगाई गई है। मौके से अभी तक कोई पदचिन्ह नहीं मिले है।

उन्होंने बताया कि गांव के पास पिंजरा लगाया जा रहा है।

वन विभाग की टीम जंगली जानवर की तलाश में लगी हुई है।

गांव के आस पास ट्रैकिंग कैमरे लगाए जा रहे है ताकि हमला करने वाले जानवर को पकड़ा जा सके।

संक्षिप्त खबरें

उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज दर पर मिलेगी सब्सिडी : डीसी विक्रम सिंह

फरीदाबाद, । उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक आर्थिक स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। परिवार के पास सीमित साधनों के कारण महिलाओं को उच्च शिक्षा (जैसे व्यावसायिक/ तकनीकी डिप्लोमा स्नातक व चिकित्सा सम्बन्धी इत्यादि) देने से रोक दिया जाता है। अत्यधिक फीस व बैंकों के शिक्षा ऋण पर ब्याज दर के भार को कम करने के लिए हरियाणा महिला विकास निगम ने दिनांक :- 01.04.2007 से बैंकों के माध्यम से महिलाओं /लड़कियों को उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज दर पर सबसिडी देने की पहल की है। इसमें देश व विदेश में शिक्षा लेने वाली महिलाओं/लड़कियों को लाभ मिल सकता है।

पलवल :राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क किनारे खड़े युवक की हादसे में मौत

पलवल, । राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर सड़क किनारे खड़े एक युवक की तेज गति से आई एक वाहन की टक्कर से मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर वाहन के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस वाहन के नंबर के आधार पर वाहन व उसके चालक की तलाश में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार बहरौला गांव निवासी मोहित ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि 18 नवंबर को की रात्रि करीब सवा 12 बजे उसके पास उसके भाई रविंद्र के मोबाइल से कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि इस व्यक्ति का रात्रि करीब पौने 12 बजे ऐम्बीनो बैंकट हॉल के सामने एक्सीडेंट हो गया है, वह अपने एम्बुलेंस में जिला नागरिक अस्पताल ले जा रहा है।

उप्र में दिशा-निदेशों का उल्लंघन करने वाले सात पुलिसकर्मी निलंबित

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश में विधानसभा की नौ सीटों पर उपचुनाव के लिए बुधवार सुबह 07 बजे से मतदान जारी है। इसी बीच चुनाव आयोग ने दिशा-निदेशों का उल्लंघन करने पर अलग-अलग क्षेत्रों में ड्यूटी पर तैनात सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक मुरादाबाद में तीन और कानपुर एवं मुजफ्फरनगर में दो-दो पुलिस कर्मियों को निलंबित किया गया है। कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट पर मतदान जारी है। यहां पर पुलिस प्रबंध चाक चौबंद किया गया है। इस बीच भाजपा कार्यकर्ताओं ने चुन्नीगंज जिला राजकीय इंटर कॉलेज के मतदान केंद्र के बाहर फर्जी मतदान का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। हालांकि पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटा दिया है। सीसामऊ क्षेत्र में मतदान के दौरान गड़बड़ी की शिकायत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने की थी। उन्होंने चुनाव आयोग से वीडियो साक्ष्य के आधार पर मतदाता पहचान पत्र और अन्य पहचान पत्रों की जांच करने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आग्रह किया था। इसका संज्ञान लेते हुए चुनाव आयोग ने सीसामऊ क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया।

नौ विधानसभा क्षेत्रों में हुआ 49 फीसद मतदान

लखनऊ, । मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा ने बताया कि 16 मीरापुर, 29-कुन्दरकी, 56-गाजियाबाद, 71-खैर (अजा), 110-करहल, 213-सीसामऊ, 256-फूलपुर, 277-कटेहरी एवं 397-मझवां विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के उप निर्वाचन-2024 के लिए 20 नवम्बर, 2024 को मतदान शान्तिपूर्वक सम्पन्न हो गया है। मतदान प्रातः 7.00 बजे से शुरू होकर सायं 5.00 बजे समाप्त हुआ। जनपदों से प्राप्त सूचना के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में अनुमानित 49.3 प्रतिशत मतदान हुआ है। विधान सभावार में 16-मीरापुर में 57.1 प्रतिशत, 29-कुन्दरकी में 57.7 प्रतिशत, 56-गाजियाबाद में 33.3 प्रतिशत, 71-खैर (अ०जा०) में 46.3 प्रतिशत, 110-करहल में 54.1 प्रतिशत, 213-सीसामऊ में 49.1 प्रतिशत, 256-फूलपुर में 43.4 प्रतिशत, 277-कटेहरी में 56.9 प्रतिशत तथा 397-मझवां में 50.4 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान की प्रक्रिया को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष बनाये रखे जाने के उद्देश्य के लिए प्रभावी पर्यवेक्षण हेतु 50 प्रतिशत से अधिक मतदेय स्थलों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर पर किया गया।

प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में बंद, नतीजों के लिए 23 नवंबर का इंतजार

प्रात: किरण, संवाददाता

गाजियाबाद, । शहर विधान सभा सीट पर बुधवार को शांतिपूर्ण तरीके से उपचुनाव संपन्न हो गया। मतदान प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक चली। मतदान समाप्ति के बाद ईवीएम को सील कर कड़ी सुरक्षा में गोविंदपुरम अनाज मंडी स्थित स्ट्रॉन्ग रूम में जमा करा दिया गया। सुस्त गति से शुरू हुआ मतदान शहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए सुबह 7 बजे सुस्त गति से मतदान शुरू हुआ। जो कि शाम तक इसी गति से चलता रहा। उपचुनाव को लेकर मतदाताओं में कोई खास उत्साह नहीं दिखाई दिया। उपचुनाव में 33.30 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान को लेकर युवा मतदाताओं में खास उत्साह नहीं दिखाई दिया। सुबह 9 बजे तक मात्र 5.36 प्रतिशत मतदान शहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में 119 मतदान केंद्रों पर मतदान हुआ। ज्यादातर मतदाताओं ने कहा कि वह विकास और शिक्षा के मुद्दे पर वोट देने आए हैं। उपचुनाव में कुल 14 प्रत्याशी मैदान में हैं। सुबह 8 बजे तक मतदान की रफ्तार काफी सुस्त रही। सुबह 9 बजे तक 5.36 फीसदी मतदान हो पाया। 9 बजे के बाद बूथों पर मतदाताओं की संख्या में कुछ इजाफा हुआ। इसके बाद 11 बजे तक मतदान का आंकड़ा 12.87 फीसदी पर पहुंचा। तदुपरांत दोपहर 1 बजे तक मत प्रतिशत 20.92 रहा। दोपहर 3 बजे यह मत प्रतिशत 27.36 तक पहुंच गया। 5 बजे मतदान समाप्ति तक कुल मतदान प्रतिशत 33.30 रहा। यानी एक बजे के बाद 5 बजे तक 4 घंटे के बीच करीब 13 प्रतिशत मतदान हुआ। जबकि शुरूआती 4 घंटे में 12 प्रतिशत तक मतदान हुआ। शहर की अपेक्षा लाइनपार क्षेत्र में मतदाताओं में मतदान को लेकर उत्साह देखने को मिला। गाजियाबाद में मतदान के लिए बुजुर्ग मतदाता घरों से निकल कर बूथों पर पहुंचे और मत का उपयोग किया। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक के जीडीए हायर सेकेंडरी स्कूल में लोग वोट डालने पहुंचे। यहां कड़ी सुरक्षा में मतदान कराया गया। बुजुर्ग महिला ने वोट डाला कैला भट्टा स्थित एक मतदान केंद्र पर बूथ खाली पड़े रहे। गाजियाबाद के चौधरी छबील दास पब्लिक स्कूल में मतदान केंद्र पर बुजुर्ग महिला सतबीरी ने अपना वोट डालकर हाथ में लगा निशान दिखाया। चौधरी छबील दास पब्लिक स्कूल में दिव्यांग मतदान केंद्र भी बनाया गया था। अकबरपुर-बहरामपुर स्थित सनशाइन स्कूल में कड़ी सुरक्षा में मतदान किया गया। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक में बने कई बूथ खाली पड़े थे। जीडीए हायर सेकेंडरी स्कूल में धीरे-धीरे लोग वोट डालने के लिए पहुंचे। चौ. छबील दास पब्लिक स्कूल में दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई। 86 वर्षीय नरेंद्र महेश्वरी को व्हीलचेयर से मतदान के लिए ले जाया गया। छबील दास स्कूल में बने बसपा प्रत्याशी पीएन गर्ग ने परिवार के साथ मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने उंगली पर स्याही का निशान दिखाया।

उपचुनाव : मीरापुर विधानसभा क्षेत्र के एक गांव में दो समूह भिड़े

प्रात: किरण, संवाददाता

मुजफ्फरनगर । मीरापुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान के दौरान बुधवार को ककरौली गांव में दो समूह आपस में भिड़ गए और पथराव किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अभिषेक सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और ह्यहल्का बलह्ल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर किया। सिंह ने कहा, स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है और मतदान शांतिपूर्ण तरीके से जारी है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि टकराव का कारण क्या है? ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के उम्मीदवार मोहम्मद अरशद ने संवाददाताओं से कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के ककरौली इलाके में मतदान प्रतिशत कम रहा। उन्होंने आरोप लगाया, पुलिस मतदाताओं को परेशान कर रही है, उन्हें घर से बाहर निकलने नहीं दे रही है। वे लोकतंत्र के इस पर्व के दौरान लोगों से दुश्मनों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, यह लोगों का चुनाव नहीं है, यह सरकार का चुनाव है। अरशद ने कहा कि पुलिस ने उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार सुम्बुल राणा ने भी आरोप लगाया कि पुलिस मतदाताओं को वोट डालने से रोकने के लिए उनके पहचान पत्र की जांच के नाम पर परेशान कर रही है। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) की उम्मीदवार मिथलेश पाल ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें निर्वाचन क्षेत्र के बाहर से लोगों को ह्यह्यफर्जी मतदानह्लह्ल के लिए बुलाए जाने के बारे में जानकारी मिली है। उन्होंने आरोप लगाया, इन लोगों को मदरसों और स्कूलों में ठहराया गया है। पाल ने यह भी दावा किया कि बुर्का पहनी महिलाओं द्वारा फर्जी मतदान किया जा रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की टिप्पणी कि पुलिसकर्मियों को मतदाताओं के पहचान पत्र नहीं जांचने चाहिए, इस पर पाल ने कहा कि फर्जी मतदान को रोकने के लिए उन्हें निश्चित रूप से इसकी जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह सब पुलिस के लचीले रवैये के कारण हो रहा है। हमने शिकायत की है, लेकिन पुलिस फिलहाल कुछ नहीं कर पा रही है। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और शाम पांच बजे तक जारी रहेगा।

गाजियाबाद में जीवन साथी डॉट कॉम पर प्रोफाइल पर शादी का झांसा देकर युवती किया दुष्कर्म

प्रात: किरण, संवाददाता

गाजियाबाद, 20 ऑनलाइन दोस्ती करने के बाद शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को कौशांबी पुलिस ने गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने दुष्कर्म करने की बात स्वीकार की है। आरोपी गुरुग्राम में लॉन्ड्री कारोबारी है। कोर्ट के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया है। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि 17 नवंबर को कौशांबी थाने में एक युवती ने दुष्कर्म के आरोप में पीयूष डंडोना नाम के व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस मामले की जांच और आरोपी की तलाश करते हुए गुरुग्राम पहुंची। यहां बड़े स्तर पर लांड्री का काम करने वाला हरियाणा के सेक्टर 50 स्थित में फील्ड गार्डन के सी-236 निवासी आरोपी पीयूष डंडोना को गिरफ्तार किया। एसीपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी का कहना था कि जीवन साथी डॉट कॉम पर प्रोफाइल बनाकर युवती से बातचीत शुरू की थी। कुछ समय बाद शादी का झांसा देकर आठ जून 2024 को युवती का दुष्कर्म किया। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

उप्र उपचुनाव : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ, सपा अध्यक्ष अखिलेश और बसपा प्रमुख मायावती ने मतदान की अपील की

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मतदाताओं से राज्य की नौ विधानसभा सीट के लिए बुधवार को हो रहे उपचुनाव में जिम्मेदाराना तरीके से और सक्रियता से मतदान करने की अपील की। राज्य की मीरापुर, गाजियाबाद, कुंदरकी, खैर, करहल, सीसामऊ, कटेहरी, मझवां और फूलपुर सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया संदेश में मतदाताओं से राज्य के निर्बाध विकास में सहयोग करने का आह्वान किया। आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा,उत्तर प्रदेश की मीरापुर, गाजियाबाद, कुंदरकी, खैर, करहल, सीसामऊ, कटेहरी, मझवां और फूलपुर विधानसभा सीट पर आज मतदान होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी सम्मानित मतदाताओं से अपील है कि उत्तर प्रदेश की अविराम विकास यात्रा को और गति व शक्ति प्रदान करने हेतु मतदान अवश्य करें। उन्होंने कहा, 25 करोड़ प्रदेश वासियों के जीवन में व्यापक एवं सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए एकजुट होकर वोट करें। ध्यान रहे, पहले मतदान-फिर जलपान। वहीं अखिलेश यादव ने अपनी अपील में मतदाताओं से लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों का पालन करते हुए मतदान करने का आह्वान किया। यादव ने एक्स पर लिखा, उप्र में जिन नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं, वहां के सभी मतदाताओं से ये अपील है कि अपने भविष्य और संविधान के प्रति वचनबद्ध रहते हुए, अपना वोट डालने जरूर जाएं। उन्होंने मतदाताओं की सौ प्रतिशत भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा, सौ प्रतिशत मतदान! रहें सौ प्रतिशत सावधान! बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर लिखा,महाराष्ट्र व झारखंड राज्य में विधानसभा के लिए हो रहे आमचुनाव के साथ ही उप्र में नौ विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में भी समस्त वोटरों से पहले मतदान फिर जलपान के संकल्प के साथ वोट डालने की अपील। वोट के जरिए पार्टी व सरकार को जनहित एवं जनकल्याण के लिए बाध्य करना जरूरी। मतगणना 23 नवंबर को होगी।

देश का सर्वोच्च न्यायालय भी प्रदूषण को लेकर गम्भीर है : एडवोकेट शिवदत्त वशिष्ठ

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । एनसीआर गंभीरता प्रदूषण की चपेट में है। हालात ऐसे हैं कि प्रदूषण का स्तर कम करने में ग्रैप-4 पाबंदियों बेअसर साबित हो रही हैं।

प्रदूषण में कोई सुधार नहीं आया बुधवार को फरीदाबाद का एक्यूआई खराब क्षेणी में रहा इससे लोगों को दिक़्क़तों का सामना करना पड़ रहा है इसी मौके ब्लांक एफ की 10/11 की डिवाइडिग रोड पर पैदल चलने वाले व वाहन वाले व्यक्तियों को हजारों मास्क सड़क से गुजरने वाले लोगों का बाँटे गए।

इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने कहा देश का सर्वोच्च न्यायालय भी प्रदूषण को लेकर गम्भीर है।

समाज सेवी मदन गोयल ने लोगों को प्रदूषण से सावधान रहने के उपाय बताए।

आज प्रदूषण की वजह से लोगों को दिनभर आँखों में जलन का एहसास हो रहा ह। स्थानीय लोगों का आरोप है।

कि जाम और कूड़े के जलाने से प्रदूषण स्तर बढ़ रहा है।

ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए इस के अलावा आगरा नहर के किनारे सेहतपुर खेडीपुल बी पी टी पी आस पास कूड़े के ढेर में आग को देखा जा सकता है ।

नगर निगम एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों की प्रदूषण के प्रति उदासीन की वजह से कूड़े के ढेर में आग लगाने वालों के हौसले बुलंद है।

मिट्टी से वाहनों की आवाजाही से धूल उड़ती है।

वशिष्ठ ने कहाँ स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीने का अधिकार हर व्यक्ति का मौलिक है हवा स्वच्छ नहीं रहती इससे लोगों के स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार पर असर पड़ता है।

इस मौके पर समाजसेवी सुनील मान ,सतपाल गोयल,विजय गोयल,कुलदीप,वनस्पति गोयल,छोटू,रोशन ,आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे।

वोलोफिन ने टॉप 5 यूएस बैंक्स में से एक से 50 मिलियन यूएस डॉलर की फंडिंग हासिल की

प्रात: किरण, संवाददाता

या वोलोफिन ने अपनी विस्तार योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए सबसे बड़े ग्लोबल बैंक्स में से एक से 50 मिलियन यूएस डॉलर की फंडिंग हासिल की है इस कार्यनीतिक कदम से, वोलोफिन का लक्ष्य भारत और दुनिया भर में छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) को सशक्त बनाना है यह नई फंडिंग पहला कदम है और वोलोफिन का लक्ष्य अगले दो से तीन सालों में इसे 150 मिलियन यूएस डॉलर की फंडिंग लाइन बनाना है या वोलोफिन ने एक टॉप ग्लोबल बैंक से 50 मिलियन यूएस डॉलर हासिल करने की घोषणा की इस नई फंडिंग के जरिये, वोलोफिन का लक्ष्य अपने परिचालन का प्रसार करना और अपनी विस्तार योजनाओं को बढ़ावा देना है यह फिनटेक प्लेटफॉर्म इस फंड के जरिये भारत और दुनिया भर में एसएमई को समर्थन देने की अपनी क्षमता को बढ़ाना चाहता है 20 नवंबर, 2024: फैक्टरिंग और सप्लाई चेन फाइनांसिंग में एंड-टू-एंड समाधान पेश करने वाला, अपनी तरह का अनूठा फिनटेक प्लेटफॉर्म, वोलोफिन ने सबसे बड़े ग्लोबल बैंक्स में से एक से 50 मिलियन यूएस डॉलर की फंडिंग लाइन हासिल करने की घोषणा की। इस कार्यनीतिक कदम का उद्देश्य ट्रेड फाइनांस की गंभीर कमियों को दूर करने और आर्थिक मजबूती को बढ़ावा देने के लिए भारत और दुनिया भर के एसएमई को सशक्त बनाना है। कंपनी अपने परिचालन को बढ़ाने और विकास को गति देने के लिए इन फंड्स का इस्तेमाल करेगी। वोलोफिन निर्यातकों को ज्यादा आसानी से ट्रेड फाइनांस उपलब्ध कराकर भारतीय निर्यात को आगे बढ़ाने में मदद करने की कोशिश कर रहा है। कंपनी ने अगले दो से तीन सालों में इस फंडिंग सीमा को 150 मिलियन यूएस डॉलर तक बढ़ाने का आक्रामक लक्ष्य रखा है। वोलोफिन के सह-संस्थापक और सीईओ रोशन शाह ने कहा, हमें एसएमई को सेवाएं देने के हमारे मिशन और प्रतिबद्धता में विश्वास रखने वाले इतने बड़े वैश्विक संगठन से यह फंडिंग हासिल करके खुशी हो रही है। यह हमारे विकास के सफर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, और हम सुविधाओं से वंचित एसएमई के प्रति अपने प्रस्तावों का विस्तार करना जारी रखेंगे। हम अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाने और अर्थव्यवस्था की बैकबोन माने जाने वाले निर्यातकों के लिए ट्रेड फाइनांस की कमी को दूर करने के लिए इस फंडिंग का लाभ उठाने हेतु प्रतिबद्ध हैं। वोलोफिन ने अपने इनोवेटिव दृष्टिकोण के कारण सबका काफी ध्यान खींचा है। कंपनी का लक्ष्य लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को फ्लेक्सिबल लेंडिंग समाधान प्रदान करना है, ताकि अत्याधुनिक वित्तीय उपकरणों और तकनीक का इस्तेमाल करके विकास के अवसरों का फायदा उठाया जा सके और जटिल सप्लाई चेन्स को संभाला जा सके। वोलोफिन ने उत्कृष्टता के अपने वादे को बनाए रखने और अपने ग्राहकों को वैल्यू-एडेड सेवाएं प्रदान करने के लिए कई बड़े ग्लोबल बैंक्स और वित्तीय संगठनों से कार्यनीतिक साझेदारी की है। सिंगापुर में स्थित, इस कंपनी ने यूएसए और भारत में अपनी मौजूदगी स्थापित की है। यह फंडिंग फिनटेक उद्योग में वोलोफिन की तेज उपलब्धियों का प्रमाण है। इस साझेदारी की मदद से, कंपनी ने आज के बदलते वैश्विक परिदृश्य में नवाचार को आगे बढ़ाने, सहयोग को बढ़ावा देने, और एसएमई को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में पानी की सुविधा के लिए बिछ रहा पाइपों का जाल

प्रात: किरण, संवाददाता

प्रयागराज, । महाकुंभ 2025 के दिव्य-भव्य आयोजन के लिए प्रयागराज के संगम क्षेत्र में अस्थाई महाकुंभ नगरी को बसाने का काम शुरू हो गया है। सीएम योगी के निदेर्शों का पालन करते हुए मेला प्राधिकरण और प्रदेश के सभी प्रमुख विभाग युद्धस्तर पर विकास कार्य में लगे हुए हैं। इस दिशा में महाकुंभ के दौरान पूरे मेला क्षेत्र में निर्बाध पानी सप्लाई के लिए यूपी जल निगम नगरीय भी पूरी प्रतिबद्धता से कार्य में जुटा है। जल निगम नगरीय 1249 किलोमीटर लंबी पाइपों का जाल और 56,000 कनेक्शन की मदद से पूरे मेला क्षेत्र में निर्बाध पानी सप्लाई का कार्य करेगी। जिससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं, संन्यासियों, कल्पवासियों को परेशानी का सामना ना करना पड़े। महाकुंभ 2025 में पूरे मेला क्षेत्र में पीने के पानी की सप्लाई का कार्य यूपी जल निगम नगरीय, प्रयागराज कर रही है। इसके लिए 25 सेक्टरों और 4,000 हेक्टर में फैले विशाल मेला क्षेत्र में पानी सप्लाई के लिए पाइप लाइन का जाल बिछाने का काम शुरू हो गया है। इस संबध में जल निगम नगरीय के अधिशासी अभियंता अमितराज ने कहा कि इस बार का मेला क्षेत्र पहले के कुंभ मेले की तुलना में सबसे बड़ा है। पूरे मेला क्षेत्र में पानी की सप्लाई के लिए लगभग 1,249 किलोमीटर लंबी पाइपों का जाल बिछाया जा रहा है। जिससे परेड ग्राउंड, संगम क्षेत्र से लेकर फाफामऊ और अरैल व झूंसी के क्षेत्रों में भी पानी की सप्लाई आसानी से की जा सके। इसके लिए 40 करोड़ रुपये की लागत से जल निगम नगरीय कार्य कर रहा है, जो कि 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। महाकुंभ मेला क्षेत्र में पानी सप्लाई के बारे में बताते हुए अधिशासी अभियंता ने कहा कि पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़कों के किनारे, अखाड़ों के शिविरों, कल्पवासियों और प्रशासन के टेंटों तक पानी के लगभग 56,000 कनेक्शन लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सड़क के किनारे के कनेक्शन और नल लगाने का कार्य 30 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। अखाड़ों और कल्पवासियों के शिविरों में पानी कनेक्शन लगाने का कार्य उनके शिविर लगाने के साथ-साथ किया जाएगा। पानी सप्लाई का कार्य 85 नलकूप और 30 जनरेटरों की मदद से पम्पिंग स्टेशनों से किया जाएगा। जिससे महाकुंभ के दौरान पूरे मेला क्षेत्र में निर्बाध जलापूर्ति में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो।

यूपी के उपचुनाव में गाजियाबाद की सबसे धीमी शुरूआत, सेल्फी प्वाइंट पर दिखाई दिए वोटर

प्रात: किरण, संवाददाता

गाजियाबाद, । यूपी में हो रहे उपचुनाव को लेकर मतदान सुबह 7 से शुरू हो चुका है।

और यह शाम 5 बजे तक चलेगा। लेकिन सबसे बड़ी बात है।

कि इन 9 विधानसभा सीटों में से सबसे धीमी गति से अगर कहीं मतदान हो रहा है तो वह गाजियाबाद है।

गाजियाबाद में सुबह 11 बजे तक के सामने आए आंकड़ों के मुताबिक 12.87 प्रतिशत ही मतदान हुआ है।

जबकि अन्य विधानसभाओं में सुबह 11 तक के आए आंकड़ों के मुताबिक मतदान जोर-शोर से हो रहा है।

जिनमें मीरापुर सीट पर 26.18 प्रतिशत, मझवा सीट पर 20.41 प्रतिशत, खैर सीट पर 19.18 प्रतिशत, फूलपुर सीट पर 17.68 प्रतिशत, कुंदरकी सीट पर 28.4 प्रतिशत, करहल सीट पर 20.71 प्रतिशत, कटेहरी सीट पर 24.28 प्रतिशत और सीसामऊ सीट पर 15.91 प्रतिशत मतदान हुआ है।

सामने आए इन आंकड़ों से यह अंदाजा लगाया जा सकता है।

कि एनसीआर के मुख्य हिस्से गाजियाबाद में जागरूक मतदाता अभी घरों से नहीं निकला है।

इसके पीछे कई वजह भी बताई जा रही है।

जानकारों की।

मानें तो सबसे पहला असर प्रदूषण का ह।

जिसके चलते लोग घरों से निकलने से कतरा रहे हैं।

और दूसरा नौकरी पेशा वाले लोग सुबह-सुबह ही अपने काम पर निकल गए हैं।

इसलिए यह आंकड़े कम दिखाई दे रहे हैं।

जबकि जिला प्रशासन की बात करें तो जिला प्रशासन ने मतदाताओं को जागरूक करने और उन्हें लुभाने के लिए।

मतदान केंद्रों को गुब्बारों और सजावटी सामान से सजाया हुआ है।

जगह-जगह सेल्फी प्वाइंट भी रखे गए हैं।

जिनमें वोट डालने के बाद लोग अपनी सेल्फी लेते भी नजर आ रहे हैं।

माना यह जा रहा है कि जैसे-जैसे दिन चढ़ेगा, वैसे-वैसे ही लोग घर से बाहर निकलेंगे।

आसियान इंडिया म्यूजिक फेस्टिवल में शान, रघु दीक्षित, सुकृति-प्रकृति और जसलीन रॉयल बिखेरेंगे अपना जलवा

प्रात: किरण, संवाददाता

भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के 10 साल पूरे होने के जश्न में आसियान इंडिया म्यूजिक फेस्टिवल में शान, रघु दीक्षित, सुकृति-प्रकृति और जसलीन रॉयल बिखेरेंगे अपना जलवा इस फेस्टिवल में आसियान की सबसे बेहतरीन प्रतिभाएं भी होंगी, इसमें मिलेगा टेलीविजन ऑफ, बक थुओंग, फ्लोर 88, सबसोनिक आई, चेट कन्हचना, काइया और एमआरटीवी के परफॉर्मेंस देखने का मौका नई दिल्ली, 14 नवंबर, 2024: आसियान इंडिया म्यूजिक फेस्टिवल 2024 को लेकर दर्शक रोमांचित हैं, क्योंकि इसमें परफॉर्म करने के लिये कलाकारों की आधिकारिक घोषणा हो चुकी है! इस साल के फेस्टिवल में भारत के टॉप कलाकारों और आसियान के प्रतिभाशाली बैंड्स की प्रस्तुतियों का रोमांचक संगम दिखेगा। यह संगीत की विविध परंपराओं का अनुभव देने वाला एक अनूठा अवसर होगा। इस फेस्टिवल की शुरूआत 29 नवंबर को शाम 6:30 बजे से (पुराना किला, नई दिल्ली) सभी के लिये फ्री एंट्री के साथ होगी। इसमें भारत के सबसे चहेते म्यूजिक आइकॉन्स में से दो - रघु दीक्षित और शान की प्रस्तुतियाँ होंगी। यह एनर्जी 30 नवंबर तक बनी रहेगी और उस वक्त शानदार वेस्टर्न घाट्स तथा सुकृति-प्रकृति की उत्साह से भरी जोड़ी प्रस्तुतियाँ देगी जिनका अंदाज एकदम अलग होगा और वो स्टेज पर तरह-तरह के सुरों को प्रस्तुत करेंगे। इस फेस्टिवल का भव्य समापन 1 दिसंबर को जसलीन रॉयल की प्रस्तुति से होगा, जिन्हें दिल को छू लेने वाले अपने गानों के लिये जाना जाता है। उनके गाने दुनियाभर में संगीत के शौकीनों का दिल जीत चुके हैं। इस फेस्टिवल में भारतीय कलाकारों के अलावा आसियान बैंड्स का एक शानदार लाइन-अप भी होगा और दर्शकों को आसियान क्षेत्र की समृद्ध एवं विविधतापूर्ण संगीत परंपराओं का अनुभव मिलेगा। इस साल के फेस्टिवल में परफॉर्म करने जा रहे हैं थाइलैण्ड के टेलीविजन ऑफ, वियत नाम के बक थुओंग, मलेशिया के फ्लोर 88, सिंगापुर के सबसोनिक आई, कम्बोडिया के चेट कन्हचना, म्यांमार के एमआरटीवी, फिलिपिन्स के काइया, आदि। यह प्रस्तुतियाँ संगीत में आसियान क्षेत्र की विविधता पर रोशनी डालेंगी और भारत तथा आसियान के बीच बढ़ रहे सांस्कृतिक सम्बंधों को मजबूत भी करेंगी। आसियान-इंडिया म्यूजिक फेस्टिवल सिर्फ संगीत का एक जश्न नहीं है, बल्कि आसियान और भारत की व्यापक रणनीतिक भागीदारी में निहित गहन सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रतीक भी है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिये एक जीवंत मंच के रूप में यह फेस्टिवल भारत की ह्यएक्ट ईस्ट पॉलिसीह्ल के एक दशक को यादगार बनाएगा। भारत सरकार के विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर अपनी उपस्थिति से इस आयोजन की शोभा बढ़ाएंगे। वह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे, जबकि उनके साथ विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और आसियान के सभी 10 सदस्य देशों के मिशन प्रमुख भी होंगे। सहर के संस्थापक निदेशक संजीव भार्गव ने आगामी फेस्टिवल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ह्यह्यसंगीत सिर्फ किसी प्रस्तुति से कहीं बढ़कर होता है। वह हमारी साझा मानवता, हमारी आशाओं और सपनों की अभिव्यक्ति होता है। आसियान इंडिया म्यूजिक फेस्टिवल बड़ी खूबसूरती से यह याद दिलाता है कि हमारी अलग-अलग पृष्ठभूमि के बावजूद संगीत हम सभी को जोड़ने की ताकत रखता है। इसके द्वारा हम न केवल कलाकारों के तौर पर जुड़ते हैं, बल्कि उन लोगों के रूप में भी, जो एक ज्यादा बड़े वैश्विक समुदाय का हिस्सा हैं। यह फेस्टिवल

शांतनु माहेश्वरी की रोमांटिक वेब सीरीज यहां होगी रिलीज

अगर आप किसी रोमांटिक सीरीज की तलाश में हैं तो अगले हफ्ते शांतनु माहेश्वरी और श्रुति सिन्हा की सीरीज 'कैंपस बीट्स' रिलीज होने वाली है। इसके पहला सीजन 21 सितंबर, 2023 को रिलीज किया गया था। दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद 'कैंपस बीट्स' का सीजन 4 नवंबर में रिलीज होने वाला है। आइए जानते हैं इसे कब और कहां देख सकते हैं? आगामी सीरीज़ का प्रीमियर 20 नवंबर, 2024 को होने वाला है। यह अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध होगा। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने इसका ट्रेलर एक्स पर साझा करते हुए लिखा, डांस के साथ थोड़ा प्यार, और थोड़ी टक्कर...अभी भी बाकी है! 'कैंपस बीट्स' का नया सीजन 20 नवंबर को अमेजन एमएक्स प्लेयर पर मुफ्त में रिलीज हो रहा है।

'कैंपस बीट्स' की कहानी

इस सीरीज की कहानी की बात की जाए तो यह नेत्रा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पिता की रहस्यमयी तरीके से मौत के बाद एक वेलफेयर प्रोग्राम के जरिए अकादमी में शामिल होती है और अपने पिता की मौत के पीछे के रहस्य की जांच करने का फैसला करती है। हालांकि, वह अकादमी में दो समूहों के बीच खुद को फंसा हुआ भी पाती है और इसके बाद कहानी एक मोड़ के साथ आगे बढ़ती है।

सीरीज के चौथे सीजन की बात की जाए तो इसके कलाकारों में ईशान मल्होत्रा के रूप में शांतनु माहेश्वरी, नेत्रा कुमारी के रूप में श्रुति सिन्हा, नील ओबेरॉय के रूप में सहज सिंह चहल, रिहाना ओबेरॉय के रूप में तन्वी गडकरी, सैम के रूप में धनश्री यादव, सुलेखा के रूप में तान्या भूषण, किरण के रूप में तेरिया मगर, रवजीत के रूप में गुलशन नैन आदि शामिल हैं।

शांतनु के लिए घर वापसी जैसा है सीजन 4

'कैंपस बीट्स' के मुख्य कलाकार अभिनेता शांतनु माहेश्वरी ने चौथे सीजन के साथ अपनी वापसी पर टिप्पणी की और कहा, कैंपस बीट्स के सेट पर लौटना घर वापसी जैसा लगा। पिछले कुछ वर्षों में, मेरा किरदार ईशान मुझ पर हावी हो गया है, इसने मुझे जीवन के कुछ सबसे महत्वपूर्ण सबक सिखाए हैं और साथ ही मुझे ऐसे अविश्वसनीय लोगों से भी जोड़ा है जिन्हें मैं कभी नहीं जान पाता। मैं नए सीजन के लिए उत्साहित हूं। शांतनु को आखिरी बार अजय देवगन की फिल्म 'औरों में कहां दम था' में अजय के युवा किरदार को निभाते हुए देखा गया था।

बचपन से गायिकी में अपना करियर बनाने की ठान ली थी

नीति मोहन आज संगीत की दुनिया में बड़ा नाम बन चुकी हैं। उन्होंने बेहद कम उम्र में ही अपनी गायकी के दम पर इंडस्ट्री पर राज करना शुरू कर दिया था। नीति ने इंडस्ट्री को कई हिट गाने दिए हैं, इसके साथ ही उन्होंने हिंदी भाषा समेत अन्य कई भाषाओं में भी गाने गाए हैं। इतना ही नहीं, नीति कई सिंगिंग रियलिटी शोज की जज भी बन चुकी हैं। नीति अपना 45वां जन्मदिन मना रही हैं। चलिए इस खास मौके पर जानते हैं नीति की जिंदगी से जुड़ी कुछ खास बातें...

चार बहनों में सबसे बड़ी नीति

नीति मोहन का जन्म 18 नवंबर 1979 को दिल्ली में हुआ था। रिपोर्ट्स के अनुसार, नीति के पिता चार बेटियों के जन्म के बाद उदास हो गए थे, लेकिन किसे ही पता था कि उनकी चारों बेटियां बड़ी होकर खूब नाम कमाएंगी। इंडस्ट्री में ये बहनें मोहन सिस्टर्स के नाम से मशहूर हैं। नीति अपनी बहनों में सबसे बड़ी हैं। उन्हें बचपन से ही गाने का शौक था और इस वजह से उन्होंने बहुत पहले ही गायकी की दुनिया में अपना करियर बनाने की ठान ली थी, जिसमें वे बेहद सफल भी हुईं।

नीति मोहन का डेब्यू

नीति मोहन ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर के गाने इश्क वाला लव से गायकी की दुनिया में कदम रखा और अपनी मधुर आवाज से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने पहले गाने से ही लोगों के दिल में जगह बना ली। इसके बाद नीति ने जब तक है जान का गाना जिया रे गाया, जिसके बाद वे खूब मशहूर हुईं और उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके बाद वे एक के बाद एक हिट गाने देती चली गईं, जिसके लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित अवॉर्ड भी मिले।

नीति मोहन के हिट गाने

नीति मोहन ने 2022 में आई फिल्म संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी का गाना मेरी जान गाया। आलिया भट्ट और शांतनु पर फिल्माया गया यह गाना लोगों की जुबान पर चढ़ गया और इस गाने ने नीति मोहन को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार भी दिलाया। इससे पहले नीति मोहन ने संजय लीला भंसाली की ही एक और फिल्म पद्मावत में भी नैनोवाले ने गाना गाया था। इसे भी लोगों ने खूब पसंद किया। नीति ने कई पार्टी सॉन्ग भी गाए हैं। 2014 की फिल्म गुंडे में उनका गाना तूने मारी एंट्रियां लंबे समय तक डिस्को में चला था।

निहार से की शादी

नीति मोहन ने शाहरुख खान की पहली हैप्पी न्यू ईयर में मनवा लागे गाना भी गाया। नीति इसके साथ ही कई शो की जज भी बन चुकी हैं। वहीं बात करें गायकी का निजी जिंदगी के बारे में तो साल 2019 में नीति ने अभिनेता निहार पांड्या से शादी की थी। निहार और नीति ने कुछ समय तक एक दूसरे को डेट करने के बाद शादी रचाई थी।

इब्राहिम अली से रिलेशनशिप पर पलक तिवारी ने दिया रिएक्शन

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चाओं में रहती हैं। अक्सर पलक तिवारी का नाम सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम के साथ जोड़ा जाता है। दोनों को साथ में कई बार स्पॉट भी किया गया है। पलक ने एक शो में इब्राहिम अली खान के साथ अपने रिलेशन को लेकर बातचीत की है।

इब्राहिम के साथ टाइम स्पेंड करना पसंद

पलक पलक ने सिद्धार्थ कनन के शो में बताया कि वो और इब्राहिम सिर्फ पब्लिक और सोशल गैदरिंग्स में ही मिलते हैं। दोनों टच में नहीं रहते, उन्होंने कहा हमारी कभी मैसेज पर भी बात नहीं होती। पलक ने कहा इब्राहिम अली खान उनके सिर्फ दोस्त हैं, और उन्हें इब्राहिम के साथ टाइम स्पेंड करना पसंद है। उन्होंने कहा कि मेरी लाइफ काफी बोरिंग है, सोशल मीडिया पर मेरा नाम सात लड़को के साथ जोड़ा गया था। लेकिन ऐसा कुछ नहीं था।

इब्राहिम अली खान के साथ पलक तिवारी

इब्राहिम के डेब्यू पर बोलीं पलक बातचीत के दौरान पलक ने इब्राहिम अली खान के डेब्यू को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा इब्राहिम अपने काम में काफी अच्छे हैं। वो कुछ समय में डेब्यू भी करने वाले हैं। बता दें, पलक का ये इंटरव्यू काफी पुराना है, इसके बाद भी दोनों को कई बार साथ में देखा गया है। कुछ दिन पहले ही अबू जानी और संदीप खोसला की दिवाली पार्टी में इब्राहिम और पलक को साथ देखा गया था। इस दौरान इब्राहिम ने पलक को तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा से भी मिलवाया था।

इब्राहिम फिल्म सरजमीन से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे

फिल्म सरजमीन से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे इब्राहिम वहीं, पलक के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने कई म्यूजिक वीडियोज की हैं। इसके अलावा पलक, सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में भी नजर आई थी। वहीं, इब्राहिम की बात करें तो वो थ्रिलर फिल्म सरजमीन से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं।

फिल्म रक्कायी में एक्शन का दम दिखाएंगी नयनतारा

नयनतारा इन दिनों अपनी डॉक्यूमेंट्री नयनतारा बियॉन्ड द फेयरीटेल को लेकर चर्चा में हैं। साथ ही अभिनेता धनुष से कॉपीराइट इश्यू पर हुए विवाद के कारण भी वह खबरों में बनी हुई हैं। इसी बीच अभी उनकी नई फिल्म नाम और कुछ दृश्य सोशल मीडिया पर साझा किए गए हैं। इन दृश्यों में वह काफी दमदार किरदार में नजर आ रही हैं।

रक्कायी है फिल्म का नाम

नयनतारा की आने वाली फिल्म का नाम रक्कायी है। उन्होंने अपनी फिल्म के जो दृश्य अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किए हैं उसमें वह हमलावारों से अपनी बच्चे की रक्षा करती हुई नजर आ रही हैं। पहले ही दृश्य में वह एक्शन करती हुई दिख रही हैं। नयनतारा ने फिल्म रक्कायी का एक छोटा सा टीचर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया है। उसके साथ एक कैप्शन भी लिखा है। जिससे फिल्म की कहानी का कुछ हद तक पता चल जाता है। कैप्शन में वह लिखती हैं ऐसे देश में जहां न्याय केवल एक याद बनकर रह गया है। वहां एक मां रहती थी जिसकी दुनिया उसका बच्चा था लेकिन जब उसकी बेटी की जान को एक राक्षस से खतरा हो जाता है तो वह भागती नहीं वह लड़खड़ाती नहीं। इसके बजाय वह युद्ध की घोषणा करती है। कैप्शन दिया गया यह विवरण नयनतारा की फिल्म की कहानी को कह देता है। दर्शकों को इस फिल्म में वह एक मां की भूमिका निभाती नजर आएंगी जिसका मकसद बस अपनी बच्ची की रक्षा करना है। इसके लिए वह बुरे लोगों से भी लड़ने को तैयार है। अपनी फिल्म रक्कायी में नयनतारा जबरदस्त एक्शन करती हुई नजर आएंगी। अब तक दर्शक ऐसा एक्शन करते हुए साउथ फिल्मों में मुख्य अभिनेताओं को देखते थे लेकिन अब अपने एक्शन का दम नयनतारा भी दिखाएंगी। वह पहले भी कई फिल्मों में एक्शन सींस कर चुकी हैं लेकिन यह पहली बार होगा कि पूरी फिल्म में वह एक्शन करेंगी।

धनुष के साथ विवाद के बीच नयनतारा को मिला जान्हवी का समर्थन

डॉक्यूमेंट्री नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर हुआ है। यह नयनतारा के करियर और व्यक्तिगत यात्रा के बारे में बताती है, जिसमें विग्नेश शिवन के साथ उनकी प्रेम कहानी और शादी भी शामिल है, जो नानुम राउडी धान के सेट पर शुरू हुई थी। इस डॉक्यूमेंट्री को लेकर साउथ सुपरस्टार धनुष और नयनतारा के बीच जुबानी और कानूनी जंग छिड़ी हुई है। धनुष और नयनतारा की लड़ाई के बीच अब बॉलीवुड जान्हवी कपूर ने अभिनेत्री का समर्थन किया है। अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने हाल ही में नयनतारा के लिए अपना प्यार व्यक्त करते हुए उन्हें एक मजबूत महिला बताया। इंस्टाग्राम पर जान्हवी ने लिखा, एक मजबूत महिला को एक मजबूत महिला जैसा देखने से यादा प्रेरणादायक कुछ नहीं।

कांथा में इस सुपरस्टार की भूमिका निभाएंगे दुलकर सलमान

दुलकर सलमान इस समय लकी भास्कर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस बीच वे अपनी अगली फिल्म कांथा के लिए फिल्म निर्माता सेल्वामणि सेल्वराज के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अभिनेता न केवल फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि तेलुगु स्टार राणा दग्गुबाती के साथ इस प्रोजेक्ट का सह-निर्माण भी कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि हाल ही में आई अपडेट से पता चलता है कि दुलकर सलमान फिल्म में एक वास्तविक जीवन के सुपरस्टार की भूमिका निभा रहे हैं।

इस सुपरस्टार की भूमिका निभाएंगे दुलकर सलमान

दुलकर सलमान ने इससे पहले प्रशंसित नाग अश्विन की फिल्म महानती में दिग्गज सुपरस्टार जेमिनी गणेशन की भूमिका निभाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता अब अपनी आगामी फिल्म कांथा में एक और वास्तविक जीवन के सुपरस्टार की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सेल्वमणि सेल्वराज की फिल्म में दुलकर सलमान की भूमिका एमके त्यागराज भगवतार उर्फ एमकेटी पर आधारित है, जो कि महान कर्नाटक गायक से अभिनेता बने थे, जिन्हें तमिल सिनेमा का पहला सुपरस्टार माना जाता था।

राणा दग्गुबाती का किरदार अभी गुप्त

अगर रिपोर्ट्स पर यकीन किया जाए तो कांथा एमके त्यागराज भागवतर के शुरुआती जीवन, संगीत और फिल्मी करियर और उनके उत्थान के इर्द-गिर्द घूमती है। सेल्वमनी सेल्वराज द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कुख्यात लक्ष्मी कंथन हत्याकांड को भी दिखाया जाएगा, जिसने एमकेटी के जीवन को पूरी तरह बदल दिया। दुलकर सलमान को फिल्म में त्यागराज भगवतार की भूमिका निभाने के लिए पुष्टि की गई है। वहीं, फिल्म में राणा दग्गुबाती द्वारा निभाए जाने वाले किरदार को अभी भी गुप्त रखा गया है।

'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म के रिस्पांस से बहुत अच्छा लग रहा है

देश के बहुचर्चित गोधरा कांड पर बनी विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की देश भर में जम कर तारीफ हो रही है। लोग इस फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में पहुंच रहे हैं। इस फिल्म को मिल रही शुरुआती सफलता पर इस फिल्म की अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। हमने अपनी मेहनत की है, और जब आप अपनी मेहनत को सामने लाते हैं और उसे ऑडियंस तक पहुंचाते हैं, तो फिर आप यही सोचते हैं कि लोग इसका कैसा रिस्पॉन्स देंगे। अब जो भी रिस्पॉन्स मिल रहा है, वह बहुत अच्छा है और सच में बहुत अच्छा लग रहा है। लोग खुद बता रहे हैं कि उन्हें फिल्म में क्या-क्या अच्छा लगा। यह बहुत ही बड़ी खुशी की बात है कि हमारे काम को सराहा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी फिल्म के बारे में बात की है, इससे बढ़कर और कुछ नहीं हो सकता। यह बहुत अच्छा लग रहा है। साथ ही, हरियाणा के मुख्यमंत्री जी भी फिल्म देख रहे हैं, और यह भी बहुत अच्छा लग रहा है। हम बहुत खुश हैं कि हमारी फिल्म सबको इतनी पसंद आ रही है। मैं फिल्म देखने आई हूं। अभी इंटरवल हो चुका है, और अब फिल्म का दूसरा भाग शुरू हो चुका है, तो हम उम्मीद करते हैं कि जैसे पहले भाग को पसंद किया गया, वैसे ही बाकी फिल्म भी लोगों को अच्छी लगे। फिल्म खत्म होने के बाद सबसे मिलकर और भी खुशी होगी।

बता दें कि द साबरमती रिपोर्ट साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने की घटना पर बनी है। यह घटना 27 फरवरी, 2002 को हुई थी, जिसमें झुलस कर 59 लोगों की मौत हो गई थी।

संक्षिप्त समाचार

सुमित वुड्स लिमिटेडने क्यू2 एफवाय25 में एकीकृत शुद्ध लाभ में 171 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी

मुंबई , एजेंसी। सुमित वुड्स लिमिटेड जो उच्च गुणवत्ता वाले आवासीय और सामुदायिक स्थानों के निर्माण में समर्पित है, ने क्यू2 एफवाय25 के लिए अपने अप्रत्यक्ष वित्तीय परिणामों की घोषणा की। सुमित वुड्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मिताराम जांगिड ने कहा, मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने इस तिमाही के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की है, जो हमारी केंद्रित रणनीति और प्रमुख प्रकल्पों में निरंतर सफलता को दर्शाता है। हमारी आय और लाभ में वृद्धि सुमित अतुल्यम जैसे रणनीतिक प्रकल्पों की सफलता के परिणामस्वरूप हुई है, और प्रभादेवी और दत्तानी ट्रेड सेंटर में हमारे नए प्रकल्पों के आसपास सकारात्मक घटनाक्रमों के कारण हुई है। ये मील के पत्थर यह दर्शाते हैं कि हम लगातार मूल्य सृजन करने और वृद्धि के लिए नए अवसरों को खोलने में सक्षम हैं। प्रमुख प्रकल्पों की समाप्ति और आर्केन्सिएल के लिए ऑक्युपन्सी सर्टिफिकेट और सुमित चरूक परम के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र जैसे महत्वपूर्ण अनुमोदनों की प्राप्ति यह साबित करती है कि हम समय पर गुणवत्ता वाले प्रकल्प देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रभादेवी और दत्तानी जैसे उच्च-मूल्य पुनर्विकास प्रकल्पों के लिए विकसक के रूप में चयन होना रियल एस्टेट क्षेत्र में हमारी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करता है।

फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड ने वित्तीय परिणामों की घोषणा की

चेन्नई, एजेंसी। फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड एक क्रिएटिव विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो, ने एच1 एफवाय 2024-25 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी- फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री बेजॉय अर्पुथराज ने कहा, फैंटमएफएक्स में हमने जो उल्लेखनीय प्रगति और वृद्धि हासिल की है, उस पर मुझे अत्यधिक गर्व है। इस छमाही में कंपनी के लिए एक परिवर्तनकारी समय रहा है, जिसमें राजस्व में 92 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 79 करोड़ तक पहुंच गया है– जिसमें से 35 करोड़ एच1 में प्राप्त हुए, जबकि शेष 44 करोड़ की बिलिंग ॥2 में अपेक्षित है। हम एफवाय 23-24 के हमारे प्रदर्शन के अनुरूप सतत परिचालन मार्जिन बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

इंस्पायर फिल्म्स ने एच1 एफवाय25 के परिणामों की घोषणा की

मुंबई , एजेसी। इंस्पायर फिल्म्स लिमिटेड जो कि एक प्रमुख कंटेंट क्रिएशन और प्रोडक्शन कंपनी है, ने एच1 एफवाय25 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 20-एपिसोड रोमांस ड्रामा के लिए वैश्विक ओटीटी सौदा प्राप्त- डिजिटल मनोरंजन में रणनीतिक विस्तार, एक बेस्टसेलिंग उपन्यास की लोकप्रियता का लाभ उठाकर वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने की कोशिश। भारतीय प्रसारण नेटवर्क के साथ प्रमुख वितरण सौदा- एक प्रमुख जीईसी पर प्रसारित होने वाली तीन वेब श्रृंखलाएं, विविध शैली की पेशकशों के माध्यम से इंस्पायर फिल्म्स के राजस्व और दर्शकों के आधार को बढ़ाएंगी। फ्रेश मिंट भारत की युवा पीढ़ी को संबंधित कहानियों और विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों पर नए राजस्व अवसरों के साथ लक्षित करता है।

असली हीरे के नाम पर चूना नहीं लगा पाएंगे ज्वेलर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। नेचुरल और लैब में तैयार हीरों के बारे में ग्राहकों को जो उलझन होती है, सरकार उसे दूर करने का उपाय करने जा रही है। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी इस बारे में दिशानिर्देश जारी करेगी। इसमें हीरों की सही लेबलिंग करने के अलावा सभी तरह के हीरों के ओरिजिन और प्रोडक्शन के तरीकों की जानकारी देने के नियम बनाए जा सकते हैं। साथ ही, लैब में तैयार हीरों के लिए नेचुरल या जेनुइन डायमंड जैसे शब्दों के इस्तेमाल की मनाही होगी।

इस संबंध में सीसीपीए ने अपनी चीफ कमिश्नर निधि खरे की अध्यक्षता में डायमंड इंडस्ट्री और विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया। बैठक में शामिल रहे

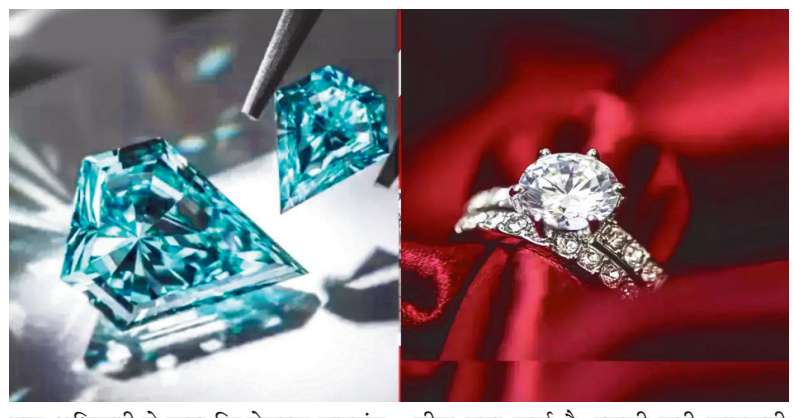

एक अधिकारी ने कहा कि नेचुरल डायमंड और लैब में तैयार किए जाने वाले हीरों के बीच क्या फर्क है, इसकी सही जानकारी नहीं होने से ग्राहकों के हितों का उल्लंघन होता है। उन्होंने कहा कि डायमंड इंडस्ट्री में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए सीसीपीए जल्द गाइडलाइंस जारी करेगी।

इस बारे में जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन अशोक सेठ ने कहा, कई बार ग्राहक नेचुरल डायमंड समझकर लैब में तैयार किए गए डायमंड खरीद लेते हैं। उन्हें लगता है कि आने वाले समय में उन्हें अच्छा रिटर्न मिलेगा। लेकिन बाद में उन्हें पता चलता है कि इनका भाव नेचुरल डायमंड जितना नहीं होता। दोनों की लेबलिंग स्पष्ट कर दिया जाना इंडस्ट्री और कंज्यूमर के हित में है।

ठोस फ्रेमवर्क बनाने की तैयारी

ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स के मुताबिक, डायमंड शब्द का उपयोग केवल नेचुरल डायमंड के लिए होना चाहिए। सिंथेटिक डायमंड्स की नेचुरल डायमंड की तरह ग्रेडिंग करने की भी मनाही है।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम के नियमों के मुताबिक, यह बताना होता है कि डायमंड अगर लैब में तैयार किया गया है, तो उसके प्रोडक्शन का क्या तरीका है। सीसीपीए की मीटिंग में इन सभी पहलुओं पर विचार किया गया ताकि एक ठोस फ्रेमवर्क बनाया जा सके।

जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर को टक्कर देने के लिए अडानी बनाएंगे आईसीसी, 2 अरब डॉलर करेंगे खर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास मुंबई का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र बनाने के लिए लगभग 2 अरब डॉलर खर्च करने की योजना बना रहा है। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने केंद्र के डिजाइन को मंजूरी दे दी है, जो इसके व्यापक दायरे को कवर करता है। जबकि, डिटेल ब्लूप्रिंट के लिए मंजूरी दो महीने में होने की उम्मीद है। यह जानकारी लाइव मिंट के सूत्रों ने दी है। आईआईसीसी एक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी है, जिसने यशोभूमि का निर्माण किया था। रिपोर्ट के अनुसार, इससे 500,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की भी उम्मीद थी।

यह कॉर्पोरेट हब बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में रिलायंस के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर को टक्कर देगा। अडानी अधिकतम विजिबिलिटी के लिए हवाई अड्डे के करीब विले पार्ले के पश्चिमी उपनगर में अपना केंद्र बनाएगा। यह समूह देश में कुल 11 हवाई अड्डों का प्रबंधन देखता है।

15 लाख वर्ग फुट में फैले कन्वेंशन सेंटर में 15,000 से 20,000 लोगों की व्यवस्था हो सकेगी। वाहन पार्किंग और

अन्य उद्देश्यों के लिए 3 लाख वर्ग फुट के साथ कुल इनडोर क्षेत्र 1.2 मिलियन वर्ग फुट होने की संभावना है। इसका स्वामित्व और प्रबंधन अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। बता दें अडानी की अधिकांश रियल एस्टेट परियोजनाएं अडानी रियल्टी के स्वामित्व में हैं।

सूत्रों ने बताया कि आईसीसी 275 कमरों के साथ एक फाइव स्टार होटल की मेजबानी भी करेगा। अभी जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर शहर का सबसे बड़ा है, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 10 लाख वर्ग फुट है, जबकि नई दिल्ली में यशोभूमि भारत का सबसे बड़ा सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र है, जो 3.2 मिलियन वर्ग फुट में फैला है।

एनारॉक प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, बड़ी कंपनियां अक्सर सम्मेलनों और प्रदर्शनियों जैसे कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए हवाई अड्डों जैसे प्रमुख पारगमन और परिवहन केंद्रों के पास सम्मेलन केंद्र डेवलप करना पसंद करती हैं, क्योंकि वे अपनी इमेज को बढ़ावा देने में मदद करते हैं और ग्लोबल पर नेटवर्किंग की अनुमति देते हैं। इसके अलावा, हवाई अड्डों के करीब होने से मेहमानों के लिए सुगम यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित होती है, जो समय की बचत और बढ़ी हुई सुविधा के लिए बहुत अच्छा है। इस तरह के उपक्रम व्यापार विस्तार को बढ़ावा देने और विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक लाभ पैदा करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

आईसीसी कॉन्फ्रेंस और प्रदर्शनियों की मेजबानी करता है, जो स्थानीय निर्माताओं को ग्लोबल बायर्स से जोड़ते हैं और विचारों का आदान-प्रदान करने में मदद करते हैं, जो देश के व्यापार और निर्यात क्षमता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दिल्ली की यशोभूमि को एशियाई मार्केट में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने और प्रदर्शनी बाजार में शंघाई, हांगकांग और सिंगापुर की लीग में नई दिल्ली लाने के लिए बनाया गया था।

म्यूचुअल फंड्स पर भी दिखा बाजार की गिरावट का असर, डेढ़ महीने में इन सेक्टर्स को भारी नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते डेढ़ महीने में शेयर बाजार लगातार गिरावट का सामना कर रहा है। सेंसेक्स अपने 85,922 के ऑल-टाइम हाई से गिरकर 19 नवंबर को 77,578.38 पर और निफ्टी 26,166 के उच्चतम स्तर से गिरकर 23,518.50 पर पहुंच गया है। इस गिरावट से निवेशकों को 48.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

शेयर बाजार की गिरावट ने म्यूचुअल फंड्स को भी प्रभावित किया है। एनर्जी, पावर, पीएसयू, इंफ्रास्ट्रक्चर, मिडकैप और स्मॉल कैप फंड्स में बीते डेढ़ महीने में 0.82 प्रतिशत से 12.42 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज हुई है। ऑटो सेक्टर के फंड्स को सबसे अधिक नुकसान हुआ है, जिसमें पिछले एक महीने में 12.42 प्रतिशत नेगेटिव रिटर्न मिला है।

एनर्जी और पावर सेक्टर के फंड्स और पीएसयू फंड्स में 8.50 से 8.49 प्रतिशत का नेगेटिव रिटर्न मिला। इसी टाइम पीरियड में इंफ्रास्ट्रक्चर फंड में 8.29 प्रतिशत का नेगेटिव रिटर्न मिला। मिडकैप फंड और लार्ज एंड मिडकैप फंड ने इसी टाइम ड्यूरेशन में 7.73 प्रतिशत और 7.14 प्रतिशत का नेगेटिव रिटर्न दिया। स्मॉल कैप फंड ने 7.07 प्रतिशत का नेगेटिव रिटर्न दिया, इसके बाद मल्टी कैप फंड का स्थान रहा, जिसने पिछले एक महीने में 7 प्रतिशत का नेगेटिव रिटर्न दिया। अगर टेक सेक्टर के फंड्स की बात करें तो इसमें केवल 3.45 प्रतिशत का नेगेटिव रिटर्न देखने का मिला है।

लगातार सात दिनों की गिरावट के बाद, मंगलवार 19 नवंबर को बाजार में थोड़ी रिकवरी हुई। सेंसेक्स 239.38 अंकों की बढ़त के साथ 77,578.38 पर और निफ्टी 64.70 अंक बढ़कर 23,518.50 पर बंद हुआ।

28 नवंबर को बंद होगा आदित्य बिरला इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर इंडैक्स फंड का एनएफओ

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार द्वारा 2024-25 के बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस बढ़ाने और भविष्य के बजटों में भी इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च में वृद्धि के संकेत देने के साथ ही एसैट मैनेजमैंट कंपनियों का फोकस भी अब इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ बढ़ने लगा है। हालांकि आदित्य बिरला सन लाइफ एसैट मैनेजमैंट कंपनी ने इस मामले में बाजी मारी है और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के इंडैक्स फंड को ट्रैक करने वाला देश का पहला इंडैक्स फंड आदित्य बिरला इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर इंडैक्स फंड पिछले सप्ताह शुरू कर दिया है। हालांकि इससे पहले भी कई ऐसे म्यूचल फंड हैं जो इंफ्रास्टक्चर कंपनियों में निवेश करते हैं लेकिन आदित्य बिरला सन लाइफ का यह फंड बीएसई के इंफ्रास्टक्चर इंडैक्स की तरह ही चलेगा। कंपनी के सीइओ ए. बाला सुब्रमणियम ने कहा कि निवेशक इस फंड में 500 रुपए के निवेश के साथ भी शुरूआत कर सकते हैं, यह फंड 8 नवंबर को बंद होने जा रहा है और फंड की अलाटमैंट 5 दिसंबर को होगी। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार आने वाले वर्षों में हर वर्ष बजट में इंफ्रास्टक्चर पर होने वाले खर्च को कंपाऊंड एनुअल ग्रोथ रेशो के हिसाब से 15 प्रतिशत बढ़ाएगी। लिहाजा इस सैक्टर में निवेश के बेहतरीन मौके बनते हैं। देश के अमृत काल के सपने को 2047 तक पूरा करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की बहुत जरूरत है और इन्ही इंफ्रा कंपनियों की ग्रोथ को ध्यान में रख कर इस फंड को लांच किया गया है।

आवश्यक सभी वस्तुओं और सेवाओं का भुगतान करने में असमर्थ

अमेरिकियों को भी भारतीय परिवारों के जैसे जूझना पड़ता है

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी आधे से अधिक लोगों को अपने बिलों के पेमेंट और पैसे बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। गरीब नहीं होने के बावजूद अमेरिका के लाखों लोगों के सामने ऐसा संकट है। यह खुलासा अर्बन इंस्टीट्यूट द्वारा मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट से हुआ। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक रिसर्च में यह पाया गया कि 2022 में अमेरिका की 52 प्रतिशत आबादी ऐसे परिवारों में रहती थी, जो बिना कटौती किए आज की अर्थव्यवस्था और समाज में पूरी तरह से भाग लेने के लिए आवश्यक सभी वस्तुओं और सेवाओं का भुगतान करने में असमर्थ है। साथ ही आपात स्थिति और भविष्य के लिए पैसे बचाने में भी।

शोधकर्ताओं ने आर्थिक सुरक्षा की सही लागत की सीमा की गणना के लिए फैमिली सेविंग का त्याग करने वाले, भीड़-भाड़ वाले आवास में रहने वाले या हेल्थ और चाइल्ड केयर जैसे खर्चों को पूरा करने के लिए संघर्ष करने वालों को शामिल किया। हालांकि, आधिकारिक अमेरिकी गरीबी दर 2023 में 11.1 प्रतिशत तक गिर गई, जो एक साल पहले 11.5 प्रतिशत थी, निष्कर्ष

बताते हैं कि हाल के वर्षों में जीवन यापन की बढ़ती लागत के बीच वित्तीय तनाव बहुत अधिक व्यापक रहे हैं।

बच्चों के लिए बदतर भविष्य

कम्युनिटी सर्विस सोसाइटी ऑफ न्यूयॉर्क के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड जोन्स ने कहा, हम गरीबी रेखा पर इतना अधिक फोकस हैं कि हम शायद चूक गए हैं कि अमेरिका में पहली बार परिवारों को अपने और अपने बच्चों के लिए बदतर भविष्य देखना पड़ रहा है। यह आवश्यक अमेरिकी सपने से एक कदम पीछे है।

टीसीईएस एक डीसेंट लिविंग स्टैंडर्ड को बनाए रखने की लागत को मापता है। इसमें आवास, भोजन, हेल्थ केयर, चाइल्ड केयर, एजुकेशन और इमरजेंसी एंड रिटायरमेंट के लिए बचत शामिल है। रिपोर्ट में उनकी संरचना और स्थान को देखते हुए परिवारों को क्या चाहिए और उनके पास क्या उपलब्ध है, के बीच अंतराल की गणना की गई है। रिपोर्ट के अनुसार एकल-अभिभावक परिवार, विशेष रूप से छोटे बच्चों वाले और तीन या अधिक बच्चों वाले बड़े परिवारों को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि बच्चों वाले 58 प्रतिशत परिवार टीसीईएस सीमा से नीचे गिर गए, जबकि बच्चों के बिना केवल 46 प्रतिशत परिवार थे। अमेरिका में मुद्रास्फीति यानी महंगाई 2022 में चार दशकों में उच्चतम स्तर तक पहुंच गई। क्योंकि, महामारी लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था फिर से खुल गई और ग्लोबल सप्लाई चेन तेजी से बढ़ती मांग को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही थीं। हालांकि यह 9.1 प्रतिशत के शिखर से गिरकर अक्टूबर में 2.6 प्रतिशत पर आ गया है।

6 महीने में 565 प्रतिशत चढ़ गया यह शेयर, अब बोनस शेयर बांटने की तैयारी में कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्सटाइल प्रॉडक्ट्स बिजनेस से जुड़ी कंपनी पदम कॉटन यार्न्स अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर का तोहफा देने की तैयारी में है। कंपनी की बोर्ड बैठक 27 नवंबर 2024 को होनी है। इस मीटिंग में ही पदम कॉटन यार्न्स का बोर्ड बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। बोनस शेयर इश्यू किए जाने से पहले मंगलवार को पदम कॉटन यार्न्स के शेयर बीएसइ में 2 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 213.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने मंगलवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 32.02 रुपये है।

6 महीने में 565 प्रतिशत उछल गए कंपनी के शेयर

पदम कॉटन यार्न्स के शेयर पिछले 6 महीने में 565 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। टेक्सटाइल प्रॉडक्ट्स बिजनेस से जुड़ी कंपनी पदम कॉटन यार्न्स के शेयर 21 मई 2024 को 32.06 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 19 नवंबर 2024 को 213.30 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 3 महीने में पदम कॉटन यार्न्स के शेयरों में 270 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 19 अगस्त 2024 को 57.73 रुपये पर थे। टेक्सटाइल कंपनी के शेयर 19 नवंबर 2024 को 213 रुपये के ऊपर बंद हुए हैं।

अब एसएमई आईपीओ पर दांव लगाना होगा मुश्किल, सेबी ने बनाया तगड़ा प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप एसएमई आईपीओ पर दांव लगाते हैं तो ये खबर आपके लिए किसी झटके से कम नहीं है। दरअसल, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को स्स्था आईपीओ के लिए न्यूनतम एप्लीकेशन साइज को मौजूदा 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 लाख रुपये तक करने का प्रस्ताव दिया है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि केवल पर्याप्त जोखिम लेने तथा निवेश की क्षमता वाले निवेशक ही आवेदन कर सकें। सेबी की ओर से जारी प्रस्ताव में कहा गया- यह देखा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में एसएमई आईपीओ में रिटेल निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है। एसएमई आईपीओ में रिस्क ज्यादा होता है और शेयरों की लिस्टिंग के बाद सेंटिमेंट बदलने पर निवेशक फंस जाते हैं।

विश्व बैंक की शाखा आईडीए की मदद के लिए 4 अरब डॉलर देगा अमेरिका, बाइडन ने एक्स पर दी यह जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने विश्व बैंक के अंतरराष्ट्रीय विकास संघ की मदद करने के लिए अगले 3 वर्षों में 4 अरब अमरीकी डालर देने एलान किया है। एक्स पर एक पोस्ट में, बाइडन ने कहा, इस सप्ताह मैं विश्व बैंक के अध्यक्ष बंगा के साथ यह घोषणा करने में शामिल हुआ कि संयुक्त राज्य अमेरिका आईडीए की जरूरतों को फिर से पूरा करने के लिए 3 वर्षों में चार अरब अमेरिकी डॉलर देने का वचन देगा। आईडीए विश्व बैंक की वह शाखा है, जो कमजोर देशों की मदद करती है। हम दूसरों से अनुरोध करते हैं कि वे अपनी प्रतिज्ञाओं को आगे बढ़ाने में हमारा साथ दें। अंतरराष्ट्रीय विकास संघ विश्व बैंक का हिस्सा है जो कम आय वाले देशों की मदद करता है। 1960 में स्थापित, आईडीए विश्व बैंक की मूल ऋण शाखा, अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (का पूरक है।

कोहली, बुमराह, पंत नहीं, गेंदबाजी कोच मोर्कल ने कहा
बीजीटी में इस खिलाड़ी पर रहेगी नजर

पर्थ, एजेंसी। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में नजर रखने वाले खिलाड़ी के रूप में चुना है। दोनों टेस्ट दिग्गजों के बीच सीरीज को लेकर उत्साह चरम पर है, क्योंकि पर्थ में होने वाला पहला मैच शुक्रवार से होगा। जहां विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत और कप्तान रोहित शर्मा को सीरीज में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, वहीं मोर्कल ने एक और नाम की चर्चा की है। शुक्रवार को शुरुआती टेस्ट से पहले पर्थ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मोर्कल ने कहा, निश्चित रूप से सीरीज में नितीश पर नजर रखनी होगी। युवा खिलाड़ी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन के साथ दुनिया के सामने अपनी पहचान बनाई। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए नितीश ने 13 मैचों में 33.67 की औसत से 303 रन बनाए। उन्होंने तीन विकेट भी लिए, लेकिन उनकी लगातार पावर-हिटिंग विशेषता सबसे अलग रही।

मात्र 23 प्रथम श्रेणी खेलों के साथ नितीश का बीजीटी सीरीज में शामिल होना कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात थी। यह स्पष्ट था कि प्रबंधन नितीश को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए उन्हें भारत की सबसे ज़्यादा जरूरत वाले सीम बॉलिंग विकल्प के रूप में विकसित करना चाहता है। मोर्केल ने कहा, वह (नितीश रेड्डी) युवा खिलाड़ियों में से एक है। उसमें ऑल-राउंड क्षमता है। वह एक ऐसा खिलाड़ी होगा जो हमारे लिए एक छोर संभाल सकता है, खासकर पहले कुछ दिनों में। मोर्केल ने कहा, (वह) विकेट-टू-विकेट गेंदबाज है। दुनिया की कोई भी टीम एक ऐसा ऑलराउंडर चाहेगी जो तेज गेंदबाजों की मदद कर सके। यह जसप्रीत (बुमराह) पर निर्भर करेगा कि वह उनका किस तरह से इस्तेमाल करता है। अगर कोई लाल गेंद वाले क्रिकेट में नीतीश के प्रदर्शन को देखे तो वह सबसे बड़ी टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए थोड़ा कमजोर नज़र आता है।नीतीश ने 23 मैचों में 21.05 की औसत से 779 रन बनाए हैं। गेंद के साथ उन्होंने 26.98 की औसत से 56 विकेट चटकाते हुए ज़्यादा प्रभाव डाला है।

हार के साथ समाप्त हुआ महान राफेल नडाल का करियर

राष्ट्रगान पर हुए भावुक, फैंस नहीं रोक पाए आंसू

नईदिल्ली, एजेंसी। राफेल नडाल ने कहा कि डेविस कप में मंगलवार को पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने के बाद उन्होंने खेल और व्यक्तिगत विरासत दोनों छोड़ दी है। 38 वर्षीय नडाल मंगलवार को डेविस कप के क्वार्टर फाइनल में पुरुष एकल के मुकाबले में नीदरलैंड के जेंडशुल्प से हार गए। नीदरलैंड ने स्पेन को 2-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल ने पिछले 23 वर्षों में एक शानदार और ऐतिहासिक करियर का आनंद लिया। नडाल ने मलागा में अपने संन्यास के सम्मान में आयोजित समारोह के दौरान फैंस से कहा, मैं मन की शांति के साथ टेनिस से विदा हो रहा हूं। मुझे खुशी है कि मैं एक विरासत छोड़ गया हूं, जो मुझे वास्तव में लगता है कि सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि एक व्यक्तिगत विरासत है। मैं समझता हूं कि मुझे जो प्यार मिला है, अगर यह सिर्फ कोर्ट पर हुआ होता, तो वह वैसा नहीं होता।

नडाल ने कई लोगों को श्रेय दिया जिन्होंने रास्ते में उनकी मदद की है। इसमें उनके चाचा टोनी नडाल भी शामिल हैं। टोनी ने ही नडाल को टेनिस में आने के लिए प्रेरित किया था और उन्हें बचपन के अधिकांश समय में ट्रेनिंग दी थी। नडाल ने कहा, मेरे लिए खिताब संख्या मात्र है। लोग शायद यही जानते हैं, लेकिन जिस तरह से मैं ज्यादा से ज्यादा किया जाना चाहूंगा वह एक अच्छे इंसान के रूप में। मालोर्का के एक छोटे से गांव से आया हुआ लड़का एक शानदार इंसान है। मेरी किस्मत अच्छी थी कि जब मैं छोटा बच्चा था तो मेरे चाचा मेरे गांव में एक टेनिस कोच थे। मेरे पास एक महान परिवार था जो हर पल में मेरा समर्थन करता था।

नडाल ने कहा, मैं बस एक अच्छे इंसान के रूप में याद किया जाना चाहता हूं, एक बच्चा जिसने अपने सपनों का पूरा किया और जो मैंने सपना देखा था उससे कहीं अधिक हासिल किया। नडाल को मलागा में मार्टिन कारपेना एरिना में एक भावुक वीडियो के जरिये विदाई दी गई। उसमें उनके करियर को दर्शाया गया। स्टेडियम में मौजूद 10 हजार से ज्यादा फैंस उनके करियर को देखकर भावुक हो गए। पूर्व प्रतिद्वंद्वी रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच, एंडी मरे, सेरेना विलियम्स और अन्य टेनिस दिग्गजों और राउल और आंद्रेस इनिएस्ता जैसे फुटबॉल सितारों ने नडाल के लिए मैसेज छोड़े।

नडाल ने अपने भावुक भाषण में कहा, मैं पेशेवर टेनिस की दुनिया को छोड़ रहा हूं और रास्ते में कई अच्छे दोस्त मिले। स्पेन के इस खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह आने वाले वर्षों में टेनिस के लिए अच्छे दूत बनेंगे और किसी को भी संन्यास लेने से नहीं डरना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं शांत हूं क्योंकि मुझे आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हिम्मत मिली है। मेरे पास एक महान परिवार है जो मुझे हर दिन की जरूरत की हर चीज में मदद करता है।

दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी 21 वर्षीय अल्काराज ने कहा कि नडाल दुनिया के सबसे बड़े एथलीट्स में से एक हैं और एक खिलाड़ी जो कुछ उम्मीद करता है वह नडाल ने हासिल किया। अल्काराज ने कहा, उनकी विरासत शाश्वत होने जा रही है। वह टेनिस के लिए महान रहे हैं, कम से कम मेरे लिए तो यह महसूस करना मुश्किल है कि उन्होंने जो विरासत छोड़ी है उसे जारी रखना चाहिए। यह मुश्किल है, लगभग असंभव है। मैं सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा, अभी राफा के बारे में अच्छी बातें कहने का समय है। टेनिस में, स्पेन में और मेरे जीवन में राफा होना बहुत अच्छा है। उन्होंने करियर में अपनी सारी ऊर्जा लगा दी। उन्हें जाते हुए देखना दुखद है, लेकिन हमें इसे स्वीकार करना होगा।

स्पेन के डेविस कप कप्तान डेविड फेरर ने भी नडाल के संन्यास पर भावुक दिखे। फेरर ने कहा, ऐसे लोग हैं जिन्हें जीवन में उनकी उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा, दूसरों को उनके सुनहरे दिनों के अंत तक और कुछ को हमेशा के लिए। नडाल आपको हमेशा याद किया जाएगा। नडाल ने अपने भाषण में स्पेन और दुनियाभर के फैंस को धन्यवाद दिया, लेकिन दुनिया के बाकी हिस्सों में भी जहां उन्हें कई प्रशंसक मिले। पेरिस में बजरी मिट्टी पर उन्होंने रिकॉर्ड 14 फ्रेंच ओपन खिताब जीते और किंग ऑफ क्ले उपनाम अर्जित किया। उनकी छवि को एफिल टॉवर के सामने रात के अंधेरे में पेश किया गया था। महान बोरिस बेकर ने लिखा, मैं बोलते हुए रो रहा हूँ ... राफेल नडाल... खेल की दुनिया का एक पूर्ण प्रतीक! राफा जैसा दूसरा कभी नहीं होगा!

कोएत्जी, एडवर्ड्स और सुफियान को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर लगी फटकार

दुबई, एजेंसी। नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स, ओमान के गेंदबाज सुफियान महमूद और दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को सप्ताहांत में अपने मैचों में आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। एडवर्ड्स को खिलाड़ियों और सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के दो अनुच्छेदों का उल्लंघन करते पाया गया।

अनुच्छेद 2.8 जो 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से संबंधित है और अनुच्छेद 2.2 जो 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़े, ग्राउंड उपकरण या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। ओमान और नीदरलैंड के बीच तीसरे टी-20 के दौरान उनके आउट होने के बाद दोनों उल्लंघन हुए।

पहली घटना उस समय हुई जब एडवर्ड्स ने पगबाधा आउट दिए जाने पर अंपायर को अपना बल्ला दिखाया। वहीं दूसरी घटना में उन्होंने अपनी टीम के ड्रेसिंग रूम की ओर लौटते समय अपना बल्ला और दस्ताने मैदान पर फेंक दिए। प्रतिबंधों के अनुसार उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और दो डिमेरिट अंक प्राप्त किए गए हैं। उसी मैच में महमूद पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया, क्योंकि उन्हें खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते पाया गया।

यह घटना उस समय हुई जब गेंदबाज (महमूद) ने बल्लेबाज तेजा निदामनुरु को आउट किया और उन्हें वापस उनकी टीम के ड्रेसिंग रूम की ओर इशारा करके विदा किया। एडवर्ड्स और महमूद दोनों ने अपने-अपने अपराध स्वीकार किए और आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के नियामुर राशिद राहुल द्वारा प्रस्तावित प्रतिबंधों को स्वीकार किया और इस तरह औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं रही।

दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच चौथे टी-20 में गेराल्ड कोएत्जी को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करते हुए पाया गया। कोएत्जी को इसके लिए फटकार लगाई गई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया।

मेसी 14 साल बाद भारत आएंगे

अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम अगले साल इंटरनेशनल मुकाबले के लिए केरल का दौरा करेगी

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी अगले साल एक इंटरनेशनल मैच के लिए भारत आएंगे। उनकी नेशनल टीम अर्जेंटीना केरल का दौरा करेगी। यह मुकाबला जून या जुलाई में खेला जाएगा। हालांकि यह मुकाबला किस टीम के खिलाफ खेला जाएगा, यह नहीं बताया गया है। इससे पहले, मेसी 2011 में एक इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच के लिए भारत आए थे। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने बुधवार को कहा, मेसी सहित अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम अगले साल एक इंटरनेशनल मैच के लिए राज्य का दौरा करेगी। अब्दुरहीमान ने आगे कहा कि मैच राज्य सरकार की पूरी निगरानी में आयोजित किया जाएगा।

साल 2011 में भारत आए थे मेसी मेसी सहित अर्जेंटीना फुटबॉल टीम पिछली बार 2011 में वेनेजुएला के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच के लिए भारत आई थी। अर्जेंटीना और वेनेजुएला के बीच यह मैच 2 सितंबर को कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच में मेसी के असिस्ट से निकोलस ओटामेंडी ने दूसरे हाफ में हेडर से गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 से जीत दिलाई थी। अर्जेंटीना मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन है। टीम ने 2022 में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराकर खिताब जीता था। अर्जेंटीना को इससे पहले 1986 में खिताबी कामयाबी मिली थी। अर्जेंटीना का यह ओवरऑल तीसरा खिताब रहा। टीम 1978 में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी थी।

36 साल के इशांत शर्मा को लेकर आई बड़ी खबर, अचानक मिली टीम में जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। एक तरफ जहां टीम इंडिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के लिए ऑस्ट्रेलिया में जमकर तैयारी कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे इशांत शर्मा के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। नवंबर 2021 में अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलने वाले इशांत शर्मा लंबे समय से टीम इंडिया में वापसी की राह देख रहे हैं लेकिन अभी तक सफल नहीं हो पाए हैं। यही वजह है कि वह जमकर घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। इस बीच इशांत शर्मा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, इशांत शर्मा को टीम में जगह मिल गई है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए चुनी गई 24 सदस्यीय दिल्ली की टीम में इशांत शर्मा को शामिल किया गया है। दिल्ली की टीम की कमान लखनऊ सुपर जायंट्स यानी रूल के स्टार बल्लेबाज आयुष बडोनी को सौंपी गई है। यश ढुल और अनुज रावत टीम का हिस्सा हैं। इनके अलावा दिल्ली प्रीमियर लीग यानी पहले सीजन में एक ओवर में 6 छक्के लगाने वाले प्रियांश आर्य को भी टीम में जगह दी गई है।

हर्षित राणा टीम इंडिया के साथ – तेज गेंदबाज हर्षित राणा को टीम में शामिल नहीं किया गया हैं क्योंकि वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में हैं। राणा को 22 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग-11 में तीसरे तेज गेंदबाज की जगह लेने की दौड़ में हैं। सिर्फ 10 प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले हर्षित के बारे में कहा जा रहा है कि वह लगातार 140 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से अधिक की गति और अच्छी उछाल हासिल करने की क्षमता के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बड़े-बड़े दिग्गजों को भी प्रभावित किया है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए दिल्ली का स्क्वाड- प्रियांश आर्य,अनुज रावत,आयुष बडोनी (कप्तान), हिम्मत सिंह, मयंक गुसाईं, मयंक यादव, जोंटी सिद्धु, इशांत शर्मा, यश ढुल, सिमरजीत सिंह, वैभव कांडपाल, हर्ष त्यागी, प्रिंस यादव, हिमांशु चौहान, वंश बेदी, आर्यन राणा, अखिल चौधरी, ध्रुव कौशिक, सार्थक रंजन, सुयश शर्मा, दिग्वेश राठी, आयुष सिंह, प्रिंस चौधरी, प्रणव रणवंशी।

ग्लेन मैक्सवेल फील्डिंग करते समय चोटिल, एक महीने तक रह सकते हैं खेल से बाहर

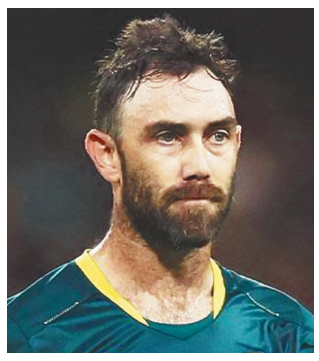

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि स्कैन में उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में ग्रेड टू टियर का पता चला है, जिससे बिग बैश लीग (बीबीएल) की शुरुआत के लिए उनके उपलब्ध होने पर संदेह है। मैक्सवेल को सोमवार को होबार्ट में पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी। उन्हें सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अपनी हैमस्ट्रिंग को पकड़ते और लंगड़ाते हुए बेलरिव ओवल में खेलते हुए देखा गया था।

इस चोट ने फरवरी 2025 में श्रीलंका में ऑस्ट्रेलिया की दो मैचों की सीरीज से पहले टेस्ट टीम में वापसी के मैक्सवेल के प्रयास को भी बाधित कर दिया है। उन्होंने आखिरी बार 2017 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। इसके अलावा, अब वह संभवतः शेफील्ड शील्ड मैच भी मिस कर देंगे, जिसका उपयोग उन्होंने बीबीएल सीजन की तैयारी के लिए करने की योजना बनाई थी। क्रिकेट विक्टोरिया ने इस खबर की पुष्टि की कि चोट के कारण 36 वर्षीय खिलाड़ी कम से कम चार सप्ताह तक मैदान से बाहर रहेंगे जो कि बीबीएल और आगामी अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम से पहले का महत्वपूर्ण समय है। बिग बैश लीग का सीजन 15 दिसंबर से शुरू होगा जिसमें मेलबर्न स्टार्स का सामना पर्थ स्कॉर्चर्स से होगा। मैक्सवेल को टूर्नामेंट के पहले मैच के लिए फिटनेस हासिल करने के लिए समय के खिलाफ दौड़ का सामना करना पड़ रहा है।

संजय मांजरेकर ने पर्थ टेस्ट से पहले दिया बड़ा बयान
केएल राहुल से ओपनिंग कराके गलती कर रहा भारत?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरुआत करेगी। पहले टेस्ट में टीम को न तो कप्तान रोहित शर्मा की सेवाएं मिलेगीं और न ही युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की। टीम को टॉप ऑर्डर में इन दोनों की जगह लेने वाले खिलाड़ी चुनने हैं। ऐसे में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है केएल राहुल ओपनिंग कर सकते हैं। भारत के दिग्गज खिलाड़ी संजय मांजरेकर का मानना है कि राहुल इस जगह पर खास नहीं कर पाए हैं। संजय मांजरेकर ने इएसपीएनक्रिकइंफो ने कहा, केएल राहुल को ओपनिंग विकल्प के रूप में देखा जाए तो वह वास्तव में शानदार प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। हकीकत यह है कि केएल राहुल को देखकर आपको उनसे सहानुभूति होती है, मैं उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में बहुत पसंद करता हूं। उनमें बहुत प्रतिभा है। उनमें आत्मविश्वास की कमी है और आप नहीं चाहेंगे कि वह टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करें, क्योंकि पारी की गति शुरुआत में नंबर 1, 2 और 3 पर निर्धारित होती है।

राहुल को निचले क्रम में करनी चाहिए बल्लेबाजी – अपनी पारी जारी रखते हुए उन्होंने कहा, मैं केएल राहुल को उस काम के लिए सराह रहा हूं जो उन्होंने निचले क्रम में और हाल ही में साउथ अफ्रीका में किया है। वह नरम कूकाबुरा गेंद के साथ छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे और अगर उन्हें टेलेंडर्स के साथ बल्लेबाजी करनी है, तो मुझे लगता है कि वह शानदार होंगे।'

केएल राहुल का 2022 के बाद प्रदर्शन – केएल राहुल पिछले दो साल से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। साल 2022 के बाद से, राहुल ने 12 टेस्ट मैच खेले हैं। 21 पारियों में उन्होंने 25.7 की औसत से तीन अर्धशतक और एक शतक के साथ 514 रन बनाए हैं। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया में एक सलामी बल्लेबाज के रूप में उनके आंकड़े भी अच्छी तस्वीर पेश नहीं करते हैं, 32 वर्षीय खिलाड़ी के नाम चार मैचों (सात पारियों) में 26.14 की औसत और 45.29 की स्ट्राइक रेट से 183 रन हैं।

हार्दिक पंड्या फिर बने दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर, 69 पायदान की छलांग लगा शीर्ष-3 में पहुंचे तिलक वर्मा

नईदिल्ली, एजेंसी। अनुभवी भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या ने 20 नवंबर 2024 को दुनिया के शीर्ष टी20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर के रूप में अपना स्थान फिर से हासिल कर लिया, जबकि उभरते हुए सितारे और उनके टीम साथी तिलक वर्मा ने नवीनतम आईसीसी पुरुष टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाते हुए शीर्ष-3 में जगह बनाई।

हार्दिक पंड्या ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में भारत की टी20 सीरीज के दौरान मजबूत फॉर्म के दम पर टी20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर रैंकिंग में इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पीछे छोड़ दिया। 31 साल के हार्दिक पंड्या ने गेंद और बल्ले दोनों आकर्षक प्रदर्शन किया था। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 4 मैच की सीरीज के दूसरे टी20 इंटरनेशनल में हार्दिक पंड्या के नाबाद 39 रन टीम इंडिया की पारी को संतुलित करने में मददगार रहे थे, जबकि चौथे मैच में 3 ओवर में 8 रन देकर 1 विकेट वाले स्पेल ने सुनिश्चित किया कि एशियाई टीम ने 3-1 से श्रृंखला में प्रभावशाली जीत हासिल की। ??यह दूसरी बार है जब हार्दिक पंड्या ने टी20 ऑलराउंडर्स की नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है। भारतीय खिलाड़ी ने इस साल के आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के अंत में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

आईसीसी के ताजा रैंकिंग अपडेट में बड़ी छलांग लगाने वाले हार्दिक पड्या अकेले भारतीय खिलाड़ी नहीं हैं। प्लेयर ऑफ द सीरीज और उभरते हुए प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी सूची में 69 स्थान की छलांग लगाई है। तिलक वर्मा ने भारत बनाम साउथ अफ्रीका टी20 इंटरनेशनल सीरीज दो शतक की मदद से 280 रन बनाये थे।

तिलक वर्मा की रैंकिंग में सुधार हुआ है। वह नंबर 1 टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाज ट्रैविस हेड के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इसका मतलब है कि अब वह भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव एक स्थान गिरकर चौथे स्थान पर घिसक गये। टीम के साथी संजू सैमसन टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की इस सूची में 17 स्थान चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गए। संजू सैमसन ने भी दक्षिण अफ्रीका के साथ सीरीज में दो शतक लगाये थे।

ट्रिस्टन स्टब्स (3 स्थान चढ़कर 23वें स्थान पर) और हेनरिक क्लासेन (6 स्थान चढ़कर 59वें स्थान पर) में लगातार सुधार से साउथ अफ्रीकी प्रशंसक खुश होंगे। श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज कुसल मेंडिस (3 स्थान चढ़कर 12वें स्थान पर) और वेस्टइंडीज के हार्ड-हिटर शाई होप (16 स्थान चढ़कर 21वें स्थान पर) भी टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की सूची में आगे बढ़े हैं। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में अर्धशतक जड़ने के बाद 10 स्थान चढ़कर 45वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

160 सीटों पर प्रचंड जीत के साथ महाराष्ट्र में बनने जा रही है महायुति की सरकार

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के खत्म होने से पहले परिणाम देश के सामने आ चुका है। महाराष्ट्र का सियासी मिजाज इस बात की ओर इशारा कर रही है कि पूरे महाराष्ट्र में महायुति का सियासी पलड़ा भारी है। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में बुधवार को मतदान है, जिसमें 4,136 उम्मीदवारों की किस्मत दाँव पर लगी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता और भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य अमित शाह के मार्गदर्शन में महायुति हैट्रिक लगाने की कवायद में है तो कांग्रेस की अगुवाई वाला इंडिया गठबंधन अपनी वापसी के लिए बेताब नजर आ रही है। चुनाव में सरकार बनाने या बिगाड़ने वाली जनता यह जान चुकी है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर महायुति के चुनावी घोषणा पत्र में सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। महायुति के घोषणा-पत्र में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के विकास के लिए कई योजनाएँ चलाई गई और इसे अब और आगे बढ़ाने का वादा किया गया है। महायुति ने सरकार बनने पर लाडली बहन योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 2,100 रुपये और किसानों को कर्जमाफी का वादा किया है। महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनने की चर्चा है, जो राज्य के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में महत्त्वपूर्ण बदलाव का संकेत देती है। महायुति का गठबंधन चुनावी परिणामों में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद राज्य में अपनी सरकार बनाने की ओर अग्रसर है।

एयरबीएनबी पर सारा अली खान लेकर आ रही हैं एक्सक्लूसिव वेलनेस एवं योगा रिट्रीट

मुंबई , एजेंसी। फिटनेस एवं ट्रैवल को लेकर प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान पहली बार एक्सक्लूसिव वेलनेस एवं योगा रिट्रीट क्यूरेट एवं होस्ट करने के लिए तैयार हैं। यह रिट्रीट गोवा में एयरबीएनबी की खास लोकेशन पर होगा, जिसमें चार अतिथियों को हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। गोवा की खूबसूरत वादियों में रिट्रीट का हिस्सा बनने वालों को सुकून का एहसास होगा। यह उनके लिए दिल-दिमाग को शांत रखने का एक खूबसूरत मौका होगा। एयरबीएनबी में भारत, दक्षिणपूर्व एशिया, हांगकांग और ताइवान के जनरल मैनेजर अमनप्रीत बजाज ने कहा एयरबीएनबी के होस्ट के रूप में सारा का स्वागत करने को लेकर हम उत्साहित हैं। पर्यटन के लिए किसी गंतव्य पर जाते समय अनूठा एवं व्यापक अनुभव पाने की भारतीय पर्यटकों की चाहत लगातार बढ़ रही है। साथ ही बॉलीवुड भी लोगों के लिए इस मामले में किसी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। ऐसे में यह रिट्रीट लोगों को सबसे अलग और अनूठा अनुभव देगा। इससे एक एक्साइटिंग इमर्जिंग ट्रैवल ट्रेंड के रूप में वेलनेस टूरिज्म को सामने लाने का भी मौका मिलेगा। सारा ने कहा गोवा में विशेष तौर पर एयरबीएनबी पर इस खास वेलनेस एवं योगा रिट्रीट में अतिथियों का स्वागत करने के लिए मैं उत्साहित हूं। प्रकृति की खूबसूरती के बीच हम मन, शरीर और अंतर्रात्मा की शांति पर फोकस करेंगे और साथ मिलकर यादगार क्षण बनाएंगे।

कलर्स ने प्रेरणादायक ड्रामा 'अपोलीना - सपनों की ऊंची उड़ान' के साथ बड़े सपने देखने की भावना को पंख दिए

मुंबई , एजेंसी। जब सितारे आवाज़ देते हैं, तो केवल बहादुर ही उनका जवाब देने की हिम्मत करते हैं! एक लाजवाब कॉस्मिक ट्रिब्यूट में, कलर्स ने अपने पहले अंतरिक्ष पर आधारित ड्रामा 'अपोलीना - सपनों की ऊंची उड़ान' को सम्मान देते हुए, एक तारे का नाम अपोलीना रखकर गैलेक्टिक इतिहास रचा है। इस आकाशीय भाव के साथ, चैनल ने न केवल आकाश को रोशन किया है, बल्कि हर जगह के ड्रीमर्स के दिलों में उत्साह भी पैदा किया है, और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने हेतु ऊंची उड़ान भरने के लिए प्रेरित किया है। आकर्षक यूनिवर्स में एक नया सदस्य, यह शो बड़ी महत्वाकांक्षाओं वाली एक छोटे शहर की लड़की - अपोलीना की प्रेरणादायक कहानी बताता है, जो 'कर के दिखाऊंगी' के मोटो के साथ जीती है। भारत की पहली महिला एस्ट्रोनॉट बनने के लिए दृढ़ संकल्पित, वह अपने सपने को जीने और अपने पिता के खोए हुए सम्मान को फिर से हासिल के सफर पर निकलती है। अपोलीना 'गद्दार की बेटी' कहे जाने के भारी बोझ से जूझती है।

अब श्रीभूमि कहलाएगा असम का करीमगंज जिला, आजादी के बाद कई दिन तक फहरा था पाकिस्तानी झंडा

गुवाहाटी, एजेंसी। असम कैबिनेट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बांग्ला-बहुल बराक घाटी क्षेत्र के करीमगंज जिले का नाम बदलकर 'श्रीभूमि' करने का फैसला किया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस फैसले को रवींद्रनाथ टैगोर के विजन को सम्मानित करने और क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने का प्रयास बताया। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, करीब 100 साल पहले, कबीगुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने आधुनिक करीमगंज जिले को 'श्रीभूमि'–मां लक्ष्मी की भूमि–के रूप में वर्णित किया था। आज असम कैबिनेट ने इस क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है।

जिले की पुरानी पहचान लौटाने की कोशिश

सरमा ने कहा कि यह कदम असम के दक्षिणी जिले की पुरानी गरिमा बहाल करने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और

महत्व को न दर्शाने वाले नामों को बदलने की प्रक्रिया जारी रखेगी। मुख्यमंत्री ने बताया, करीमगंज नाम न तो असमिया और न ही बांग्ला शब्दकोशों में पाया जाता है, जबकि श्रीभूमि का उल्लेख और अर्थ दोनों में पाया जाता हैं।

करीमगंज का ऐतिहासिक संदर्भ

करीमगंज का इतिहास ब्रिटिश शासनकाल से जुड़ा है। 1878 में इसे सिलहट जिले के अंतर्गत एक उपमंडल के रूप में स्थापित किया गया था। 1947 में भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान सिलहट जिला पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) को सौंप दिया गया था, लेकिन करीमगंज उपमंडल के तीन और आधे थाना क्षेत्र (रताबाड़ी, बदरपुर, पाथरकांडी और करीमगंज का एक हिस्सा) भारत में शामिल किए गए। करीमगंज को 1 जुलाई 1983 को एक स्वतंत्र जिला बना दिया गया। 2011 की जनगणना के अनुसार, करीमगंज जिले की जनसंख्या 12 लाख से अधिक है। कैबिनेट के इस फैसले के बाद जिले में उत्सव का माहौल देखा गया। स्थानीय इतिहासकारों ने बताया कि रवींद्रनाथ टैगोर ने 19 नवंबर, 1919 को करीमगंज का दौरा किया था और उस समय उन्होंने इस स्थान को 'श्रीभूमि' कहा था। उन्होंने कहा, 105 साल बाद, असम सरकार ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया है और हम इसके लिए बेहद खुश हैं। पाथरकांडी के विधायक कृष्णेंदु पॉल ने इस कदम को सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान बताते हुए कहा कि यह फैसला इस क्षेत्र के लोगों को गर्व और पहचान का एहसास कराएगा। असम के सबसे बड़े बंगाली सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन बराक उपत्यका बंगा साहित्य ओ संस्कृति सम्मेलन ने इस निर्णय का स्वागत किया। संगठन के प्रतिनिधि सब्यसाची रॉय ने कहा, टैगोर ने यहां आकर हमारे क्षेत्र को श्रीभूमि कहा था। यह नाम हमारे क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को सटीक रूप से व्यक्त करता है। उन्होंने मंगलवार को एचटी को बताया, टैगोर 105 साल पहले हमारे यहां आए थे और बंगाल के विभाजन के कारण वे बहुत दुखी थे। उस भावना से प्रेरित होकर उन्होंने सिलहट जाकर एक कविता लिखी और श्रीभूमि शब्द का उल्लेख किया। हमें खुशी है कि सदियों बाद हमारी भूमि को एक उपयुक्त नाम मिला है। 15 अगस्त 1947 को जब पूरा भारत आजादी का जश्न मना रहा था, तब असम के करीमगंज के 709 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पाकिस्तानी झंडे लहरा रहे थे। उस क्षेत्र के कुछ हिस्सों ने उस साल 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया, जबकि कुछ तब तक भ्रमित रहे जब तक कि ब्रिटिश सरकार ने 17 अगस्त को इसे भारतीय क्षेत्र घोषित नहीं कर दिया। उन्होंने इमिग्रेशन, सिटिजनशिप एंड असम नामक एक किताब प्रकाशित की है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत का झंडा पहली बार 17 अगस्त 1947 को करीमगंज में फहराया गया था। उससे पहले तीन दिनों तक करीमगंज के कई हिस्सों में पाकिस्तान का झंडा फहराया गया था। उनके अनुसार, 6 और 7 जुलाई 1947 को आयोजित सिलहट जनमत संग्रह के दौरान 5,46,815 पात्र मतदाताओं में से 4,23,660 ने मतदान किया, लेकिन 1,23,155 मतदाताओं (जिनमें से अधिकांश बागान मजदूर और मुख्य रूप से हिंदू थे) को मतदान करने की अनुमति नहीं दी गई। रॉय ने कहा कि प्रशासनिक कारणों से अंग्रेजों ने कई बार सिलहट को बंगाल और असम के बीच में फेंका। इसे 1874 में नए अधिग्रहीत क्षेत्र के राजस्व को बढ़ाने के लिए असम प्रांत में जोड़ा गया था। 1905 में, जब बंगाल का विभाजन हुआ, तो सिलहट को पूर्वी बंगाल और असम का हिस्सा बना दिया गया, लेकिन 1912 में इसे फिर से बंगाल से अलग कर दिया गया और असम का हिस्सा बना दिया गया। विभाजन-पूर्व जनमत संग्रह के बाद, सिरिल रेडक्लिफ ने सिलहट को पूर्वी पाकिस्तान में शामिल कर लिया, लेकिन करीमगंज और त्रिपुरा के कई वर्गों ने इसका विरोध किया, क्योंकि यह भूमि कुशियारा नदी द्वारा सिलहट के बाकी हिस्सों से स्वाभाविक रूप से अलग हो गई थी।

पंचकूला बैठक में पहुंचे कृषि मंत्री लिफ्ट में फंसे, निकालने में लग गया आधा घंटा

पंचकूला, एजेंसी। हरियाणा के कृ?षि मंत्री श्याम सिंह राणा मंगलवार को लिफ्ट में फंस गए। वह पंचकूला में भाजपा के पंचकमल ऑफिस में विधायक दल की मीटिंग के लिए पहुंचे थे। जब उन्होंने लिफ्ट का इस्तेमाल किया तो लिफ्ट अचानक खराब हो गई और बीच में अटक गई। कृषि मंत्री राणा के साथ इस दौरान नलवा विधायक रणधीर पनिहार समेत कई लोग मौजूद थे। मंत्री-विधायकों के लिफ्ट में फंसने की खबर फैलते ही हड़कंप मच गया। मंत्री श्याम सिंह राणा के लिफ्ट में फंसे होने की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन की टीम एक्शन में आई और लिफ्ट के अंदर फंसे मंत्री श्याम सिंह राणा समेत बाकी लोगों को पानी पहुंचाया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद मंत्री राणा व अन्य लोगों को बाहर निकाला।

मंत्री श्याम सिंह राणा के लिफ्ट में

फंसने के बाद लिफ्ट का संचालन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। बाहर नोटिस भी चस्पा कर दिया गया है। लिफ्ट ठीक करने के बाद ही उसे लोगों के लिए खोला जाएगा। पंचकूला स्थित बीजेपी दफ्तर में विधायक दल की बैठक हो में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद थे। मंत्री के इस तरह लिफ्ट में फंसने से लिफ्ट के मेंटेनेंस को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आखिर कैसे लिफ्ट बीच में रुक गई, क्या उसकी ठीक से मेंटेनेंस नहीं की गई। अगर कोई बड़ा हादसा हो जाता तो कौन जिम्मेदार होता? वहीं, बताया जा रहा है कि लिफ्ट के ओवरलोड होने की वजह से ये परेशानी खड़ी हुई थी। 20 अगस्त 2022 को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पंचकूला के सेक्टर-3 में बीजेपी के नए कार्यालय पंचकमल का उद्घाटन किया था। उनके साथ हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और पार्टी के तत्कालीन हरियाणा अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ भी मौजूद थे। पंचकूला बीजेपी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव के लिए दफ्तर बनाए गए हैं। इसके अलावा इस कार्यालय में एक सभागार भी शामिल है। इस कार्यालय में तीन लोकसभा क्षेत्रों करनाल, कुरुक्षेत्र, अंबाला कार्यकर्ता को काम करने की सुविधाएं दी गई हैं।

कैश फॉर वोट पर विनोद तावड़े बोले- इतना मूर्ख नहीं कि विपक्षी नेता के होटल में रकम बांटने जाऊं

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र चुनाव में मतदाताओं को लुभाने के लिए कैश बांटने के आरोपों में घिरे भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि क्या मैं इतना बेवकूफ हूं कि विपक्षी नेता के होटल में कैश लेकर जाऊंगा और वहां पैसे बांटूंगा। उन्होंने कहा कि मैं नियमों के बारे में समझ रखता हूं और ऐसा कुछ भी नहीं किया है। मंगलवार को बहुजन विकास अघाड़ी के नेता हितेंद्र ठाकुर ने तावड़े पर आरोप लगाया था कि वह विरार के एक होटल में 5 करोड़ रुपये कैश लेकर पहुंचे हैं। इस होटल में ठाकुर अपने कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे थे और जमकर हंगामा हुआ था। यह होटल मुंबई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटनाक्रम के बाद चुनाव आयोग ने होटल के कमरों की जांच की थी। आयोग के एक अधिकारी का कहना था कि होटल के कमरों से 9.93 लाख रुपये कैश बरामद हुआ है। भाजपा नेता ने खुद पर लगे आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि वह भाजपा कार्यकर्ताओं की मीटिंग के लिए पहुंचे थे। तावड़े ने कहा कि विवांता होटल के मालिक हितेंद्र ठाकुर और उनका परिवार ही है। क्या मैं इतना मूर्ख हूं कि इस होटल में पैसे लेकर आऊंगा और कैश बांटूंगा? भाजपा लीडर ने कहा कि मैं 40 सालों से राजनीति में हूं और नियमों से पूरी तरह वाकिफ हूं कि चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद साइलेंस पीरियड में क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। तावड़े ने कहा कि मैं तो कार्यकर्ताओं से सामान्य बातचीत के लिए आया था। प्रचार में भी नहीं था। यहां कार्यकर्ताओं से वोटिंग की प्रक्रिया को समझाने के लिए मुलाकात होनी थी।

ईरान में जेल में बंद नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ीं

तेहरान, एजेंसी। ईरान में जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी एक जटिल सर्जरी से गुजरीं, जिसके तहत उनके दाएं पैर की एक हड्डी का कुछ हिस्सा कैंसर की आशंका के चलते हटा दिया गया। हालांकि, अधिकार समूहों के मुताबिक, नरगिस को सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल भेज दिया गया, जिससे उनकी सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को भेजे गए 40 से अधिक अधिकार समूहों के हस्ताक्षर वाले एक पत्र में नरगिस को उन आरोपों में सुनाई गई जेल की सजा से तत्काल चिकित्सकीय फर्लो पर रिहा करने का आग्रह किया गया है, जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंबे समय से आलोचना हो रही है।

इस पत्र को ईरान पर नरगिस की रिहाई का दबाव बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। नोबेल समिति के नरगिस को पिछले साल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के बाद से ही ईरान पर उनकी रिहाई का दबाव बनाने का अभियान चलाया जा रहा है सोमवार को भेजे गए पत्र में कहा गया है, हम ईरानी अधिकारियों से मानवाधिकारों का अपराधीकरण रोकने और मानवाधिकार

कार्यकर्ताओं, पत्रकारों एवं लेखकों की सेहत ठीक न होने पर उन्हें जेल में कैद करने से बचने का आग्रह करते हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दूतावास ने इस पत्र पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं, अतीत में नरगिस की रिहाई के लिए चलाए गए अभियान को तवज्जो न देने वाले ईरान के सरकारी मीडिया ने भी पत्र पर कोई खबर नहीं प्रकाशित की है। नरगिस (52) राज्य विरोधी तत्वों के साथ मिलीभगत और ईरान सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार के आरोप में कुल 13 साल और नौ महीने की जेल की सजा काट रही हैं। कई बार गिरफ्तार किए जाने और सलाखों के पीछे लंबी अवधि गुजारने के बावजूद उन्होंने अपना अभियान जारी रखा है। पत्र के मुताबिक, जेल में रहने के दौरान नरगिस को कई बार दिल का दौरा पड़ा और 2022 में उनकी आपात सर्जरी की गई थी। नवंबर की शुरुआत में नरगिस के वकील ने बताया कि डॉक्टरों ने उनके दाएं पैर की एक हड्डी में घाव की पुष्टि की है, जिसके बारे में उन्हें आशंका है कि यह कैंसर हो सकता है। इसके बाद बृहस्पतिवार को उनकी सर्जरी की गई।

पत्र में कहा गया है, नरगिस को चिकित्सकीय सलाह के विरुद्ध सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। नरगिस को चिकित्सा फर्लो पर रिहा करने और उनकी सजा निलंबित करने के उनके विधि टीम के आग्रह को भी नजरअंदाज कर दिया गया। इसमें कहा गया है, वर्षों की कैद और महीनों के एकांत कारावास ने नरगिस के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे उन्हें कई ऐसी स्वास्थ्य जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें अस्पताल में बिताई गई छोटी अवधि में संबोधित नहीं किया जा सकता।

पूर्व कनाडाई पीएम हार्पर ने ट्रूडो सरकार को फटकारा, कहा- खालिस्तानियों और जिहादियों को बढ़ावा देना बंद करो

टोरंटो, एजेंसी। पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने कनाडा की ट्रूडो सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि वह खालिस्तानियों और जिहादियों जैसे विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करे। हार्पर, जो 2006 से 2015 तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे, ने कनाडा की आव्रजन और विदेशी नीतियों की तीखी आलोचना की। हार्पर ने यह टिप्पणी अब्राहम ग्लोबल पीस इनिशिएटिव (एजीपीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की। इस दौरान उन्होंने एजीपीआई के संस्थापक और सीईओ एवी बैनलो के साथ चर्चा की। बैनलो ने नेशनल पोस्ट में प्रकाशित अपने लेख में हार्पर के बयान को उद्धृत करते हुए लिखा कि हार्पर ने कहा, हमें जिहादियों, यहूदी विरोधियों, खालिस्तानियों, तमिल टाइगर्स और अन्य विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करना होगा। हमें अपनी आव्रजन प्रणाली पर सख्त सवाल उठाने की जरूरत है कि हम लोगों को कैसे चुनते हैं।

हार्पर का यह बयान ऐसे समय आया है जब कनाडा और भारत के संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में दोनों देशों के रिश्ते मजबूत थे, लेकिन वर्तमान में दोनों के बीच तनाव बढ़ गया है। तनाव तब बढ़ा जब कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों पर आरोप लगाए। भारत ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया और ट्रूडो से सबूत मांगे, जो उन्होंने अभी तक पेश नहीं किए हैं। हार्पर ने खालिस्तानी मुद्दे को कनाडा की नीतियों का हिस्सा बनाने पर सवाल उठाया और कहा कि आव्रजन नीति में सुधार की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यहां विभाजनकारी विचारधाराओं को बढ़ावा न मिले। हम अपने समाज में पुराने नफरतों को नहीं ला सकते। इसे रोकने के लिए हमें कदम उठाने होंगे। वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी समर्थकों के बारे में कहा कि वे पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत समर्थक हिंदू भी पूरे हिंदू समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। हालांकि, ट्रूडो को खालिस्तानी समूहों के प्रति नरम रुख रखने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। हार्पर ने कनाडा की आव्रजन नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नीति उन लोगों को शामिल कर रही है जो विभाजनकारी और हिंसक विचारधारा रखते हैं। उन्होंने एजीपीआई कार्यक्रम में यह भी कहा कि कनाडा को अपनी नीतियों को संतुलित करना होगा ताकि बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हमारे नेता कतर नहीं गए तुर्की, इजरायल के दावे पूरी तरह से अफवाह- हमास

गाजा, एजेंसी। हमास ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें दावा किया गया था कि उसके कुछ नेता कतर से तुर्की चले गए हैं। एक आधिकारिक बयान में, हमास के सूत्रों ने सोमवार को कहा कि इजरायली मीडिया द्वारा फैलाए गए दावे पूरी तरह से अफवाहें हैं जिन्हें इजरायल समय-समय पर बढ़ावा देने का प्रयास करता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, रविवार को इजरायली मीडिया ने खबर दी कि विदेश में स्थित हमास के कई नेता हाल ही में कतर से तुर्की चले गए हैं।

इससे पहले सोमवार को तुर्की के विदेश मंत्रालय ने इजरायली मीडिया की रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा कि हमास के राजनीतिक ब्यूरो के तुर्की में स्थानांतरित होने के दावे सच्चाई को नहीं दर्शाते हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में तत्काल युद्धविराम लागू करने और मध्य पूर्व में परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने की अपील की। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, यूएन चीफ ने यह बात परमाणु हथियारों और अन्य सामूहिक विनाश के हथियारों से मुक्त मध्य पूर्व क्षेत्र की स्थापना- विषय पर सम्मेलन के पांचवें सत्र में एक वीडियो संदेश में कही।

गुटेरेस ने कहा कि इस तरह के क्षेत्र का विचार दशकों पुराना है, लेकिन क्षेत्रीय संघर्षों और तनावों के चरम पर पहुंचने के साथ, यह लक्ष्य दिन-प्रतिदिन और अधिक

जरूरी होता जा रहा है। यूएन महासचिव ने कहा कि एक साल से अधिक समय से गाजा एक विनाशकारी दौर से गुजर रहा है। यह संकट पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में लेने की चेतावनी दे रहा है। इस बीच हम सभी लेबनान में बढ़ते तनाव से चिंतित हैं। 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इसके साथ ही इजरायली सेना 23 सितंबर से लेबनान पर एयर स्ट्राइक कर रही है। उसने सीमा पार एक सीमित जमीनी अभियान भी चलाया है, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर हिजबुल्लाह को कमजोर करना है।

तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडराया, यूरोपीय देशों ने भोजन, पानी जमा करने को कहा

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे ने आपातकालीन पुस्तिकाएं भी जारी कीं जिसमें लोगों को संपूर्ण युद्ध सहित किसी आपातकालीन स्थिति में एक सप्ताह तक प्रबंधन करने की सलाह दी गई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध को खतरनाक रूप से बढ़ाते हुए, यूक्रेनी बलों ने मंगलवार देर रात रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में छह अमेरिकी निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। इसे मॉस्को द्वारा एक बड़े उकसावे के रूप में देखा जाएगा और एक जोरदार जवाबी कार्रवाई की संभावना है। कई नाटो देश अपने नागरिकों से युद्ध के लिए तैयार रहने को कह रहे हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस सीमा को कम कर दिया जब रूस परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकता था। यह तब हुआ जब यूक्रेन ने रूस के अंदर लक्ष्यों पर लंबी दूरी की छह अमेरिकी मिसाइलें दागीं। नाटो देशों ने युद्ध की आशंका गहराने की आशंका को भांपते हुए अपने नागरिकों को पर्चे जारी किए, जिसमें उन्हें युद्ध की तैयारी करने की सलाह दी गई। द मिरर ऑफ़ यूके के अनुसार, पैम्फलेट में स्वीडन ने परमाणु युद्ध छिड़ने की आशंका के बीच अपने निवासियों को आश्रय लेने की चेतावनी दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129